3 | राजधानी
ब्लैक स्पॉट के सभी कार्य प्राथमिकता पर हों

6 | अभिमत
व्यक्तिगत आय कर में सुधार

11 | विदेश
हमास का सैन्य शाखा प्रमुख भी मारा गया

12 | स्पोर्ट्स
बेल्जियम से हारी भारत की हाकी टीम

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 280
लखनऊ, शुक्रवार, 2 अगस्त, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

सरकार सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध

राष्ट्रीय-10

उत्तर से दक्षिण तक मानसून ने मचाई भारी तबाही

हिमाचल/उत्तराखंड

शिमला। देहरादून

भारी बारिश से हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में इमारतें ढह गईं, सड़कें बह गईं। इसके चलते तीर्थयात्रियों को हवाई मार्ग से निकाला गया। ये दृश्य गुरुवार सुबह उत्तराखंड और पड़ोसी हिमालयी प्रदेश में दिखे, जब बादल फटने के कारण इन राज्यों में भारी बारिश हुई। भारी बारिश और बादल फटने की कई घटनाओं के कारण उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई, 50 लापता हैं और सैकड़ों लोग फंसे हुए हैं । मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। केदारनाथ पैदल मार्ग पर फंसे 1,500 से अधिक तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जो कई स्थानों पर चट्टानों के कारण अवरुद्ध हो गया है। तीर्थयात्रियों को हेलीकॉप्टर और एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और जिला प्रशासन की बचाव टीमों की मदद से बचाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, लिनचोली और भीमबली से हेलीकॉप्टर द्वारा 425 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकाला गया है, जबकि बचाव दलों की मदद से विभिन्न स्थानों से 1100 तीर्थयात्री पैदल सोनप्रयाग पहुंचे हैं। आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि बुधवार रात भारी बारिश के कारण गौरीकुंड-केदारनाथ यात्रा मार्ग का 20-25 मीटर हिस्सा बह जाने से तीर्थयात्री गौरीकुंड-केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भीमबली से आगे फंस गए थे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से बात करके हर संभव मदद का भरोसा दिया है। प्रदेश में एनडीआरएफ की टीमों द्वारा राहत एवं बचाव कार्य किए जा रहे हैं वहीं मौसम (शेष पेज 9)

रुद्रप्रयाग के लिनचोली के पास जंगलचट्टी में बादल फटने के बाद फंसे लोगों को बाहर निकालते एसडीआरएफ कर्मी

शिमला के पास रामपुर में बादल फटने के बाद राहत और बचाव कार्य में लगे कर्मचारी

वायनाड

एजेंसी। वायनाड

केरल का वायनाड जिला दक्षिण-पश्चिम मानसून का कहर झेल रहा है। मुंडक्कई बस्ती में मरने वालों का आंकड़ा गुरुवार शाम 6 बजे तक 283 के पार पहुंच गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि वायनाड जिले में भूस्खलन और बाढ़ ने तबाही मचाई है, जिसे राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाना चाहिए। जिले में लगातार हो रही बारिश ने बचाव कार्यों की गति को प्रभावित किया है, क्योंकि आपदा प्रतिक्रिया दल के सदस्यों को कीचड़, पानी, चट्टानों और पानी से होकर गुजरना मुश्किल हो रहा है। पिछले तीन दिनों के बचाव अभियान के दौरान 283 शव मलबे से निकाले गए हैं। लेकिन बचाव कर्मियों को नदियों और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों से मिले क्षत-विक्षत शवों के बारे में अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। मंगलवार को हुए भूस्खलन में लापता हुए मुंडक्कई के लगभग 240 लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

भारतीय सेना के इंजीनियरों ने बचाव अभियान को आसान बनाने के लिए चालियार नदी पर बेली ब्रिज बनाने का काम लगभग पूरा कर लिया है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया दल के 500 से अधिक जवान और स्वयंसेवक चट्टानों और मिट्टी के नीचे फंसे लोगों को बचाने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री विजयन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सेना के अधिकारियों ने उन्हें बताया है कि मुंडक्कई में किसी भी जीवित प्राणी के मिलने की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि पूरी आबादी भूस्खलन के कारण आए सैलाब में डूब गई है या बह गई है। मुंडक्कइ के सभी 348 घर बाढ़ के पानी में बह गए। बाढ़ के बारे में चेतावनी जारी करने का काम सौंपी गई एजेंसी केंद्रीय जल आयोग ने राज्य के पांच जिलों में बाढ़ की चेतावनी जारी की है। विजयन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर बाढ़ और भूस्खलन के बारे में समय पर चेतावनी जारी करने में केंद्रीय एजेंसियों की विफलता का आरोप लगाया था।

वायनाड में राहत और बचाव कार्य में लगे सेना के जवान

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार शाम हुई रिकॉर्ड तोड़ बारिश ने पिछले 14 वर्षों में जुलाई में एक दिन में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है। बारिश के कारण हर तरफ जलभराव हो गया है, सड़कों पर पानी भर जाने के कारण यातायात व्यवस्था पर असर पड़ा है। कई जगहों पर देर रात तक ट्रैफिक जाम रहा। वहीं झमाझम बारिश ने दिल्ली एनसीआर में कम से कम 11 लोगों की जान ले ली, जिसमें एक माँ और उसका तीन वर्षीय बच्चा भी शामिल है, जो पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर में निर्माणाधीन नाले में जलभराव से गिर गए। राष्ट्रीय राजधानी के प्राथमिक मौसम केंद्र, सफदरजंग ने 24 घंटे के भीतर 108 मिलीमीटर बारिश दर्ज की, जो 14 वर्षों में जुलाई में एक दिन में हुई सबसे अधिक बारिश है। बुधवार देर रात शुरू हुई इस बारिश ने शहर की सड़कों को डुबो दिया और खासकर लुटियन दिल्ली में यातायात जाम हो गया था। दिल्ली एनसीआर में हुई भारी बारिश के कारण नए संसद भवन की लॉबी में भी पानी भर गया। इसके अलावा, परिसर के आसपास, खासकर नई संसद के मकर द्वार के पास जलभराव देखा गया, जिसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। विपक्षी नेताओं ने नए संसद भवन की लॉबी में पानी के रिसाव को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और मजबूत पुराने संसद भवन की सराहना की। एक बयान में लोकसभा सचिवालय ने कहा कि नए संसद भवन में पानी का मामूली रिसाव लॉबी के ऊपर कांच के गुंबदों को ठीक करने के लिए इस्तेमाल में चिपकने वाली सामग्री के हट जाने के कारण हुआ था और तुरंत इस समस्या को दुरुस्त कर दिया गया है। इसके बाद, पानी का कोई और रिसाव नहीं देखा गया है। दिल्ली के छह मौसम केंद्रों ने एक ही दिन में 100 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की। बारिश के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जिसमें उत्तरी दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके में एक इमारत गिरने से 62 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई।

उच्चतम न्यायालय ने केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार के व्यवहार पर जताई नाराजगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने पूछा कि क्या इस तरह के गुंडे को मुख्यमंत्री आवास में काम करना चाहिए। बिभव ने इस साल मई में आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर कथित रूप से हमला किया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कुमार की जमानत याचिका पर अगले बुधवार को सुनवाई करेगा। पीठ ने बिभव कुमार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी से कहा कि अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा दर्ज की गई घटना के विवरण से हैरान है। बिभव कुमार ने मामले में जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 जुलाई के आदेश को चुनौती दी है और दावा किया है कि उसके खिलाफ आरोप झूठे हैं। उसने यह भी कहा है कि जांच पूरी होने के कारण अब उसकी हिरासत की आवश्यकता नहीं है। शीर्ष अदालत ने बिभव कुमार की याचिका पर दिल्ली सरकार को एक नोटिस जारी किया। पीठ ने सिंघवी से पूछा, क्या मुख्यमंत्री आवास एक निजी बंगला है, क्या इस तरह के गुंडे को मुख्यमंत्री आवास में काम करना चाहिए। सिंघवी ने इस पर कहा कि चोटें गंभीर नहीं थीं और 13 मई की घटना के तीन दिन बाद एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अपनी तीखी टिप्पणियों में, पीठ ने सिंघवी से यह भी पूछा कि राज्यसभा सदस्य मालीवाल का हमले की घटना के दौरान पीसीआर को कॉल करना क्या संकेत देता है। पीठ ने कहा, हम हर दिन भाड़े के हत्यारों, हत्यारों, लुटेरों को जमानत देते हैं, लेकिन सवाल यह है कि किस तरह की घटना है। पीठ ने कहा कि जिस तरह से यह घटना हुई, उससे वह परेशान है। पीठ ने कहा, बिभव कुमार ने (शेष पेज 9)

राज्यों को एससी कोटा को उप वर्गीकृत करने का अधिकार

राजेश कुमार। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, ताकि उन जातियों को आरक्षण प्रदान किया जा सके जो सामाजिक और आर्थिक रूप से अधिक पिछड़ी हैं। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सात-सदस्यीय संविधान पीठ ने 6:1 के बहुमत के निर्णय के जरिए ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश सरकार मामले में शीर्ष अदालत की पांच-सदस्यीय पीठ के 2014 के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि अनुसूचित जातियों (एससी) के किसी उप-वर्गीकरण की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि वे अपने आप में स्वजातीय समूह हैं।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने अपने 140 पृष्ठ के फैसले में कहा, संविधान के अनुच्छेद 15 (धर्म, जाति, नस्ल, लिंग, जन्म स्थान के आधार पर किसी भी नागरिक के साथ भेदभाव न करना) और 16 (सार्वजनिक रोजगार में अवसर की समानता) के तहत सरकार अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए सामाजिक पिछड़ेपन की विभिन्न श्रेणियों की पहचान करने और नुकसान की स्थिति में विशेष प्रावधान (जैसे आरक्षण देने) के लिए स्वतंत्र है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ऐतिहासिक और अनुभवजन्य साक्ष्य दर्शाते हैं कि अनुसूचित जातियां सामाजिक रूप से विजातीय वर्ग हैं। इस प्रकार, अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए राज्य अनुसूचित जातियों को आगे वर्गीकृत कर सकता है यदि (ए) भेदभाव के लिए एक तर्कसंगत सिद्धांत है और (बी) तर्कसंगत सिद्धांत का उप-वर्गीकरण के उद्देश्य के साथ संबंध है। इस विवादास्पद मुद्दे पर कुल 565 पृष्ठों के छह फैसले लिखे गए। प्रधान न्यायाधीश ने अपनी ओर से और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की ओर से फैसले लिखे, (शेष पेज 9)

जलभराव के बीच लोगों से अभद्रता पर मुख्यमंत्री सख्त

- डीसीपी, एडीसीपी व एसीपी हटाए गए, इंस्पेक्टर सहित पूरी चौकी निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गोमती नगर में होटल ताज के निकट मंगलवार को जलभराव के बीच राहगीरों के साथ अभद्रता के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीरता से लेते हुए नाराजगी जताई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए इलाके के डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी को हटा दिया गया है। इसके अलावा संबंधित गोमती नगर थाने के इंस्पेक्टर और पुलिस चौकी पर तैनात सभी पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही हुड़दंग करने वाले 16 आरोपियों को पुलिस ने अब तक गिरफ्तार किया है। शेष के बारे में वीडियो फुटेज के आधार पर पहचान कर गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तारी के लिए क्राइम ब्रांच को भी लगाया गया है। आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

सीएम योगी ने गोमतीनगर बारिश के बाद हुड़दंग करने वाले मामला का संज्ञान लेते हुए गुरुवार को लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने घटना पर नाराजगी हाजिर कर लापरवाह

अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिये। सीएम योगी की नाराजगी पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। साथ ही सीएम के निर्देश पर शासन ने तत्काल प्रभाव से डीसीपी पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह, एडीसीपी अमित कुमावत और एसीपी गोमतीनगर अंशु जैन को पद से हटा दिया। इसके साथ ही गोमतीनगर इंस्पेक्टर दीपक कुमार पांडेय, समतामूलक चौकी इंचार्ज ऋषि विवेक, दरोगा कपिल कुमार, सिपाही धर्मवीर और सिपाही वीरेंद्र कुमार को सस्पेंड कर दिया। वहीं आरोपियों की जल्दी गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये। लखनऊ पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने बताया कि राजधानी में बुधवार तेज बारिश के बाद ताज होटल के निकट गोमतीनगर थाना क्षेत्र में बने अंडरपास के पास जल भराव हो गया। इस दौरान कुछ अराजक तत्वों द्वारा अंडरपास से गुजरने वाले राहगीरों के साथ आपत्तिजनक गतिविधियां करने की सूचना का संज्ञान लेते हुए गोमतीनगर में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी। (शेष पेज 9)

श्रीकृष्ण जन्मभूमि और ईदगाह विवाद में जारी रहेगी सुनवाई: हाईकोर्ट

एजेंसी। इलाहाबाद

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा स्थित श्री कृष्ण जन्मभूमि एवं शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में बृहस्पतिवार को कहा कि यह वाद सुनवाई योग्य है। अदालत ने इस वाद में मुद्दे तय करने के लिए 12 अगस्त की तिथि निर्धारित की। वाद की पोषणीयता को लेकर मुस्लिम पक्ष की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने मुकदमे की पोषणीयता के संबंध में मुस्लिम पक्ष की दलीलें खारिज कर दीं। उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने न्यायालय परिसर के बाहर मीडिया से बातचीत में कहा कि इन वादों की पोषणीयता को चुनौती देते हुए मुस्लिम पक्ष की ओर से जो भी दलीलें दी गई थीं, वे अदालत द्वारा खारिज कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि इस निर्णय के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय सभी 18 मामलों पर सुनवाई जारी रखेगा। हिंदू पक्ष के वकील ने कहा, अब हम उच्चतम न्यायालय जाकर माननीय अदालत से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सर्वेक्षण के आदेश पर लगी रोक हटाने की मांग करेंगे। हम आज के निर्णय के संबंध में (शेष पेज 9)

महिला सुरक्षा से जो खिलवाड़ करेगा वो भुगतेगा: योगी

लखनऊ। अनुपूरक बजट पर बोलते हुए गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी के गोमतीनगर में 31 जुलाई को हुई घटना का जिक्र किया। होटल ताज के पास अंडर पास में भरे पानी में राहगीरों के साथ बदतमीजी और युवती के साथ हुई छेड़छाड़ की घटना पर सीएम योगी ने कहा कि मामले का पहला आरोपी मनोज यादव और दूसरा मोहम्मद अरबाज है। ये सद्भावना वाले लोग हैं। चिंता न करिए हमारी सरकार इनके लिए सद्भावना ट्रेन नहीं बल्कि 'बुलेट' ट्रेन चलाएगी। इसकी तैयारी की जा रही है। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने यह पहले दिन ही कहा था कि महिला सुरक्षा हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है, जो खिलवाड़ करेगा, वो खामियाजा भुगतेगा। इसके लिए हमारी सरकार ने प्रदेश की प्रत्येक मां, बहन और बेटी को आश्वस्त किया है। इस घटना को हमारी सरकार ने पूरी गंभीरता से लिया है। इसी का परिणाम है कि हमने डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी को हटा दिया है। साथ ही थाने के इंस्पेक्टर और पूरी चौकी को निलंबित करते हुए कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। सीएम योगी ने कहा कि हम सबका सम्मान करेंगे, सबको सुरक्षा देंगे, लेकिन अगर कोई प्रदेश में अव्यस्था की स्थिति पैदा करेगा तो वो भुगतेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अंदर अराजकता पैदा करने वाला कोई भी व्यक्ति हो वो बख्शा नहीं जाएगा। घटना होगी तो सख्त कार्रवाई भी होगी।

बीएसएफ महिला कर्मी ने अकेले बांग्लादेशी घुसपैठियों को खदेड़ा

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 689वीं बटालियन की एक महिला सिपाही ने नादिया जिले के राणाघाट सीमा चौकी पर अकेले ही बांग्लादेशी घुसपैठियों के एक हथियारबंद गिरोह को खदेड़ दिया, अर्धसैनिक संगठन के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष की प्रभारी महिला अधिकारी ने 30 जुलाई को भारतीय सीमा की तरफ 14 लोगों को आते देखा। वह तुरंत उनकी तरफ दौड़ी और उन्हें रुकने और वापस लौटने का निर्देश दिया।

हालांकि, चाकुओं और अन्य घातक हथियारों से लैस लोग आगे बढ़ते घुसपैठियों ने बात नहीं मानी और उनपर हमला कर दिया। बहादुर महिला बीएसएफ कर्मियों ने जवाबी हमला किया, जबकि एक साथी जवान ने घुसपैठियों को डराने के लिए दूर से एक स्टन ग्रेनेड दागा। सूत्रों ने बताया कि जब घुसपैठिए बेखौफ होकर अंदर आते रहे तो महिला कांस्टेबल ने अपनी राइफल से एक गोली चलाई जिससे घुसपैठिए डर गए और फिर अपनी तरफ भाग गए। उन्होंने कहा कि पिछले एक सप्ताह में यह घुसपैठ की तीसरी कोशिश थी जिसे नाकाम कर दिया गया। इस मुद्दे का जिक्र करते हुए बंगाल के विपक्षी नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी के शासन में घुसपैठ चरम पर थी और यह तृणमूल कांग्रेस ही थी जो रोहिंग्याओं सहित अपने वोट आधार को बढ़ाने के लिए अवैध घुसपैठ में लिप्त थी।

अधिकारी ने पहले कहा था, यह वही ममता बनर्जी हैं जिन्होंने घुसपैठ में संलिप्तता के लिए वामपंथी सरकार के खिलाफ बहादुरी से विरोध किया था और अब यह उनकी अपनी सरकार है कि रोहिंग्या बड़ी संख्या में घुसपैठ कर रहे हैं और देश के अन्य हिस्सों में पलायन कर कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा, यह वही ममता बनर्जी हैं जिन्होंने घुसपैठ में लिप्त होने के लिए वामपंथी सरकार के खिलाफ बहादुरी से विरोध किया था और अब यही रोहिंग्या बड़ी संख्या में घुसपैठ कर रहे हैं और देश के अन्य हिस्सों में पलायन कर रहे हैं, जिससे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो रही है।

स्वप्निल ने निशानेबाजी में भारत को तीसरा कांस्य पदक दिलाया

भाषा। शेटराउ

तेज होती दिल की धड़कनों को थामकर खाली पेट रेंज पर उतरे भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने फोकस बनाए रखते हुए शानदार वापसी की और देश को ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में पहली बार कांस्य पदक दिलाया। क्वालीफिकेशन में सातवें नंबर पर रहे स्वप्निल ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 451 . 4 स्कोर करके तीसरा स्थान हासिल किया। एक समय वह छठे स्थान पर थे जिसके बाद उन्होंने तीसरा स्थान हासिल किया। भारत का इन खेलों में यह तीसरा कांस्य है। इससे पहले मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में कांस्य जीता था। भारत के ओलंपिक इतिहास में पहली बार निशानेबाजों ने तीन पदक एक ही खेलों में जीते हैं। कुसाले ने पदक जीतने के बाद कहा , मैने कुछ खाया नहीं है और पेट में गुड़गुड़ हो रही थी। मैने ब्लैक टी पी और यहां आ गया। हर मैच से पहले रात को मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। उन्होंने कहा, आज दिल बहुत तेजी से धड़क रहा था। मैने श्वास पर नियंत्रण रखा और कुछ अलग करने की कोशिश नहीं की। इस स्तर पर सभी खिलाड़ी एक जैसे होते हैं। चीन के लियू युकुन (463.6) ने स्वर्ण और यूक्रेन के सेरही कुलिश (461.3) ने रजत पदक जीता। पिछली बार भारतीय निशानेबाज लंदन ओलंपिक 50 मीटर राइफल में फाइनल में पहुंचा था जब जॉयदीप करमाकर 50 मीटर राइफल प्रोन में चौथे स्थान पर रहे थे। अब यह स्पर्धा ओलंपिक में नहीं है।

रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है यूपी: मुख्यमंत्री

मानसून सत्र के दौरान बोले सीएम, वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य की पूर्ति के लिए लाया गया 12 हजार 209 करोड़ का अनुपूरक बजट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश आज रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है और अपनी ज्यादातर आवश्यकताओं की पूर्ति खुद करने में सक्षम हो चुका है। सीएम योगी गुरवार को विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान अनुपूरक बजट को लेकर सदन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के संकल्प को पूरा करने और प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 12 हजार 209 करोड़, 93 लाख रुपए का अनुपूरक बजट लाया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके बाद अब वित्तीय वर्ष 2024-25 के मूल बजट का आकार साढ़े सात लाख करोड़ रुपए का हो चुका है। यह 2015-16 के बजट के आकार से दोगुना है। उन्होंने कहा कि यूपी की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप प्रदेश के बजट का दायरा बढ़ाया गया है। सीएम योगी ने इस बात की भी जानकारी दी कि 11 विभागों के माध्यम से 196 योजनाओं के लिए 70 हजार करोड़ रुपए का डीबीटी के जरिए हुआ हस्तांतरण है, जो गरीब जनता के खातों में सीधे ट्रांसफर हुआ है। डीबीटी कैसे एक गरीब को भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था देने में सहायक होती है, यह उसका बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन के शुरुआत में सदन के साथ ही नेता प्रतिपक्ष को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वयोवृद्ध नेता प्रतिपक्ष ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये हैं। हमने हमेशा अपने से बुजुर्गों को सम्मान दिया है। हमारे यहां मान्यता है कि वो सभा सभा नहीं होती, जहां बुजुर्ग का सम्मान नहीं होता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें विरासत में जैसा यूपी मिला था और आज जैसा यूपी आज है, वो सबके सामने है। हमने अटल जी की पंक्तियों से प्रेरणा प्राप्त की है, कि मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे, तो दूसरा गढ़े...। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने का माद्दा रखता है। जब हम सत्ता में आए थे तो हमारी अर्थव्यवस्था देश में छठे-सातवें नंबर पर थी। प्रदेश के सामने पहचान का संकट था, मगर आज ये परसेप्शन बदल चुका है। यूपी ने अपनी इकोनॉमी को देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना लिया है। हम अब अगले तीन और पांच साल का रोडमैप बनाकर कार्य कर रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास में बड़े काम हुए हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में रोजगार के नये अवसर सृजित हुए हैं। सीएम योगी ने तमिलनाडु के त्रिशूर का उदाहरण दिया, जहां यूपी के दो लाख लोग काम करते थे। उन्होंने बताया कि वहां से बड़ी संख्या में लोग अपने प्रदेश में वापस आ गये हैं, क्योंकि अब उन्हे अपने प्रदेश में रोजगार मिल रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि हमने टेक्स चोरी को रोकने के लिए कड़े प्राविधान करने पड़े। 2017 में यूपी का सीडी रेशियो 44 फीसदी था आज ये 60 फीसदी है। ये दिखाता है कि रोजगार के अवसर बढ़े हैं। रिजर्व बैंक ने एक व्यवस्था बनाई है कि आप वित्तीय अनुशासन को ध्यान में रखते हुए ही अपना बजट बनाएंगे और कर्ज लेंगे। अगर ये सीमा के ऊपर ये जाता है तो कोई नेशनल बैंक आपको कर्ज के लिए अलाऊ नहीं करेगा। यूपी ने इस दिशा में बेहतरीन प्रयास किया है। राजकोषीय जवाबदेही एवं बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) की अधिकतम सीमा 3.5 है, जबकि यूपी 2.86 पर अपने वित्तीय अनुशासन को बनाए रखने में सफल रहा है। यह एक बेहतरीन स्थिति है, जिसे हमने किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व खेल व अन्य कार्यों के लिए धनराशि की व्यवस्था की गई है। प्रदेश सरकार ने रोजगार मिशन समिति के माध्यम से विशेष प्रस्ताव भी रखा है, जिसमें संचालन के लिए धनराशि की व्यवस्था की है। कौशल विकास में युवाओं की ट्रेनिंग के लिए 200 करोड़ का प्रावधान किया है। 1040 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी लैब की स्थापना के लिए 66 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में चार नए विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर हैं। सीएम योगी ने बताया कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर मेरठ में प्रदेश के पहला खेल विश्वविद्यालय का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। साथ ही कई बार भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू के सम्मान में भी सरकार खड़ी है। सरकार धनराशि देकर उनके आवास व प्रॉपर्टी को बचाते हुए संग्रहालय बनाएगी। ग्रामीण क्षेत्र में स्टेडियम को लेकर सरकार ने 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था इस अनुपूरक बजट में किया है।

निवेश गतिविधियों से 60 लाख युवाओं को रोजगार से जोड़ने में मिली सफलता: सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश में फरवरी 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट किया था। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान और बाद में हमारे पास कुल मिलाकर 40 लाख करोड़ से अधिक के प्रस्ताव प्राप्त हुए। ये निवेश के प्रस्ताव यदि आगे बढ़ते हैं तो इससे लगभग सवा करोड़ से अधिक नौजवानों को नौकरी प्राप्त होती है। फरवरी 2024 में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी को संपन्न किया गया, जिसमें दस लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ। पिछले सात वर्ष के अंदर लगभग 16 से 20 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने में सफलता प्राप्त हुई है। लगभग 60 लाख से अधिक नौजवानों को रोजगार से जोड़ने में मदद मिली है। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के बाद से अब तक एक लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाओं ने प्रोडक्शन प्रारंभ किया है। यह इस बात का संकेत है कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में एक बेहतरीन पहल हुई है और इसका लाभ हमारा उद्यमी ले रहा है और इसके माध्यम से प्रदेश के बेरोजगार नौजवानों को रोजगार की संभावनाओं को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है।

जनता को मिले अनवरत बिजली, अनुपूरक बजट में 2 हजार करोड़ का प्राविधान: ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश में हो रहे कार्यों को मुख्यमंत्री ने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सदन में रखा। उन्होंने बताया कि प्रदेश की जनता को अनवरत बिजली मिल सके इसके लिए दो हजार करोड़ रुपए का प्राविधान इस अनुपूरक बजट में किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले कुछ साल में प्रदेश 8 हजार मेगावॉट अतिरिक्त बिजली का उत्पादन थर्मल पॉवर परियोजनाओं के जरिए करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा के तीनों क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है।

देश की स्पीड से कदम मिला रहा है उत्तर प्रदेश

योगी ने कहा कि हम देश की स्पीड के साथ प्रदेश के नागरिकों की स्पीड को आगे बढ़ा सकें और उसी स्पीड को मैच करने के लिए उत्तर प्रदेश ने भी तय किया कि हम उत्तर प्रदेश की इकॉनमी को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी के रूप में खुद को स्थापित करेंगे। यह बजट उसी श्रंखला का एक हिस्सा है। उत्तर प्रदेश में वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लिए एक रोडमैप तैयार हुआ है। प्रदेश के अंदर सभी विभागों को हमने 10 सेक्टर में विभाजित किया है। हमारा कोई वरिष्ठ मंत्री उस सेक्टर की निगरानी कर रहा है। अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी उसकी मॉनीटरिंग कर रहे हैं। उस फील्ड से जुड़े विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री और स्टेकहोल्डर्स का सहयोग लिया जा रहा है। सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से इसकी नियमित समीक्षा के साथ-साथ किस सेक्टर में कमी है और कहां इसे पुश करने की आवश्यकता है, उसके लिए कार्य कर रहे हैं।

पहले की सरकारों में थर्ड डिवीजन वाले एसडीएम की भर्ती में करते थे टॉप

लखनऊ। सीएम योगी ने बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में आरक्षण और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर गुरुवार को विपक्ष को आईना दिखाया। उन्होंने बजट पर चर्चा करते हुए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की भर्ती परीक्षा के आंकड़े प्रस्तुत किए और सपा के समय और मौजूदा समय में ओबीसी छात्रों के सफलता प्रतिशत में अंतर को समझाया। साथ ही उन्होंने सपा की सरकार में भेदभाव और परीक्षाओं में धांधली को लेकर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि आपके समय में जो हाईस्कूल, इंटर और ग्रेजुएशन में थर्ड डिवीजन थे वो एसडीएम की भर्ती में टॉप कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2012 से 2017 के बीच में प्रदेश के अंदर उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग के माध्यम से कुल 26,394 परीक्षार्थियों का चयन हुआ था। इसमें ओबीसी को मात्र 26.38 फीसदी और एससी को 21.34 फीसदी सीटें मिली थीं। वहीं 2017 से अब तक उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से कुल 46,675 भर्तियां हुई हैं, जिसमें ओबीसी को 38.41 फीसदी और ईडब्ल्यूएस को 3.74 प्रतिशत सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में साढ़े 6 लाख सरकारी भर्ती हुईं जिन पर कोई उंगली नहीं उठा सकता। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं, सभी नियमों का पालन करते हुए भर्तियों को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया।

हमारी सरकार में हुई नियुक्तियों में एससी,एसटी और ओबीसी को 60 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली

लखनऊ। मानसून सत्र में अनुपूरक बजट पर बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरक्षण पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में हुई नियुक्तियों में एससी, एसटी और ओबीसी को 60 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली है। सीएम योगी ने कहा कि दावे के साथ कह रहा हूं सपा सरकार में हुई सरकारी भर्तियों में ओबीसी को 27 प्रतिशत भी आरक्षण नहीं मिला था। सीएम योगी ने सपा सरकार में सरकारी नौकरियों व्याप्त भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए कहा कि सपा सरकार में सरकारी नौकरियों में पिक एंड चूज होता था। चाचा एवं भतीजा की कंपनी वसूली के लिए निकलती थी और पैसा लेकर लेखपालों की तैनाती होती थी। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार में पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से भर्ती हो रही है। उन्होंने कहा कि हमने 5500 लेखपालों की तैनाती की है। इस पर कोई भी उंगली नहीं उठा सकता है। जब ये नौजवान फील्ड में जाएंगे तो पारदर्शिता आएगी। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार में प्रदेश के नौजवान के साथ जो धोखा करेगा, उसकी नौकरी लेने का काम हमारी सरकार करती है। यही नहीं दोषियों को पूरी निर्ममता के साथ जेल भी भेजती है।

अयोध्या व हरदोई मामले में सपा के नेता आरोपी,यह समाज के कोढ़ हैं: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● गरजे सीएम, अपराधियों को गोली न मारें तो क्या माला पहनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुपूरक बजट में डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों को बताया तो वहीं कानून व्यवस्था पर सपा को खूब लताड़ा। बोले कि अयोध्या में अतिपिछड़ी बच्ची से दुष्कर्म व हरदोई में अधिवक्ता की हत्या में सपा के नेताओं का नाम आ रहा है। अयोध्या का आरोपी सांसद का करीबी है तो हरदोई मामले का आरोपी सपा का पूर्व जिलाध्यक्ष है और 2012 से 2017 के मध्य सपा शासन में इस पर कई मामले दर्ज हुए। यह समाज के कोढ़ हैं। इस कोढ़ को जब तक हटाएंगे नहीं, तब तक यूपी की स्थिति को ठीक करने में कठिनाई होगी। ऐसे अपराधियों को गोली न मारें तो क्या माला पहनाएं। सीएम ने 2016 से 2024 के एनसीआरबी के आंकड़ों को बताते हुए कानून का राज स्थापित करने की प्राथमिकता को गिनाया। सीएम योगी ने एनसीआरबी के आंकड़ों को गिनाते हुए 2016 से 2024 के तुलनात्मक अंतर को बताकर यूपी में अपराधों में आई कमी की तरफ सदन का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने बताया कि डकैती में 86.47, लूट में 78. 17, हत्या में 43.21, बलवा में 67.42, ग्रह भेदन 4.31, फिरौती के लिए अपहरण में 70 फीसदी की कमी आई है। महिला संबंधी अपराध के मामलों पर भी सीएम ने समाजवादियों को आईना दिखाया। बोले कि दहेज मृत्यु दर में 17.43, बलात्कार में 25.30, शीलभंग में 16.56, अपहरण में 0.17 फीसदी की कमी आई है। महिलाओं के विरुद्ध घटित अपराधों में राष्ट्रीय औसत पर नजर डालें तो उत्तर प्रदेश में 2017 से 2022 तक महिलाओं के प्रति अपराध बहुत कम हुए हैं। 2017 से 2022में यूपी के सापेक्ष तेलंगाना, उड़ीसा, राजस्थान, पं. बंगाल, महाराष्ट्र में अपराध अधिक बढ़े थे। बलात्कार के मामले में इस दौरान छत्तीसगढ़, केरल, राजस्थान व झारखंड में यूपी से अधिक अपराध घटित हुए थे। यूपी का इसमें 24वां स्थान है। शील भंग में यूपी का 17वां स्थान है यानी 16 राज्यों में यूपी से अधिक अपराध हुए हैं। योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या मामले पर चर्चा करते हुए सपाइयों को खूब लताड़ा। बोले कि सपा नेता मोइन खान अतिपिछड़ी जाति की 12वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म के कृत्य में शामिल पाया गया है। वह सपा का एक्टिव मेंबर और अयोध्या सांसद की टीम का सदस्य है। सपा सांसद के साथ उठता-बैठता, खाता-चलता है। सपा ने अभी तक उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। ऐसी गतिविधियों के कारण सपा का नाम लेना ही पड़ता है। घटिया हरकत में लिप्त होने के बावजूद इसे हल्केपन में लिया जा रहा है। सीएम ने कहा कि कल हरदोई में दुखद घटना हुई। इसमें भी सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव का नाम आ रहा है। सीएम ने धिक्कारते हुए कहा कि ऐसा व्यक्ति सपा का जिलाध्यक्ष रह चुका है। इसके द्वारा सरेआम अधिवक्ता की हत्या कराई गई है। इस पर 28 मामले दर्ज हैं। ऐसे अपराधियों को गोली न मारें तो माला पहनाए क्या। आईपीसी व सीआरपीसी की कोई धारा नहीं, जो इस पर न लगी हो। आरोपी पर पहला अपराध 1989 में दर्ज हुआ। फिर 1991, 1992, 1993, 1996, 1998, 2007, 2008, 2013, 2015, 2016 आदि में भी केस दर्ज हुआ। 2016 में यह 302 में लिप्त रहा है। 388 की घटना में भी इसकी लिप्तता पाई गई। 2002 व 2017 में यूपी गुंडा एक्ट के तहत इसके खिलाफ कार्रवाई हुई है। यह ताजा उदाहरण है। यह समाज के सबसे बड़े कलंक और कोढ़ हैं। इस कोढ़ को जब तक हटाएंगे नहीं, तब तक यूपी की स्थिति को ठीक करने में कठिनाई होगी।

देश में केवल चार जातियां, इनके उत्थान से मिटेगा भेदभाव: योगी

● बिना जाति, धर्म और चेहरा देखे 2 करोड़ 62 लाख अन्नदाताओं को दिया जा रहा पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जाति के मुद्दे पर देश में हो रही राजनीति के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर इस बात को दोहराया है कि जातियां केवल चार ही हैं और अगर इनका उत्थान हुआ तो देश में कहीं भी भेदभाव की स्थिति नहीं आएगी। सीएम योगी गुरुवार को विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान अनुपूरक बजट पर सदन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा पहली बार सरकार के एजेंड का हिस्सा किसान बना है। आज किसानों को एमएसपी का पूरा लाभ मिल रहा है। पहली बार स्वायल हेल्थ कार्ड योजना शुरू की गई। अन्नदाताओं को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ बिना जाति, धर्म और चेहरा देखे मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान, महिला, युवा और गरीब ही चार जातियां हैं। इन चारों के उत्थान के लिए सरकार के स्तर पर प्रयास हुए हैं। इनमें भी किसान और कृषि सेक्टर में बड़े स्तर पर कार्य हुए हैं, जो किसानों के जीवन में परिवर्तन का माध्यम बना है। कृषि विज्ञान केंद्र इसके उदाहरण हैं। सीएम योगी ने सपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि 2016 में भारत सरकार उत्तर प्रदेश को 20 कृषि विज्ञान केंद्र दे रही थी, तब तत्कालीन सरकार ने उसे नहीं लिया। 2017 में हमारी सरकार बनी, तब हमने कृषि विज्ञान केंद्रों को प्राप्त करते हुए उन्हें सुदृढ़ बनाने का कार्य किया। इन केंद्रों पर आज किसानों को ट्रेनिंग दी जा रही है, डेमोस्ट्रेशन हो रहे हैं, बेहतरीन बीज कैसे मिले, फसल की अच्छी क्वालिटी कैसे हो, कौन सी फसल कब बोई जाए, इसकी जानकारी दी जा रही है। यहां पर लैबोरेट्री की व्यवस्था की गई है। किसानों के उत्पाद की जांच करके उसके सर्टिफिकेशन की व्यवस्था की जा रही है।

मैं यहां नौकरी करने नहीं आया हूं, प्रतिष्ठा प्राप्त करनी होती तो इससे ज्यादा अपने मठ में मिल जाती

लखनऊ। वैसे तो सीएम योगी अपने सार्वजनिक जीवन के विषय में बहुत सारी बातें कई बार कह चुके हैं, लेकिन विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को एक वक्त ऐसा भी आया जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजनीति में आने के अपने उद्देश्य के बारे में भी सदन के सदस्यों को बताया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जनता जनार्दन की सेवा करते हुए उन्हें किन लोगों से लड़ाई लड़नी पड़ रही है। सीएम योगी ने कहा कि मैं यहां नौकरी करने नहीं आया हूं। इस दौरान उन्होंने यह भी साफ किया कि राजनीति में उन्हें कोई प्रतिष्ठा नहीं चाहिए। विधानसभा में अनुपूरक बजट पर बोलते हुए सीएम योगी सपा समेत समूचे विपक्ष को आईना दिखाते हुए बताया कि राजनीति में जनता की सेवा और सुरक्षा ही सबसे बड़ा धर्म है। इसमें किन लोगों से उन्हें लड़ना पड़ रहा है इस बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले, बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले और अराजकता फैलाकर आम आदमी जीवन मुहाल करने वाले लोगों से लड़ने के लिए आया हूं। जो ऐसा करेगा वो भुगतेगा भी। सीएम योगी ने कहा ये हमारी सामान्य लड़ाई नहीं है, न ही ये प्रतिष्ठा की भी लड़ाई नहीं है।

सपा ने पूर्व मंत्री की प्रतिमा लगाने के लिए बने चबूतरे को तोड़े जाने के मामले में किया हंगामा

लखनऊ। विधानसभा में बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने गोरखपुर की चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र के टांडा गांव में पूर्व मंत्री स्व.हरिशंकर तिवारी की प्रतिमा लगाने को लेकर बनाए जा रहे चबूतरे को तोड़ने पर हुए विवाद को लेकर जमकर हंगामा किया। सपा सदस्य वेल में उतर कर नारेबाजी करने लगे। बाद में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा मामले में जानकारी करने का आश्वासन देने के बाद ही सपा सदस्य अपनी सीटों पर वापस लौटे। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही सुबह 11 बजे सपा के मुख्य सचेतक कमाल अख्तर ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने सतीश महाना से इस मुद्दे पर कार्रवाई की मांग की। कमाल अख्तर ने कहा कि गोरखपुर की चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र के टांड़ा गांव के प्रवेश पर विधानसभा के सात बार सदस्य रहे और कई बार मंत्री रह चुके स्व. हरिशंकर तिवारी की प्रतिमा लगाई जानी थी।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में 4820 लोगों को नशा मुक्त कराया गया

● प्रदेश की सभी मदिरा की दुकानें एवं रेस्टोबार मद्यनिषेध अधिनियम का पालन कर रहे: नितिन अग्रवाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने विधान सभा के द्वितीय सत्र में विपक्ष द्वारा पूछे गये तारांकित प्रश्न के जवाब में कहा कि प्रदेश में संचालित 20 नशा निर्वसन केन्द्रों पर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 4820 लोगों को नशा मुक्त कराया गया है, जबकि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 1196 व्यक्तियों को नशे से मुक्ति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2012-13 से 2016-17 तक लगातार नशा मुक्ति केन्द्र की संख्या घटती रही है। वर्ष 2012-13 में जहां 33 नशा मुक्ति केन्द्र प्रदेश में संचालित हो रहे थे, वह 2016-17 में घटकर मात्र 16 रह गये थे। नितिन अग्रवाल ने कहा कि मद्यनिषेध विभाग प्रदेश के नवजवानों को नशा से मुक्ति दिलाने के लिए पूरी तरह जागरूक और सजग है। उन्होंने कहा कि मद्यपान एवं नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों को प्रचारित कर जनमानसन में सचेतना जागृत करने का कार्य किया गया है, जिसके अंतर्गत 1260 मद्यनिषेध शिक्षात्मक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है, जो निर्धारित लक्ष्य का शत-प्रतिशत है। मद्यनिषेध शिक्षात्मक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं में 5040 छात्र/ छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इसी प्रकार निर्धारित लक्ष्य 1260 के सापेक्ष 1269 मद्यनिषेध वालपेंटिंग का कार्य कराया गया है। नितिन अग्रवाल ने कहा कि मद्यनिषेध से संबंधित 21 होर्डिंग लगावाई गई। जागरूकता के लिए 252 के सापेक्ष 257 मद्यनिषेध रैलियों का आयोजन किया गया, 1680 के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 1696 गोष्ठियां कराई गईं।

कृषि मंत्री से अशोभनीय व्यवहार पर विधानसभा अध्यक्ष ने सपा सदस्य को सदन से किया बाहर

● सदन में यह व्यवहार कतई बर्दाश्त नहीं: सतीश महाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा में बृहस्पतिवार को सपा के अनिल प्रधान द्वारा कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही से अशोभनीय व्यवहार करने पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उन्हें सदन से बाहर करने के आदेश दिए और मार्शल को उन्हें बाहर करने का निर्देश दिया। बाद में वरिष्ठ सपा सदस्य द्वारा माफ करने की अपील पर उन्हें वापस सदन में बुला लिया गया।

मामला यह रहा कि चित्रकूट से सपा के विधायक अनिल प्रधान ने यह जानना चाहा कि क्या सरकार किसानों के लिए फसलों पर एमएसपी लागू करेगी। यह प्रश्न करने से पहले अनिल प्रधान ने जय जवान, जय किसान, जय संविधान का नारा लगाया। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही जैसे ही जवाब देने के लिए खड़े हुए तो उन्होंने वर्ष 1975 में इमरजेंसी लगाए जाने को लेकर कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जय संविधान का नारा लगाने वालों ने ही इमरजेंसी में संविधान की धज्जियां उड़ाकर रख दी थीं। इस पर सपा सदस्यों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया। शोर-शरोबा होने लगा। इसी बीच उन्होंने सदन को मांगी गई जानकारी मुहैया कराई लेकिन अनिल प्रधान जवाब से संतुष्ट नहीं हुए। सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि वर्ष 2006 में डा. स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशें आ गई थीं। फिर यूपीए सरकार आई और 2006 से 2014 तक कमेटी की रिपोर्ट को कूड़े के ढेर में डालकर रखा गया। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी 90 फीसदी सिफारिशों को लागू कर दिया है। इस पर सपा सदस्य जोर-शोर से चिल्लाने लगे। इसी बीच अनिल प्रधान अपनी सीट से उठे और कृषि मंत्री की ओर दोनों हाथों से आपत्तिजनक इशारा कर जोर-जोर से चिल्लाने लगे। इस पर कृषि मंत्री और सत्तापक्ष ने भी विरोध किया लेकिन तभी सतीश महाना ने इसका तुरंत ही संज्ञान लेते हुए कहा कि यह व्यवहार सदन में कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह अशोभनीय है। कृषि मंत्री वरिष्ठ सदस्य हैं और उनके साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने तुरंत मार्शल को आदेश दिया कि अनिल प्रधान को सदन से बाहर कर दिया जाए। मार्शल जैसे ही अनिल प्रधान की ओर बढ़े वह खुद ही उठकर सदन से बाहर चले गए। बाद में सपा के महबूब अली ने उनका बचाव किया तो सतीश महाना ने चेतावनी दी कि अगर कोई सदस्य ऐसे व्यवहार का समर्थन करेगा तो उसे भी बाहर निकाल दिया जाएगा।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शादी के पहले मेरा नाम रिया केसरवानी था जो अब बदल कर रिया श्रीवास्तव कर लिया है अब मुझे रिया श्रीवास्तव के नाम से जाना व पहचाना जाए रिया श्रीवास्तव पत्नी वेद श्रीवास्तव निवासी 34 गाड़ीवान टोला खुल्दाबाद प्रयागराज

सूचना

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुअक्किल पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेन्स लि० द्वारा अपने ग्राहक श्री सखावत अली व श्रीमती शमसुन को उनकी सम्पत्ति भवन सं०- 599BB/014/412/01, मय भूमि जो भूखण्ड सं०- 9 पर निर्मित है क्षेत्रफल 1200 वर्ग फीट जो खसरा सं०- 640ख का अंश है स्थित- भपटामऊ (मोहल्ला बुद्धेश्वर विहार), वार्ड- हैदरगंज, लखनऊ को बंधक रखकर ऋण प्रदान किया जाना प्रस्तावित है। उक्त सम्पत्ति की पूर्व श्रृंखला से सम्बन्धित मूल विक्रय पत्र दिनांकित 01.02.2001 (पंजीकृत दिनांक 03.02.2001, क्रम सं0- 770) जो पूर्व स्वामी श्री हरिहर सिंह के पक्ष में निष्पादित है, उनके अनुसार कहीं खो गया है। यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को इस प्रस्तावित बंधक किये जाने के विरुद्ध कोई आपत्ति हो, तो उस आपत्ति के विधिक आधार एवं साक्ष्यों के साथ मुझसे 14 दिन के अन्दर संपर्क कर सकता है। उक्त अवधि में कोई विधिक व पोषणीय आपत्ति प्राप्त न होने पर मेरे मुअक्किल द्वारा उक्त ऋण प्रदान किया जायेगा तथा उक्त सम्पत्ति पर मेरे मुअक्किल का विधिक प्रभार होगा। (तरुण प्रकाश श्रीवास्तव)
एडवोकेट, मो०- 9335914262
कार्यालयः कक्ष सं0-111, सिटी होटल, 24, बी०एन० रोड, लालबाग, लखनऊ।

विधानसभा का सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

● कुल 19 घंटे 41 मिनट चली सदन की कार्यवाही, 12 विधेयक विचारण एवं पारण के लिए प्रस्तुत किए गए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की 18वीं विधानसभा के वर्ष 2024 का द्वितीय सत्र आज अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। चार उपवेशनों के सत्र के दौरान एक बार भी सदन की कार्यवाही स्थगित नहीं हुई। इस दौरान सदन की कार्यवाही कुल 19 घंटे 41 मिनट तक चली। गत 29 जुलाई से प्रारम्भ हुए 18वीं विधान सभा के वर्ष-2024 के द्वितीय सत्र में नियम-300 के अंतर्गत कुल प्राप्त सूचनाओं की संख्या 16, सुनकर अग्राह की गयी सूचनाए 2, तथा अस्वीकार सूचनाए 14 रही। नियम-301 के तहत कुल 356 सूचनाएं प्राप्त हुई जिनमें 191 स्वीकृत एवं 165 अस्वीकृत हुई। कार्यवाही के दौरान कुल प्राप्त प्रश्न-2233, स्वीकृत तारांकित प्रश्न - 372, अतारांकित प्रश्न 1448 रहे। इनमें कुल 819 प्रश्न उत्तरित हुए। 2233 प्रश्नों में 1903 (85.22 प्रतिशत) प्रश्न आनलाइन प्राप्त हुए। नियम-311 के अंतर्गत एक भी सूचना प्राप्त नहीं हुई। इसी प्रकार नियम-56 के अन्तर्गत कुल 29 सूचनाएं प्राप्त हुई, 7 ग्राह्यता हेतु सुनी गयी। नियम-103 के अंतर्गत कुल प्राप्त 28 प्रस्तावों में सभी 28 प्रस्ताव ग्राह हुए। विगत सत्रों के चर्चाधीन प्रस्तावों की संख्या 12 रही। सत्र के दौरान सरकार से वक्तव्य मांगने वाले नियम-51 के अन्तर्गत 444 सूचनाएं प्राप्त हुई। इनमें वक्तव्य के लिए 18, केवल वक्तव्य के लिए 6, ध्यानाकर्षण के लिए 189 सूचनाएं तथा 231 सूचनाएं अस्वीकार की गयी।

इसी प्रकार इस सत्र में कुल-428 याचिकाएं प्राप्त की गयी। जिसमें 318 ग्राह्यता के उपरान्त स्वीकार की गयी। नियम सीमा से अधिक प्रस्तुत एंव विलम्ब से प्राप्त याचिकाओं की संख्या 110 तथा प्रस्तुत प्रतिवेदनों की संख्या 5 रही। कुल 12 विधेयक विचारण एवं पारण के लिए प्रस्तुत किए गए। 1- उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 20242- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय(द्वितीय संशोधन) विधेयक, 20243- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (तृतीय संशोधन) विधेयक, 20244- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (चतुर्थ संशोधन) विधेयक, 20245- उत्तर प्रदेश विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संसोधन) विधेयक 20246- उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबन्ध और उपयोग) विधेयक 20247- उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक 20248- उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र औरं अन्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण विधेयक 20249- कारखाना (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक 202410-उत्तर प्रदेश नोडल विनिधान रीजन विनिर्माण (निर्माण) क्षेत्र विधेयक 202411 -बोनस संदाय (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक 202412-उत्तर प्रदेश विनियोग (2024-2025 का अनुपूरक) विधेयक 2024। सत्र के समापन पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने प्रदेश के मुख्यमंत्री व नेता सदन योगी आदित्यनाथ सहित नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांण्डेय (समाजवादी पार्टी) अपना दल (एस) के नेता, राम निवास वर्मा, राष्ट्रीय लोकदल के नेता, राजपाल सिंह बालियान, निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल के नेता, अनिल कुमार त्रिपाठी, भारतीय सुहेलदेव पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता आराधना मिश्रा 'मोना, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के नेता कुंवर रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भइया, सहित सभी दलीय नेताओं के सहयोग की प्रशंसा की। इस मौके पर संसदीय कार्य व वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने बायपास सर्जरी होने के बाद भी सदन का सुचारू और बेहतरीन ढंग से संचालन किया। कामना है कि वह ऐसे ही हंसते मुस्कराते रहे। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय जी भी विधानसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए यही बात दोहराई। इनके अलावा सभी दलीय नेताओं अपना दल (एस) के नेता, राम निवास वर्मा, राष्ट्रीय लोकदल के नेता, राजपाल सिंह बालियान, निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल के नेता, अनिल कुमार त्रिपाठी, भारतीय सुहेलदेव पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता आराधना मिश्रा 'मोना, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के नेता कुंवर रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

National Yuva Cooperative Society Ltd.
Regd. Office: 209, 2nd Floor, A/2-B, Vardhaman Janak Market Janakpuri, New Delhi-110058, Ph.: 011-45096652/40153681
E- Mail: nycs.ltd@gmail.com, Website: www.nycsindia.com

NOTICE

Notice is hereby given that **23rd Annual Representative General Body Meeting (RGB) of National Yuva Cooperative Society Limited** will be held on 25th August, 2024 at 10:00 am at National Cooperative Union of India, 3, August Kranti Marg, New Delhi – 110016.

All the Members of the RGB and Central Registrar of Cooperative Societies are requested to participate in the meeting.

Detailed agenda of the meeting can be viewed in the website: **www.nycsindia.com**

Date: 02nd August 2024
Place: New Delhi

Prakash Chandra Sahu
President, NYCS Ltd.

संगठन को मजबूत करें कार्यकर्ता: जयंत चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्र सरकार में कैबिनेट राज्य मंत्री बनने के बाद गुरुवार को पहली बार राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी प्रदेश कार्यालय पहुँचे। पार्टी कार्यालय पहुंचने पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। माल्यार्पण के बाद मीडिया से मुखातिब जयंत ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपना संगठन बहुत मजबूत करना है। विधानसभा उपचुनाव करीब है, कार्यकर्ता जमकर मेहनत करें। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में अभी से जुट जाएं।

जयंत चौधरी ने कहा कि मंत्री बनने के बाद मैं पहली बार लखनऊ आया हूं। कार्यकर्ताओं में जोश है। सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं। यहां भी उत्तर प्रदेश में जो विकास की संभावनाएं हैं जो कुछ हम लोग मिलकर काम कर सकते हैं उन चीजों पर मेरा पूरा ध्यान है। आप लोगों का जो फीडबैक होगा शिक्षा और कौशल विभाग में जो जिम्मेदारी मुझे प्रधानमंत्री ने सौंपी है, उसका अच्छे से निर्वहन करूंगा। उत्तर प्रदेश को बजट में बहुत बड़ी

सौगात मिली है। सभी कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं संगठन को मजबूत करें। जमीनी स्तर पर हमारा कार्यकर्ता मजबूत हो।

इस मौके पर यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी, प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय, राष्ट्रीय सचिव अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्र, व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, महासचिव रजनीकांत मिश्रा पदाधिकारी आदित्य विक्रम सिंह, रामवती तिवारी, अमन पांडेय और मनीष गुप्ता मौजूद रहे।

अव्यवस्था के चलते 10 मिनट में प्रदेश कार्यालय से बाहर निकले जयंत

प्रदेश कार्यालय पर पहली बार आगमन के चलते कार्यकर्ताओं का जयंत के स्वागत के लिए हुजूम इकट्ठा था, पर सभागार में काफी भीड़ और अव्यवस्था होने के कारण जयंत दस मिनट में पार्टी कार्यालय से लौट गए। ऐसे में जो कार्यकर्ता स्वागत के लिए फूल और गुलदस्ते लेकर आए थे, वो मायूस हो गए।

20 लाख युवाओं का कौशल विकास कर रोजगार देंगे

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि युवाओं की विकसित भारत में महत्वपूर्ण भूमिका है। केंद्र युवाओं का ख्याल रख रही है। इंटर्नशिप और अप्रेंटशिप से युवाओं को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम 1000 आईटीआई के माध्यम से 20 लाख युवाओं का कौशल विकास कर रोजगार देंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके आशीर्वाद के कारण ही केंद्र में तीसरी बार एनडीए सरकार बनी है। आपके सुझाव और फीडबैक पर काम होगा।

मीडिया को मसाला वाली खबरें चाहिए

आरएलडी मुख्यालय पहुंचे केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी से जातीय जनगणना, अग्निवीर और अन्य सवालों को लेकर कई बार जवाब जानने का मीडिया ने प्रयास किया, लेकिन जयंत चौधरी किसी भी मुद्दे पर बोलने से बचते रहे। उन्होंने कहा कि मीडिया को मसाला वाली खबरें चाहिए, जो मैं नहीं दूंगा।

जगह-जगह हुआ स्वागत

एयरपोर्ट से निकलने के बाद पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे के नेतृत्व में कैंट विधानसभा, कृष्णानगर में वी मार्ट के सामने कार्यकर्ताओं ने जयंत चौधरी को माला पहना कर स्वागत किया। पार्टी नेता मनीष मिश्र के नेतृत्व में जयंत चौधरी का पिकैडली होटल के सामने ब्रहमदत्त प्लाजा सहित लिट्रेसी हाउस के समक्ष पार्टी नेता शालिनी सिंह के नेतृत्व में फूल-माला पहनाकर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

ब्लैक स्पॉट के सभी कार्य प्राथमिकता पर हों: कमिश्नर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति एवं यातायात एवं ट्रैफिक व्यवस्था सुगम व सुदृढ़ बनाने को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की। मंडलायुक्त द्वारा ट्रैफिक नियमों का कठोरता से कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। सड़क हादसों में कमी लाने के लिये मंडलायुक्त द्वारा जनपद के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। वहीं, मंडलायुक्त द्वारा ब्लैक स्पॉट के समस्त कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराये जाने के निर्देश दिए गए।

मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति एवं यातायात एवं ट्रैफिक व्यवस्था सुगम व सुदृढ़ बनाने को लेकर महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन स्मार्ट सिटी कार्यालय सभागार की गई। मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यातायात व्यवस्था को सुगम और सुचारू रूप से संचालन किया जाये। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमो का अनुपालन कठोरता से कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं ट्रैफिक नियम की अनदेखी से होती हैं। लिहाजा दुपहिया वाहन चालक हेलमेट पहनकर ही सड़क पर बाईक चलाये। यातायात नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।

उन्होंने कहा की जरूरत के दृष्टिगत ब्लैकटॉप बढ़ाने का कार्यए डिवाईडर बनाने का कार्य प्राथमिकता पर किया जाए। पुलिस पेट्रोलिंग हॉटस्पॉट वाले एरिया में नियमित रूप से भ्रमणशील रहे। बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने कहा कि समस्त जनपदों में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ष्मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 28 जून के जारी कार्यवृत्त में विशेष रूप से ब्लैक स्पॉट्स का चिन्हांकन के निर्देश दिये गये थे।

उपरोक्त के संदर्भ में अभी तक क्या कार्यवाही की गई है, इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों से लिया। संबंधित अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में ब्लैक स्पाट्स का चिन्हींकरण जनपद के आरटीओ ट्रैफिक पुलिस, लोक निर्माण विभाग व स्थानीय प्रशासन द्वारा करा लिया गया है। ब्लैक स्पाट्स के सही चिन्हांकन के बाद टीम द्वारा उसके निदान के लिये पहदंहम लगाना, सड़क चौड़ीकरण, अतिक्रमण हटाना, सड़क की मरम्मत करना, डिवाइडरों का निर्माण, स्ट्रीट लाइट लगवाना, ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था करना आदि का विवरण तैयार कर एक कार्य योजना के तहत कार्य किया जा रहा है।

मंडलायुक्त ने प्रस्तुत कार्य योजना के अनुसार सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को ब्लैक स्पॉट्स के निदान के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि ब्लैक स्पॉट के समस्त कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रसाशन रणविजय यादव, अपर आयुक्त न्यायिक शीलधर यादव, जनपद के समस्त जिलाधिकारी, पीडब्लूडी, आरटीओ व पुलिस विभाग सहित संबंधित अधिकारीग उपस्थित रहे।

एंट्रेंस टेस्ट में यूनानी मेडिकल कॉलेजों के छात्रों को मिली सफलता

- आयुष मंत्री ने पहली तीन पोजिशन प्राप्त करने पर छात्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट एंट्रेंस टेस्ट 2024 में उत्तर प्रदेश के स्टेट यूनानी मेडिकल कॉलेजों के छात्रों ने असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सूची में पहली तीन पोजीशंस प्राप्त कर अपनी प्रतिभा से प्रदेश का नाम रोशन किया है। इसके साथ ही इन तीनो छात्रों ने अपने संस्थान को भी एक अलग पहचान दी है। तीनों छात्रों को बधाई देते हुए प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एमओएस) डा दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा है कि इन छात्रों ने प्रदेश को एवं यूनानी मेडिकल कॉलेजों को गौरवान्ति होने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज की होनहार छात्रा डॉक्टर फरहीन फातिमा ने इस प्रतियोगिता में 99.95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पहली पोजीशन हासिल की है, जो उनकी योग्यता और मेहनत का प्रमाण है। वह 2016 बैच की छात्रा हैं और जिला देवरिया के लार कस्बे से ताल्लुक रखती हैं। उनकी यह सफलता न केवल उनके लिए, बल्कि उनके कॉलेज और शिक्षकों के लिए भी गर्व का विषय है। डा दयालु ने बताया कि इसी प्रकार, दूसरी पोजीशन स्टेट तकमील-उत-तिब कॉलेज, लखनऊ की छात्रा डॉक्टर नबीला ने हासिल की। डॉक्टर नबीला की मेहनत, लगन और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया है। तीसरी पोजीशन पर भी स्टेट यूनानी मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज के एक और प्रतिभाशाली छात्र डॉक्टर मोहम्मद जुनैद ने कब्जा जमाया है। उनकी यह सफलता उनके संकल्प और मेहनत का परिणाम है। उन्होंने बताया कि इन छात्रों के शानदार प्रदर्शन ने यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में उनकी योग्यता और रुचि को उजागर किया है। आयुष विभाग की प्रमुख सचिव लीना जोहरी एवं यूनानी सेवाओं ने भी सफल छात्रों को बधाई एवं शुभकामनाए दी। उन्होंने कहा कि ये छात्र आगे चलकर यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करेंगे और उनकी यह सफलता दूसरे विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेंगी।

कैसरबाग चौराहे के 50 मीटर की परिधि में बिजली व टेलीकॉम के तार होंगे अंडरग्राउंड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए की मण्डलायुक्त डॉ रोशन जैकब द्वारा विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्यो की समीक्षा की बैठक की गयी। मंडलायुक्त द्वारा हैप्पीनेस पार्क की बढ़ेगी रौनक, बच्चों के लिए गेमिंग व महिलाओं के लिए क्राफ्ट वर्क एक्टिविटी का आयोजन किया जाएगा। कैसरबाग चौराहे के 50 मीटर की परिधि में बिजली व टेलीकाम के तार अडरग्राउंड करने के निर्देश दिए गए हैं। अमीरूद्दौला लाइब्रेरी को कल्चरल स्पेस के रूप में किया जाएगा। साथ ही विकसित, सीनियर सिटीजन पार्क में बने गजीबो में रीडिंग प्वाइंट और कैफेटेरिया की सुविधा भी मिलेगी। मंडलायुक्त द्वारा एनओसी नामांतरण, फ्री.होल्ड व रजिस्ट्री के प्रकरणों में अनावश्यक रूप से विलम्ब करने पर सम्बंधित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी गयी। गुरुवार को एलडीए में मण्डलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने प्राधिकरण भवन के परिजात सभागार में आयोजित विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की समीक्षा बैठक में निर्देश दिये हैं। कैसरबाग चौराहे पर फ साड अपलिफ्टमेंट के कार्य के तहत चौराहे के 50 मीटर की परिधि में बिजली व टेलीकॉम के तारों को अंडरग्राउंड किया जाएगा। इसके लिए एलडीएए लेसा, नगर निगम व लोक निर्माण विभाग की संयुक्त टीम स्थल का सर्वे करके एस्टीमेट तैयार कराएगी।

मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि अमीरूद्दौला लाइब्रेरी व आसपास के हेरिटेज एरिया को कल्चरल स्पेस के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए वहां प्रमोशन एक्टिविटी कराते हुए विभिन्न प्रकार के इवेन्ट्स आयोजित कराये जाएं। साथ ही लाइब्रेरी के बाहर ओपन स्पेस में कैफेटेरिया व बगल में स्थित सीनियर सिटीजन पार्क में बुक रीडिंग प्वाइंट्स विकसित किये जाएं। वहींए हैप्पीनेस पार्क के सम्बंध में निर्देशित किया गया कि वहां बच्चों के लिए गेमिंग व महिलाओं के लिए क्राफ्ट वर्क एक्टिविटी आयोजित करायी जाए। इसके अलावा हेरिटेज जोन में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा में उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने अवगत कराया कि म्यूजियम ब्लॉक व फूड कोर्ट का समस्त सिविल वर्क पूरा हो चुका है और जल्द ही वहां सुविधाएं संचालित की जाएंगी। इसके अलावा लजीज गली का टेंडर भी हो गया है और अगले महीने से वहां दुकानें लगनी शुरू हो जाएंगी। मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि हुसैनाबाद हेरिटेज जोन में कराये गये कार्यों के अनुरक्षण व साफ सफ ई आदि के लिए फैसिल्टी मैनेजमेंट एजेंसी का चयन करा लिया जाए, जिससे कि स्थल पर व्यवस्था ठीक से संचालित हो सके। उन्होंने कहा कि रूमी दरवाजे के पास वाहनों की आवाजाही को कम करने के लिए वैकल्पिक मार्ग का चयन करते हुए ट्रैफिक प्लान तैयार कराया जाए। साथ ही टेम्पो व बस स्टैंड के लिए निर्धारित दूरी पर स्थान चिन्हित करते हुए शिफ्ट कराया जाए। झीलों के संवर्द्धन व सौंदर्यीकरण के कार्यो के सम्बंध में मण्डलायुक्त ने निर्देश दिये कि जमुना झील, मोतीझील व हैवतमऊ मवैया झील का संयुक्त टीम द्वारा डिमार्केशन कराकर अवैध कब्जे हटाये जाएं।

क्यों नहीं पूरा हो रहा है 10 वर्ष से सरकारी अस्पताल का निर्माण: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता। लखनऊ

पिछले 10 वर्ष से प्रतापगढ़ के कुंडा में एक सरकारी अस्पताल का काम पूरा नहीं हो पाने पर हैरानी जताते हुए हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने वहां के मुख्य चिकित्सा अधिकारी व यूपी राजकीय निर्माण निगम से जवाब तलब किया है। पूछा है कि जब राज्य सरकार ने फंड जारी कर दिया था तो भी इतने दिनों में अस्पताल का काम पूरा क्यों नहीं हो सका है। मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त को होगी।

जस्टिस राजन राय एवं जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश आनन्द कुमार की ओर से दाखिल एक जनहित याचिका पर दिया है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2014 से कुंडा स्थित नगर पंचायत देवरा बाजार में 30 बेड का एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनने का काम लंबित है। याचिका में अस्पताल का काम शीघ्र पूरा कराने के लिए अदालत से दखल देने की मांग की गई है। पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने बताया कि राज्य सरकार ने निर्माण एजेंसी राजकीय निर्माण निगम को फंड जारी कर दिया है। पीठ ने इस पर निगम को जवाब देने का आदेश दिया। साथ ही प्रतापगढ़ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से भी स्पष्टीकरण मांगा है कि अस्पताल बनने में इतना विलम्ब होने पर उन्होंने क्या कदम उठाया।

लोहिया संस्थान द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के सामुदायिक चिकित्सा विभाग ने सफलता पूर्वक पपनामऊ, चिनहट, लखनऊ गांव में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्घाटन डॉ. सी. एम. सिंह, निदेशक, डॉ. आरएमएलआईएमएस द्वारा किया गया। यह पहल फैमिली एडॉप्शन प्रोग्राम के अंतर्गत अपनाए गए क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी), नई दिल्ली के निर्देशों का पालन करते हुए की गई थी। दो साल पहले, 2022 बैच के 200 एमबीबीएस छात्रों को पपनामऊ के परिवारों में नियुक्त किया गया था। ये छात्र पिछले दो वर्षों से इन परिवारों के स्वास्थ्य और कल्याण की निरंतर निगरानी कर रहे हैं और अपने एमबीबीएस पाठ्यक्रम के दौरान भी ऐसा करना जारी रखेंगे। स्वास्थ्य शिविर में आंतरिक चिकित्सा, सामान्य सर्जरी, प्रसूति और स्त्री रोग, बाल रोग और दंत चिकित्सा के विशेषज्ञ शामिल थे, जिन्होंने शिविर में आए लोगों की व्यापक जांच की। इसके अलावा, सभी प्रतिभागियों के लिए मुफ्त रक्त और मूत्र परीक्षण किए गए।

सरकार के साथ जनता भी वैटलैंड्स संरक्षण के क्षेत्र में आगे आकर कार्य करे: डॉ. सक्सेना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पर्यावरण ,वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री डॉ.अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि वैटलैंड्स मानवजाति के लिए आवश्यक है क्योंकि पानी मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है। दूसरी ओर विभिन्न प्रकार की जैव विविधता, प्रवासी पक्षी के पलायन एवं कार्बन सिंक के क्षेत्र में वैटलैंड्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार के साथ-साथ आम जनता का भी दायित्व है किवह वैटलैंड्स संरक्षण के क्षेत्र में आगे आकर कार्य करे।

बुधवार से बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में शुरू हुए तीन दिवसीय वेटलेंड्स फॉर लाइफ फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पर्यावरण,वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मनोज सिंह ने सभी प्रकार के मीडिया माध्यमों , विशेष रूप से फिल्मों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उनका कहना था , कि पर्यावरण एवं समाज से जुड़े मुद्दों पर बनी फिल्मों के माध्यम से लोगों को आसानी से जागरूक किया जा सकता है क्योंकि फिल्में लोगों तक पहुँचने का एक आसान माध्यम है। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रिंसिपल चीफ कंजरवेटर ऑफ फोरेस्ट (वाइल्ड लाइफ), संजय श्रीवास्तव ने वैटलैंड्स को एक प्रकार का विशिष्ट पारिस्थितिकीय तंत्र बताया, जो कि पर्यावरण संरक्षण, जीविकोपार्जन, पृथ्वी पर उपस्थित जल चक्र, प्रति व्यक्ति आय में बढोत्तरी, उपयोगी वनस्पतियों एवं औषधीय पौधों के उत्पादन में सहायक होता है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के सेक्रेटरी आशीष तिवारी ने? वैटलैंड्स को आर्थिक रूप से उपयोगी होने के कारण हितधारकों के लिए भी महत्वपूर्ण बताया। साथ ही वैटलैंड्स बहुमूल्य पर्यावरणीय विशेषताओं के धनी होने के साथ-साथ सभी जैविक प्राणियों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से आवश्यक है। अरविंद विक्रम चौधरी ने भारत में वैटलैंड्स से संबंधित रामसर स्थल की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही कीर्तिमान अवस्थी ने वैटलैंड्स के संरक्षण एवं उससे संबधित लघु उद्योगों में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनएमपी वर्मा ने चर्चा के दौरान कहा कि वैटलैंड्स का संरक्षण करके एवं उसका सदुपयोग करके कृषि से होने वाली आय को बढ़ाया जा सकता है तथा अन्य रोजगार के साधनों को विकसित किया जा सकता है। हम सभी को इस जागरूकता अभियान को एक बड़ी मुहिम बनाना होगा, जिससे इस विरासत को आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाया जा सके।

चार वर्ष की मीशा को एलपीएस दे दाखिला: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता। लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कहा है कि मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिनियम के तहत यदि राज्य सरकार ने बच्चों के आवेदन पत्र का परीक्षण कर उनकी सूची विद्यालय को भेज दिया है, तो ऐसे बच्चों को दाखिला देने से इंकार नहीं किया जा सकता। पीठ ने इन टिप्पणियों के साथ लखनऊ पब्लिक स्कूल को निर्देश दिया है कि वो याचिकाकर्ता मीशा को प्री प्राइमरी क्लास में तत्काल दाखिल दें। जस्टिस आलोक माथुर की एकल पीठ ने यह आदेश चार वर्षीय मीशा के नैसर्गिक संरक्षक शाहजहां की मंजूर करते हुए दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि सरकार ने सूची भेजकर एलपीएस को उसे दाखिला देने को कहा है। लेकिन उसे दाखिला नहीं दिया जा रहा है। इस सुनवाई के दौरान एलपीएस ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि मीशा शिक्षा के अधिकार के तहत दिए गए प्रावधानो की हकदार नहीं है। उसके फार्म में तमाम खामियां हैं। पीठ ने इस पर कहा कि जब सरकार ने उसका नाम सूची में भेज दिया है तो स्कूल को दाखिल देना ही होगा। यह भी कहा है कि स्कूल ऐसे छोटे-छोटे खामियों पर दाखिले से इंकार नहीं कर सकता है।

क्षमता विकास व आजीविका संवर्धन को लेकर हुई इंटरैक्टिव बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मिशन नवशक्ति के तहत एक इंटरैक्टिव बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीण एसएचजी महिलाएं, मछुआरे, मछली किसान और ओजोन फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन जैसे विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम मिशन नवशक्ति के तहत एससीएसपी परियोजना का हिस्सा था।

एक्वावर्ल्ड के इंद्रमणि राजा ने बताया कि आईसीएआर-एनबीएफजीआर की टीम, जिसमें डॉ. पूनम जयंत सिंह, डॉ. ललित कुमार त्यागी, और डॉ. अजय कुमार पाठक शामिल थे, ने एसएचजी एक्वावर्ल्ड और हाइटेक फिशरीज एंड नॉलेज सेंटर की महिलाओं के साथ बातचीत की। आईसीएआर एनबीएफजीआर के निदेशक डॉ. यू.के. सरकार ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया। डॉ. सुरेश शर्मा और सादाम ने एक उद्यमी के रूप में अपने अनुभव साझा किए और बाजार संपर्क के लिए समन्वय का आश्वासन दिया। इंद्रमणि राजा ने महिलाओं को कम लागत में कचरे की सामग्री का उपयोग करके एक्वेरियम बनाने और मछली पालन की कला सीखने के लिए प्रेरित किया। केवीके कटिया, सीतापुर के प्रमुख डॉ. दया शंकर श्रीवास्तव, डॉ. आनंद सिंह, डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह, डॉ. शिशिर कांत सिंह और डॉ. रीमा ने सीतापुर में मछली पालन उद्यमों की महत्वपूर्ण संभावनाओं पर प्रकाश डाला। विभिन्न प्रकार के जल संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद, ये तकनीकी हस्तक्षेप और समर्थन की कमी के कारण अपर्याप्त रूप से उपयोग किए जा रहे हैं। ज्योति एसएचजी, बुद्धपूर्णिमा एसएचजी, लक्ष्मी एसएचजी, शिवानी एसएचजी, राखी एसएचजी, अनामिका एसएचजी, मोहिनी एसएचजी, दुर्गा एसएचजी, और पलक एसएचजी सहित कई एसएचजी की महिलाएं सक्रिय रूप से कार्यक्रम में शामिल हुईं।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बाबागंज रोड कुम्हरावां स्थित तथास्तु हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में बृहस्पतिवार को निःशुल्क चिकित्सा शिवर का आयोजन किया गया। इस शिविर का शुभारंभ भाजपा के जिलाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह व हॉस्पिटल के एमडी अंकुर अवस्थी ने किया।

चिकित्सा शिविर में गुलालपुर, गोधना, महिगवां, इंदारा, सहित आसपास के कई गांव के लगभग 500 मरीजों को निशुल्क जांच, दवाएं और विशेषज्ञों का परामर्श मिला। हॉस्पिटल की पहली वर्षगांठ पर आयोजित इस चिकित्सा शिविर में डीएम कार्डियोलॉजी डॉ. मोहम्मद जफर, एमडी मेडिसिन डॉ. एसपी सिंह, ऑर्थोपेडिक्स डॉ. अमित राय, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एसएम त्रिपाठी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. चित्रांगदा गुप्ता व शमशिया रहमान, डेंटल सर्जन डॉ. शिवेंद्र सिंह, ईएमओ डॉ. सौरभ, डॉ. इमरान, डॉ. चेतन ने सभी मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस अवसर पर कार्डियोलॉजी डॉ. मोहम्मद जफर ने बताया कि बरसात के मौसम के कारण शिविर में ज्यादातर वायरल फीवर, सर्दी जुखाम के मरीज पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाएं, बाल रोगी सहित अन्य गंभीर मरीजों को हायर सेंटर में दिखाने के लिए प्रेरित किया गया।

जापान में प्रतिभाग करेंगी केजीबीवी की छात्राएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की दो छात्राएं कु. संध्या सरोज, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बहरिया, जनपद प्रयागराज तथा कु. रिया पटेल, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, सदवा चंद्रिका, जनपद प्रतापगढ़ जापान जायेंगी। जापान साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी एजेंसी द्वारा सकूरा साइंस हाई स्कूल प्रोग्राम 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च, 2025 तक जापान में आयोजित हो रहा है, जिसमें चयनित छात्राएं शामिल होंगी।

सकूरा साइंस हाई स्कूल प्रोग्राम, ऐसे बच्चों के लिये आयोजित किया जाता है, जो विज्ञान वर्ग में ग्यारहवीं व बारहवीं के छात्र हों, जो कक्षा 10 में टॉपर हों तथा अंग्रेजी बोलने की योग्यता हो। 10 नवंबर से 16 नवंबर तक उक्त दोनों बालिकायें जापान में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगी। बालिकाओं के जापान भ्रमण, आवास एवं खाने-पीने पर होने वाला व्यय जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी एजेंसी (जेएसटी), जापान द्वारा वहन किया जायेगा। साथ ही उक्त कार्यक्रम में प्रतिभाग करने हेतु छात्र-छात्राओं को जापान सरकार द्वारा भ्रमण अवधि का बीज़ा भी उपलब्ध कराया जाता है। उक्त कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ विज्ञान के योग्य शिक्षकों को सुपरवाइजर के रूप में नामित करते हुये भेजा जाता है। बता दें कि जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी एजेंसी (जेएसटी) जापान और अन्य देशों के युवाओं के बीच शैक्षिक नवाचार में अनुभवों का आदान-प्रदान बढ़ाने के उद्देश्य से जापान साइंस हाई स्कूल प्रोग्राम को लागू किया गया है, जिसे सकूरा साइंस प्रोग्राम के रूप में भी जाना जाता है। ये युवा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विशिष्ट क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सकूरा साइंस हाई स्कूल कार्यक्रम के अंतर्गत जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी एजेंसी (जेएसटी) उत्कृष्ट श्रेणी के हाई स्कूल छात्र-छात्राओं को एक सप्ताह के लिए आमंत्रित करता है और उन्हें जापान की सबसे उन्नत वैज्ञानिक तकनीक देखने और उत्कृष्ट वैज्ञानिकों से मिलने तथा उनके साथ विज्ञान एवं तकनीकी के नवीन प्रयोगों, आविष्कारों एवं अनुभवों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करता है।

2027 में खटाखट नहीं, कांग्रेस व सपा का सफाचट होगा: मुख्यमंत्री

● विधानसभा में पूरे जोश में नजर आए सीएम योगी, कांग्रेस और सपा पर किया करारा हमला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को विधानसभा में पूरे में रौ नजर आए। अनुपूरक बजट पर बोलते हुए उन्होंने कांग्रेस और सपा के इंडी गठबंधन पर करारा हमला बोला। सीएम योगी ने इंडी गठबंधन के खटाखट स्कीम पर बोलते हुए प्रश्न किया कि एक लाख का बॉन्ड कहां गया? उन्होंने भाजपा और एनडीए के अपने सहयोगी विधायकों से कहा कि आप सब जनता-जनार्दन के बीच जाइए और उनसे पूछिए कि एक लाख का बॉन्ड कहां गया, कौन खा गया और उसे खाने वाले लोग कौन हैं। सीएम योगी ने आगे कहा कि 2027 में खटाखट नहीं, कांग्रेस और सपा का सफाचट होगा।

सीएम योगी लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस और सपा द्वारा फैलाए गए संविधान खत्म करने के झूठ पर भी विपक्ष आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि संविधान का गला घोटने वाले कौन लोग थे? विपक्ष के लोग कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार आएंगे तो संविधान खत्म कर देंगे। प्रधानमंत्री मोदी 10 वर्ष से सत्ता में हैं, क्या संविधान खत्म हुआ, नहीं! बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के रहते संविधान और मजबूत हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का सम्मान जितना प्रधानमंत्री मोदी ने किया, उतना किसी ने नहीं किया।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहब के पंच तीर्थों का निर्माण कराया। मध्य प्रदेश के महू में स्थित उनकी जन्मस्थली पर भव्य स्मारक हो या इंग्लैंड के जिस मकान से बाबा साहब अम्बेडकर ने उच्च शिक्षा अर्जित की थी, इंडिया हाउस के रुप में उसे प्रधानमंत्री मोदी ने स्थापित किया।

सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर ने दिल्ली के जिस मकान में रहते हुए अपना सार्वजनिक जीवन व्यतीत किया था, प्रधानमंत्री मोदी ने उसे भी स्मारक बनाया। नागपुर में जिस स्थल पर बाबा साहब ने बौद्ध दीक्षा प्राप्त की थी, उसे भी प्रधानमंत्री मोदी ने ही स्मारक बनाया।

सीएम योगी ने कहा कि मुंबई में स्थित बाबा साहब अम्बेडकर की चैत्य भूमि पर स्मारक बनाने का कार्य प्रधानमंत्री मोदी और महाराष्ट्र की भाजपा की सरकार ने किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में अफवाह फैलाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीम राव अंबेडकर को हराने वाली कांग्रेस जनता को गुमराह कर रही है।

यूपी की मांग को बिना देरी पूरा करेंगे: जयंत चौधरी

● अप्रेंटिस के माध्यम से उत्तर प्रदेश के 60,000 युवा प्रशिक्षित, इस साल 3 लाख का लक्ष्य निर्धारित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी और प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने गुरुवार को भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'कुशल भारत विकसित भारतरू नए भारत के युवाशक्ति से विकसित भारत का सृजन' अभियान के अंतर्गत स्किल इंडिया मिशन के प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षुओं के अभिनंदन समारोह में प्रतिभाग किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने उत्तर प्रदेश सरकार की किसी भी मांग को बिना देरी पूरा करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि स्किल इंडिया की वेबसाइट पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है और स्किल इंडिया मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवक समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। उत्तर प्रदेश में अप्रेंटिस के माध्यम से 60,000 लोगों को प्रशिक्षित किया गया है और इस साल 3 लाख लोगों को ट्रेनिंग देने का लक्ष्य रखा गया है। बांदा में केंद्रीय विद्यालय के निर्माण के लिए मंजूरी मिल गई है। 2014 में उत्तर प्रदेश में नेशनल हाईवे की लंबाई 7,986 किमी थी, जो 2023 में बढ़कर 12,292 किमी हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में 21.60 लाख लोगों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें से 16.87 लाख ने प्रमाणन पूरा कर लिया है। योजना के नवीनतम संस्करण के तहत 4.61 लाख उम्मीदवारों को नामांकित किया गया है और 205 रोजगार मेले आयोजित किए गए हैं, जिनमें 64,589 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश के युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। युवाओ को कौशल प्रशिक्षण देकर राज्य के आर्थिक विकास में सहयोगी बनाना तथा प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराकर स्वावलंबी बनाना है प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को पूर्ण करने में युवा जनशक्ति की उत्पादकता का महत्वपूर्ण स्थान है। कौशल विकास मंत्री ने कहा कि योगी सरकार ने अनुपूरक बजट के माध्यम से कौशल विकास मिशन के संचालन के लिए 200 करोड़ रुपये तथा प्रोजेक्ट प्रवीण हेतु 100 करोड़ रुपये का प्राविधान किया है। अब तक 17 लाख 50 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया तथा लगभग 6 लाख 50 हजार युवाओं को रोजगार दिलाया गया। चालू वर्ष में 1 लाख 65 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार दिलाया गया। कौशल विकास मंत्री ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के साथ सहयोग एवं समन्वय कर राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 9 से 12 तक के छात्र एवं छात्राओं को नियमित कक्षाओं के साथ-साथ नि:शुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वर्ष 2023-2024 में 315 विद्यालयों के 43,200 छात्रों को नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण दिया गया है।

कौशल विकास मंत्री ने कहा कि रोजगार की अधिक संभावनाओं वाले नए-नए उभरते हुए सेक्टर्स जैसे- आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ग्रीन जॉब्स, टैलीकॉम सेक्टर इत्यादि में प्रशिक्षण की विशेष कार्य योजना तैयार की गई है। स्थानीय आवश्यकताओं तथा रोजगार की संभावनाओं को चिह्नित करने के लिए प्रत्येक जनपद में डीएसडीपी (जिला कौशल विकास योजना) की तैयारी ताकि प्रशिक्षण के बाद युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिल सके। इस अवसर पर अतुल कुमार तिवारी, सचिव, एमएसडीई, एम. देवराज, प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता, उत्तर प्रदेश सरकार, महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार, सोनल मिश्रा, संयुक्त सचिव, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार, अभिषेक प्रकाश, सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

विधान परिषद में अटका नजूल सम्पत्ति विधेयक, प्रवर समिति को भेजा गया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा से कतिपय संशोधनों के साथ पास किया गया उत्तर प्रदेश नजूल सम्पत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबंध और उपयोग) विधेयक-2024 गुरुवार को विधान परिषद की प्रवर समिति को सुपुर्द कर दिया गया। भाजपा के सदस्य चौधरी भूपेन्द्र सिंह ने यह विधेयक प्रवर समिति को भेजने का अनुरोध किया, जिसे सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने स्वीकार कर लिया। चौधरी भूपेन्द्र सिंह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। प्रवर समिति को भेजे जाने से यह विधेयक फिलहाल लटक गया है।

उच्च सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह के सभापतित्व में प्रारम्भ हुई। प्रश्न प्रहर प्रारम्भ होने पर सदस्यों ने प्रश्न पूछे जिसपर तत्संबन्धित माननीय मंत्रियों ने प्रश्नों के उत्तर दिए। तत्पश्चात् प्रमुख सचिव, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा पारित उत्तर प्रदेश नजूल सम्पत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबन्ध और उपयोग) विधेयक, 2024, उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र और अन्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण विधेयक, 2024, उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2024, उत्तर प्रदेश नोडल विनिधान रीजन विनिर्माण (निर्माण) क्षेत्र विधेयक, 2024

(5) बोनस संदाय (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 2024, कारखाना (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 2024 और उत्तर प्रदेश विनियोग (2024-2025 का अनुपूरक) विधेयक, 2024 को सदन की मेज पर रखा। उपरोक्त विधेयक में से उत्तर प्रदेश नजूल सम्पत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबन्ध और उपयोग) विधेयक, 2024 सदन की प्रवर समिति को सुपुर्द किया गया तथा शेष सभी विधेयक विचारोपरान्त ध्वनिमत से पारित हुए। भाजपा सदस्य चौधरी भूपेंद्र सिंह ने ही उत्तर प्रदेश नजूल सम्पत्ति विधेयक को प्रवर समिति को भेजने का अनरोध किया था।

इसके बाद प्रमुख सचिव, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा पारित विधेयकों जो कल दिनांक 31 जुलाई, 2024 को सदन की मेज पर रखे थे, जिनमें उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2024, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2024, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (चतुर्थ संशोधन) विधेयक, 2024, उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024 और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक, 2024 को विचारोपरान्त ध्वनिमत से पारित हुए। वित्तीय वर्ष 2024-2025 के अनुपूरक अनुदानों पर सामान्य चर्चा में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने, सभी दलीय नेतओं ने एवं अन्य माननीय सदस्यों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। अन्त में वित्तीय वर्ष 2024-2025 के अनुपूरक अनुदानों पर सामान्य चर्चा में भाग लेते हुए नेता सदन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए अनुपूरक अनुदानों का समर्थन किया। तत्पश्चात सभापति कुँवर मानवेन्द्र सिंह द्वारा सदन के संचालन में उन्हें सहयोग देने हेतु सभी को धन्यवाद देने के उपरान्त राष्ट्रगान के पश्चात नेता सदन के प्रस्ताव पर सदन की बैठक 5:15 बजे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

अयोध्या में गैंगरेप का आरोपी सपा नेता व नौकर गिरफ्तार

● पहले बच्ची के साथ बलात्कार किया, फिर बनाया वीडियो, ब्लैकमेल कर कई दिनों से कर रहा था शोषण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अयोध्या में सपा नेता द्वारा नाबालिग के साथ गैंगरेप करने और उसका वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। घटना के सामने आने के बाद अयोध्या पुलिस ने गुरुवार को 12 साल की मासूम बच्ची के साथ गैंगरेप करने वाले आरोपी समाजवादी पार्टी के भदरसा नगर अध्यक्ष मोइद खान और उसकी बेकरी में काम करने वाले एक कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित के परिजनों को मामले की जानकारी तब हुई जब मासूम गर्भवती हो गयी। इसके बाद मासूम के परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज करायी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की।

एसएसपी राजकरन नैयर ने बताया कि सपा नेता मोइद खान ने पहले बच्ची के साथ बलात्कार किया और फिर इसका वीडियो बनाया। अपनी घटिया करतूत का वीडियो दिखाकर और धमकी देकर आरोपी करीब ढाई महीने तक रेप को अंजाम देता रहा। इस करतूत को मोइद खान ने अपनी बेकरी में काम करने वाले राजू खान की मदद से अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि मामले का खुलासा दो माह बाद नाबालिग के गर्भवती होने पर हुआ। पुलिस ने बताया कि पूरा मामला थाना पूराकलंदर के भदरसा कस्बे का है। परिजनों के मुताबिक नाबालिक के पेट में दर्द होने पर वह डॉक्टर्स के पास लेकर पहुंचे, जिसके बाद मासूम के गर्भवती होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी है। साथ ही दोनों आरोपी सपा नगर अध्यक्ष मोइद खान और उसके साथी राजू खान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। एसएसपी राजकरन नैयर ने बताया कि पीड़िता के पिता की 2 साल पहले मौत हो चुकी है। घर का गुजारा उसकी मां और बहनों के द्वारा मजदूरी से मिले पैसे से चलता है। आरोप है कि ढाई महीने पहले जब पीड़ित मजदूरी कर घर लौट रही थी तो मोइद खान की बेकरी में काम करने वाला राजू खान उसके पास आया और कहा मोइद खान तुम्हें बुला रहे हैं। जब पीड़ित वहां पहुंची तो मोइद खान ने उसके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। आरोप है कि सपा नेता मोइद खान ने रेप किया और राजू ने मोबाइल से वीडियो बनाया। इसके बाद राजू ने भी अपनी हवस पूरी की। इसके बाद ये सिलसिला आम हो गया और लगातार पीड़ित किशोरी के साथ यह दोनों रेप करते रहे। पीड़ित नाबालिग के साथ मोइद खान की करतूत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं इस विषय पर अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि मुझे तो इस बारे में कोई जानकारी ही नहीं है। वो मामले में कुछ भी बोलने से कतराते रहे।

भाजपा सरकार को नहीं दिख रही अस्पतालों की हालत: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में शासन-प्रशासन का जैसा हाल है उसमें बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की कतई उम्मीद नहीं रह गई है। भाजपा सरकार दावे बड़े-बड़े करते हैं पर उन्हें अस्पतालों की हकीकत नहीं दिखाई देती है। मरीज तड़प-तड़प कर जान दे रहे हैं। मासूम इलाज के बिना दम तोड़ रहे हैं। समाजवादी सरकार ने जनहित में जो इंतजाम किए थे भाजपा सरकार ने उन्हें विद्वेषवश बर्बाद करने का ही रिकार्ड बनाया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कई तस्वीरें आई है जिसमें स्ट्रेचर न मिलने और बेड न मिलने पर मरीज को लेकर परिजन भटकते दिखे हैं। सिद्धार्थनगर में 20 मिनट तक अस्पताल में बेटी को गोदी में लेकर पिता भटकता रहा फिर भी बेड नहीं मिला। थक हार कर उसे फर्श पर लिटा दिया गया। खुद मुख्यमंत्री जी के गृह जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं का दम निकल गया है। गोरखपुर एम्स में मरीजों को स्ट्रेचर नहीं मिल रहा है। मरीजों को ओपीडी तक गोद में उठाकर परिजन लाने को विवश है। सीतापुर जिले में अभी कुछ दिनों पहले अधेड़ व्यक्ति को समय पर वेंटीलेटर नहीं मिलने से मौत हो गई। लखनऊ के केजीएमयू से डेढ़ घंटे बाद बलरामपुर अस्पताल भेजने का निर्देश हुआ वहां पहुंचने से पहले ही मरीज की सांसे थम गई।

अखिलेश ने कहा कि अस्पतालों में डॉक्टर समय से ओपीडी में नहीं बैठ रहे है इसकी खबरें लगातर पेपरों में छप रही है बावजूद इसके मरीजों को घंटो-घंटों इंतजार करना पड़ रहा है और कभी तो डॉक्टर के दर्शन ही नहीं होते हैं। गरीब मरीजों को महंगी दवाएं लिख दी जाती है। सरकार सस्ती दवाओं के स्टोर चलाने के खूब दावे करती है लेकिन ऐसे स्टोरों में सभी दवाएं नहीं मिल पाती हैं।

उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में जितने मेडिकल कॉलेज बने थे उसके बाद भाजपा सरकार में कुछ नहीं हुआ। कैंसर का रोग गंभीर होता जा रहा है। समाजवादी सरकार ने लखनऊ में कैंसर अस्पताल बनाया था, उसका जैसा संचालन होना चाहिए नहीं हो रहा है। घायल मरीजों को अस्पताल लाने- ले जाने के लिए 108 समाजवादी एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई थी। प्रसूताओं और नवजात शिशुओं की मदद के लिए 102 एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई थी। इन सभी सेवाओं को भाजपा सरकार ने बर्बाद करके रख दिया है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सच तो यह है कि पिछले सात सालों में भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था को रसातल में पहुंचा दिया है। राज्य की खस्ताहाल व्यवस्था मरीजों के लिए काल बन रही है। निकम्मी भाजपा सरकार को 2027 में जनता सत्ता से बाहर करके ही दम लेगी।

भिक्षावृत्ति से मुक्त लोगों को सभी योजनाओं से जोड़ें: डीएम

● भिक्षावृत्ति में 5316 लोगो को किया चिन्हित, सत्यापन में 3912 लोग पाए सही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भिक्षावृत्ति से भिखारियों को मुक्त करने के लिए जिलाधिकारी द्वारा सर्वे की समीक्षा बैठक की गयी। सर्वे में कुल 5316 लोगो को चिन्हित किया है, जिसमें सत्यापन में 3912 लोग सही पाए गए। 2916 लोगो को मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयास किए गया। डीएम द्वारा अधिकारियों को भिक्षावृत्ति से मुक्त करने का आधार कार्ड बनवाना, आयुष्मान कार्ड बनवाना, दिव्यांग प्रमाण पत्र, मेडिकल कैम्प, समाज कल्याण एवं महिला कल्याण की योजनाओं से जोड़ने का निर्देश दिया गया।

गुरुवार को भिक्षावृत्ति से मुक्त किये जाने के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने भिक्षावृत्ति में लिप्त परिवारों के चिन्हांकन के लिए किए गए सर्वे की समीक्षा की। ग्रामीण मानव उत्थान संस्था ने किए सर्वे में कुल 5316 लोगो को चिन्हित किया। सर्वे के बाद सभी का सत्यापन कराया जिसमे से लगभग 3912 लोग सही पाए गए। जिसमे से 2916 लोगो को मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयास किए। जिसके संबंध में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि भिक्षावृत्ति में लिप्त परिवारों का सर्वे दोनो कार्यदायी संस्थाओं ने फिर से किया जाए और सर्वे के दौरान ही चिन्हित लोगो एवं परिवारों को प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करते हुए उनको मुख्यधारा से जोड़ा जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि शहर के सभी 8 जोनों में यह अभियान अगले 15 दिनों तक चलाया जाएगा। जिसमे भिक्षावृत्ति का कार्य कर रहे लोगो को कल्याणकारी योजनाओं से संतृप्त करते हुए उनको रोजगार के साधन भी उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि वह परिवार व लोग दुबारा भिक्षावृत्ति का कार्य न करे। जिलाधिकारी ने बैठक में भिक्षावृत्ति में लिप्त पुरुष, महिलाओं एवं बच्चों का दोबारा जनपद स्तर पर सर्वे कराने के लिए प्रत्येक जोन के जोनल के साथ 1 नगर.निगम के कर्मचारी, स्वयं सेवी संस्थाओं उम्मीद व अन्य के 3 सदस्यों को शामिल किया जायेगा। जो सम्पूर्ण जोन का सर्वे करते हुए पाये जाने वाले भिक्षुकों व उनके परिवारों का चिन्हाकन कर सूचीबद्ध करेगे और नगर निगम के कर्मचारी उनका सत्यापन उसी समय करते रहेंगे। उसी कार्य दिवस में ही जोनल आफिस में ही सभी चिन्हित भिक्षुकों को लाभार्थीपरक योजनाओं से जोड़ने के लिए समस्त सम्बन्धित विभागों को अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उनका आधार कार्ड बनवाना, आयुष्मान कार्ड बनवाना, दिव्यांग प्रमाण पत्र, मेडिकल कैम्प, समाज कल्याण एवं महिला कल्याण की योजनाओं से आच्छादित करने के निर्देश दिए हैं।

त्रि-स्तरीय कार्य योजना का क्रियान्वन करने के दिए निर्देश

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जनपद लखनऊ को भिक्षावृत्ति से मुक्त किये जान के लिए त्रि-स्तरीय कार्य योजना का क्रियान्वन करनेके लिए निर्देशित किया, जिसमें प्रथम चरण में सर्वे का कार्य, द्वितीय चरण में प्रवर्तन का कार्य व तृतीय चरण में चिन्हित सभी महिलाओं एवं बच्चों को पुनर्वासन करते हुए समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जाए। साथ ही साथ उक्त कार्यक्रम से जन सामान्य को जोड़े जाने के लिए सोशल मीडिया व इलेक्ट्रानिक्स मीडिया से जागरूक करने के लिए निर्देशित किया हैं। सर्वे कार्यक्रम के अनुश्रवण के लिए परियोजना अधिकारीए डूडा, लखनऊ को नामित किया गया है जो की पूरे अभियान का अनुश्रवण करेगे।

कमता तिराहा स्थित बस स्टैंड को शिफ्ट किए जाने पर जवाब तलब

विधि संवाददाता। लखनऊ

कमता तिराहा स्थित अवध बस स्टैंड को अन्यत्र ले जाने के मामले में स्पष्ट जवाब नहीं आने पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने नाराजगी जताई है। साथ ही राज्य सरकार को अब अगली सुनवाई तक शपथ पत्र दाखिल करने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 14 अगस्त को होगी। जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश अवध बार एसोसिएशन की ओर से दाखिल एक विचाराधीन जनहित याचिका पर दिया है। पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के वकील ने बताया कि पॉलीटेक्निक से लेकर इंदिरा कैनाल तक फ्लाई ओवर बनाए जाने के विषय पर अपर मुख्य सचिव, गृह की अध्यक्षता में एक बैठक हुई है। जिसमें एलडीए को किसी टेक्निकल एजेंसी से इस सम्बंध में सर्वे कराने को कहा गया है। वहीं नगर निगम के वकील अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि कोर्ट ने अवध बस स्टैंड को अन्यत्र शिफ्ट किए जाने पर भी शपथ पत्र मांगा है। पीठ ने इस मामले की पिछली सुनवाई के दौरान ने कहा था कि यदि अयोध्या रोड पर पॉलीटेक्निक से लेकर इंदिरा कैनाल तक फ्लाई ओवर बन जाए तो इस क्षेत्र में जाम की समस्या से काफी निजात मिलेगी। मामले की अगली सुनवाई 30 अगस्त को होगी। जस्टिस राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश ओम राधा गऊ सेवा समिति की ओर से दाखिल अवमानना याचिका पर दिया है। याचिका में कहा गया है कि उक्त कम्पनी द्वारा पूर्व में भी काली पश्चिम और चार अन्य गावों के चक रोड और नाली की जमीनों को रोकने का प्रयास किया गया था। जिसके विरुद्ध जनहित याचिका दाखिल की गई। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान कम्पनी की ओर से भरोसा दिलाया गया कि वह डेवलपमेंट के लिए चक रोड और नाली की जमीनों का इस्तेमाल नहीं करेगी। बावजूद इसके उक्त जमीनों को अवरुद्ध किया गया। वहीं एलडीए की ओर से आरोपों को बेबुनियाद बताया गया। हालांकि पीठ ने पाया कि याचिका के साथ दाखिल किए गए फोटोग्राफ्स और तहसीलदार, सरोजिनी नगर की रिपोर्ट से आरोपों की प्रथम दृष्टया पुष्टि हो रही है। पीठ ने इस पर एमडी मोहित गोयल व सीईओ मुकेश कुमार को नोटिस जारी करने का आदेश दिया।

ओमैक्स के एमडी और सीईओ को अवमानना की नोटिस

विधि संवाददाता। लखनऊ

ओमैक्स हाउसिंग एंड डेवलपर्स लिमिटेड के एमडी मोहित गोयल व ओमैक्स गर्व बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ मुकेश कुमार के खिलाफ हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अवमानना की नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। पीठ ने पूछा है कि पूछा है क्यों न उन्हें आदेश के बावजूद काली पश्चिम गांव के चक रोड और नाली की जमीन पर अवैध कब्जा कर निर्माण कराने के लिए दंडित किया जाय।

प्रदेश में 1.14 लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाओं में वाणिज्यिक संचालन शुरू

● औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने विधानसभा में निवेश को लेकर किए गए सवाल पर दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश में निवेश को धरातल पर उतारने के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। फरवरी 2024 में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 (जीबीसी 4.0) में परियोजनाओं के शुभारंभ के 5 माह के अंदर प्रदेश में 1.14 लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो गया है। गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने विपक्षी सदस्य के सवाल के जवाब में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में कुल 14701 परियोजनाओं में 10 लाख 81 हजार करोड़ रुपए के निवेश धरातल पर उतारने की कार्रवाई की गई थी। इसमें 34 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त होने की संभावना है। जीबीसी 4.0 में शुभारंभ के बाद से अब तक 3984 परियोजनाओं का वाणिज्यिक संचालन प्रारंभ हो चुका है, जिसमें कुल एक लाख 14 हजार 345 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। उन्होंने कहा कि निवेश एक सतत प्रक्रिया है। सीएम योगी के नेतृत्व में जो लॉ एंड ऑर्डर की व्यवस्था में सुधार हुआ है, उसके चलते देश और विदेश के बड़े निवेशक उत्तर प्रदेश में अपनी इंडस्ट्री लगाने के लिए लालायित हैं।

यूपी छोड़कर नहीं गई है सैमसंग की यूनिट: सुरेश खन्ना

प्रदेश के इंडस्ट्रियल ग्रोथ रेट के साथ ही सैमसंग की यूनिट के यूपी से कर्नाटक शिफ्ट होने के सवाल के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने जवाब दिया। उन्होंने बताया कि हमारा इंडस्ट्रियल ग्रोथ रेट 22.09 है जो भारत सरकार की मिनिस्ट्री ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन की रिपोर्ट के आधार पर निर्धारित किया गया है। यह प्रदेश की बेहतर फाइनेंशियल प्रोग्रेस को प्रदर्शित करता है। वहीं, सैमसंग की इंडस्ट्री के विषय में जो सवाल पूछा गया है, ऐसा लगता है कि सदस्य को इसके बारे में सही जानकारी नहीं है। जब भी कोई कंपनी निवेश करती है तो उसके डायरेक्टर्स के बीच में रिजॉल्यूशन तय किया जाता है। यहां पर सैमसंग की मोबाइल डिस्प्ले लगाने की जो इंडस्ट्री लगी थी वो आज भी फंक्शनल है और बड़े पैमाने पर उसमें प्रोडक्शन चालू है।

'कांग्रेस दिलाएगी न्याय' कार्यक्रम के जरिए करेंगे जनता की समस्याओं का निराकरण: आत्रेय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल आउटरीच विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और 'कांग्रेस दिलाएगी न्याय' कार्यक्रम के लखनऊ प्रभारी कुलदीप आत्रेय ने कहा कि प्रदेश की जनता अपनी समस्याओं को लेकर पीड़ित हैं, जिनकी कहीं भी सुनवाई नहीं हो रही है और वह त्राहि-त्राहि कर रही है। शासन प्रशासन की उदासीनता के कारण पात्र व्यक्ति को उसका हक नही मिल पा रहा है। कुलदीप आत्रेय बृहस्पतिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। इस दौरान जिला/ शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी, अमित श्रीवास्तव त्यागी तथा डॉ. शहजाद आलम, तथा सोशल आउटरीच विभाग के लखनऊ जिलाध्यक्ष नूर आलम, प्रदेश सचिव कुलदीप मिश्रा, कार्यक्रम के सहप्रभारी उमेश द्विवेदी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कुलदीप आत्रेय ने कहा कि प्रदेश की जनता जो अपनी समस्याओं के निवारण को लेकर काफी लंबे समय से प्रयासरत है, परन्तु शासन के द्वारा उसकी समस्या के निराकरण की दिशा में कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है और न कहीं सुनवाई हो रही है। उक्त मामले पर कांग्रेस पार्टी कार्फी संजीदा है और जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल आउटरीच विभाग द्वारा 'कांग्रेस दिलाएगी न्याय' कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके माध्यम से जनपद के कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेश की पीड़ित जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए समाधान के लिए उचित प्रयास किया जायेगा।

राजर्षि टंडन चाहते थे जन जन की भाषा बने हिंदी

मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के जन्म दिवस पर सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन स्मृति व्याख्यान माला के 17वें पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि आचार्य त्रिभुवन नाथ शुक्ला पूर्व अध्यक्ष हिंदी एवं भाषा विज्ञान विभाग रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर ने भारत भारती के आराधक स्थित प्रज्ञ राजर्षि विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि राजर्षि टंडन चाहते थे कि हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा मिले और वह जन जन की भाषा बने। वह हिंदी को पूर्ण रूप से स्थापित करना चाहते थे। उनके व्यक्तित्व में दृढ़ता थी जो उनके पत्रों में भी झलकती थे। इस तरह के पत्र उन्होंने गांधी एवं जवाहर लाल नेहरु को लिखे थे। प्रो शुक्ला ने कहा कि टंडन की जैसा बोलते थे वैसा ही लिखते थे। सारस्वत अतिथि अनंत विजय वरिष्ठ पत्रकार नई दिल्ली ने कहा कि राजर्षि टंडन दृढ़ निश्चयी थे। वह हिंदी को देश की आजादी के पहले आजादी प्राप्त करने का साधन मानते थे। विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ नरेन्द्र कुमार सिंह गौर ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी की आजीवन सेवा की। हिंदी का उनसे बड़ा कोई समर्थक नहीं था। आज युवा पीढ़ी को टंडन के बारे में जानने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत्यकाम ने कहा कि राजर्षि टंडन महिलाओं की शिक्षा के हिमायती थे। कुलपति एवं अन्य अतिथियों द्वारा अटल प्रेक्षागृह में राजर्षि टंडन पर आधारित पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। साथ ही राजर्षि टंडन के जीवन वृत्तांत पर निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर एक माह तक चली राजर्षि टंडन के जीवन चरित्र से संबंधित निबंध कविता लेख रेखा चित्र तथा पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले विजेताओं नवाज अहमद मिशिका टंडन अगम्य मलिक नेहा गुप्ता वैष्णवी पटेल अभिनय कुमार राम लखन कुशवाहा प्रमोद द्विवेदी एवं तनु द्विवेदी को प्रमाण पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों डॉ जी के द्विवेदी डॉ गौरव संकल्प डॉ सोहनी देवी डॉ साधना श्रीवास्तव की पुस्तक मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम आचार्य चाणक्य कौटिल्य एवं कोर्ट का वर्णन तथा कहानी संग्रह रास्ते मिलेंगे का विमोचन किया गया। स्वागत समन्वयक प्रो एस कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ शशी टंडन डॉ रंजना त्रिपाठी गोपाल जी पांडेय प्रो आशुतोष गुप्ता पूनम मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

हिंदी के अनन्य सेवक थे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडनः न्यायमूर्ति

प्रयागराज। देश प्रेमी कर्मठ योगी प्रखर वक्ता समर्पित राजनीतिक हिंदी के अनन्य सेवक समाज सुधारक देश की स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजों से लोहा लेते हुए अनगिनत बार जेल जाने वाले प्रयागराज की पावन धरती के सुपुत्र भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के त्याग एवं सादगी पूर्ण जीवन से आज का युवा वर्ग प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह बातें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने लोक सेवक मंडल प्रयागराज की ओर से आयोजित राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की 142वीं जयंती समारोह के अवसर पर गुरुवार को कहीं। उन्होंने कहा कि राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। उनकी जयंती पर सभी को इसका संकल्प लेना चाहिए। कहा टंडन जी अपने सिद्धांतों एवं नैतिक आचरण से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने लोक सेवक मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लोक सेवक मंडल के सचिव ब्रह्म प्रकाश तिवारी ने की। गांधी एकेडमिक संस्थान के निदेशक ओम प्रकाश शुक्ल ने कहा कि युवा अपने स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें। इविवि के वरिष्ठ पूर्व छात्र नेता राजेश सिंह ने कहा कि युवाओं को अपने महापुरुषों से प्रेरणा लेकर ही देश निर्माण के कार्य में अपनी भूमिका निभायें। संचालन आकाशवाणी केंद्र के उद्घोषक विनय श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन समाजसेवी शिक्षक श्रीनारायण यादव ने किया। कार्यक्रम में लवलेश सिंह प्रशांत मौर्य अनुराधा रवि सगीर अहमद गुड्डू चंदन घनश्याम मास्टर पदमा जिया अरविंद चोपड़ा आदि उपस्थित रहे?।?

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय का निरीक्षण

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने गुरुवार को लगभग 10:45 बजे मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पहुंचकर आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बिना परिचय पत्र के कर्मचारियों को देखकर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। उन्होने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि सभी कर्मचारियों का ड्रेस कोड बनाते हुये कर्मचारियों का परिचय पत्र बनाए ताकि लोगो को जानकारी हो सकें। उन्होने कहा कि कार्यालय में जितने भी कर्मचारी है उन सभी का नाम व पदनाम सहित बोर्ड बनवाकर कार्यालय में चस्पा कराया जाए। जिलाधिकारी द्वारा पटलवार निरीक्षण के दौरान पटल सहायकों को नाम व पदनाम न लिखे जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि पटल सहायको का नाम व पदनाम अवश्य लिखा होना चाहिए तथा अलमारियों में रखी गयी फाइलों से सम्बन्धित एक सूची चस्पा किया जाए कि उसमें कौन सी फाइल हैं। उन्होंने अलमारियों के ऊपर रखे रिकार्डो को भी सुव्यवस्थित ढंग रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान कमरों में बिजली तारों को खुला देख जिलाधिकारी ने सुव्यवस्थित कराने का निर्देश दिया। वाटर कूलर के पास गंदगी देख जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा साफ सफाई कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने ई.वैक्सीन कोल्ड चेन स्टोर का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी फ्रीजर में रखे दवाईयों के स्टाक के बारे में जानकारी प्राप्त तथा स्टाक मगाकर उसका मिलान भी किया गया तथा वहीं पर रखे कम्प्यूटरए सी0पी0यू0 खराब हालत में देख कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये मरम्मत कराने का निर्देश दिया।

पुलिस अधीक्षक ने की बड़ी कार्रवाई, 34 उप निरीक्षकों का किया स्थानांतरण, दो लाइनहाजिर

गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक इरज राजा ने 34 उपनिरीक्षको का स्?थानांतरण करते हुए दो पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। जिसमें उप निरीक्षक सर्वजीत यादव पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी बहलोलपुर थाना दुल्लहपुरए राम धनेश चौकी प्रभारी खुदाईपूरा थाना कोतवाली से चौकी प्रभारी अस्पताल थाना कोतवालीए हरिकृष्ण तिवारी पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी खुदाईपूरा थाना कोतवालीए श्री हरिश्चंद्र सिंह पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी जलालाबाद थाना दुल्लहपुरए कमल भूषण राय पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी सिधौना थाना खानपुरए अजय कुमार पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी देवरिया थाना जमानियाए देवेंद्र कुमार साहू थाना शादियाबाद से चौकी प्रभारी हंसराजपुर थाना शादियाबादए अजय प्रकाश पांडे थाना मोहम्मदाबाद से चौकी प्रभारी बहादुरगंज थाना कासिमाबादए सुनील शुक्ला थाना मोहम्मदाबाद से चौकी प्रभारी रजागंज थाना कोतवालीए विवेक कुमार पाठक चौकी प्रभारी रजागंज थाना कोतवाली से चौकी प्रभारी बारा थाना गहमरए अश्वनी प्रताप सिंह थाना भावरकोल से चौकी प्रभारी अटवा मोड़ थाना नोनहराए मनोज कुमार पांडेय थाना बरेसर से चौकी प्रभारी कस्बा सैदपुर थाना सैदपुरए सुरेश मौर्य थाना जमानिया से चौकी प्रभारी सेवराईए रामकुमार दुबे थाना जमानिया से चौकी प्रभारी अमईपुर थाना जमानियाए अरुण कुमार पांडे साइबर थाना से चौकी प्रभारी दैवैथा थाना जमानियाए देवेंद्र यादव पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी मटेहूं थाना मरदहए अरविंद कुमार थाना भूड़कुड़ा से चौकी प्रभारी ताजपुर कुर्रा थाना दिलदारनगरए अविनाश मणि त्रिपाठी थाना बहरियाबाद से चौकी प्रभारी मखदुमपुर थाना सादातए बृजेश्वर यादव थाना करीमुद्दीनपुर से चौकी प्रभारी खिजीरपुर थाना करंडाए लल्लन राम बिंद थाना जमानिया से चौकी प्रभारी शहनिंदा थाना मोहम्मदाबादए शिव प्रकाश पाठक थाना दिलदारनगर से चौकी प्रभारी पहेतीयां थाना जंगीपुरए लाल बहादुर सिंह थाना नगसर से थाना मोहम्मदाबादए भूपेश चंद्र कुशवाहा पुलिस लाइन से थाना जमानियाए सुरेंद्र राम मिश्रा पुलिस लाइन से थाना शादियाबादए फूलचंद्र मिश्रा पुलिस लाइन से थाना रामपुर माझाए प्रभाकर सिंह पुलिस लाइन से थाना शादियाबादए प्रदीप कुमार पुलिस लाइन से थाना सादातए हरिहर मिश्रा पुलिस लाइन से थाना सादातए महेंद्र प्रसाद पुलिस लाइन से थाना बहरियाबादए लालू प्रसाद यादव पुलिस लाइन से थाना कासिमाबादए कमलेश गुप्ता पुलिस लाइन से थाना नोनहराए विजय नारायण राय पुलिस लाइन से थाना बिरनोए राकेश सिंह पुलिस लाइन से थाना गहमरए हंसराज मिश्रा रामपुर माझा थाना से थाना दिलदारनगर के लिए तबादला कर दिया गया है। इसी कड़ी में एसपी ईरज राजा ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुए गहमर थाने पर तैनात दो पुलिसकर्मियों जिसमें यशवंत सिंह और विनोद कुमार को पुलिस लाइन हाजिर कर दिया है।

डीआईजी ने किया कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण

गाजीपुर। भुड़कुडा कोतवाली का डीआईजी रेंज वाराणसी डॉक्टर ओम प्रकाश सिंह द्वारा वार्षिक निरीक्षण किया गया जिसमें थाने पर आने वाले फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उस पर तत्काल कार्यवाही करने के साथ ही एचएस पर कार्यवाही एवं भूमि संबंधी विवादों को भी नियमानुसार कार्यवाही करने के लिए कहा। 112 नंबर पर आने वाली सूचनाओं पर तत्काल रिस्पांस देने के लिए कहा। कोतवाली भुडकुडा में गांव के हिसाब से चौकीदार कम होने पर थाना प्रभारी को रिपोर्ट बनाकर पुलिस अधीक्षक को देने के लिए कहा। क्षेत्र में पैदल गस्त बढ़ाते हुए नकबजनी और चोरी की घटनाओं पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाया जाए थाने में जल निकासी की समस्या पर उन्होंने नाली बनवाने के लिए कहा। कोतवाली भुडकुडा में जल निकासी की समस्या पर पुलिस कर्मियों को हमेशा डेंगू जैसे रोगों का खतरा बना रहता है मालखानाएबीट रजिस्टरएमहिला हेल्प डेस्क इत्यादि का गहनता से मुआयना किया। असलहो को हमेशा साफसफाई के साथ दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। वहीं मेस के प्राइवेट कॉलेजर की सराहना की क्षेत्राधिकार भुडकुडा को शिकायतों को ध्यान से सुनते हुए कार्यवाही करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षकए सैदपुर सीओ शेखर सेंगर व भुड़कुडा सीओ बलराम सहित सभी उप निरीक्षक मौजूद रहे।

सोन संगम ने विचार गोष्ठी और काव्य संध्या का किया आयोजन

बीजपुर/सोनभद्र। साहित्यिक व सामाजिक संस्था सोन संगम शक्ति के तत्वावधान में कथा सम्राट प्रेमचंद की जयंती पर विचार गोष्ठी एवं काव्य संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रेमचंद की छायाचित्र पर पुष्पांजलि माल्यार्पण तथा डॉक्टर बृजेंद्र शुक्ला एवं प्रज्ञा चक्षु रविंद्र मिश्रा के द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना से से किया गया। अतिथियों का स्वागत करते हुए डॉ मानिक चंद पांडेय ने कहा कि प्रेमचंद 21वीं शताब्दी के तीसरे दशक में भी प्रासंगिक हैं संपूर्ण विश्व में प्रेमचंद का साहित्य आज भी पढ़ा जाता है और जो समस्याएं उन्होंने अपनी रचनाओं में चित्रित किया है वह आज भी किसी न किसी रूप में देखने को मिलता है।इसी क्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए सरस सिंह ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य निर्बल के लिए ताकत प्रदान करता है। डा अनिल कुमार दूबे ने प्रेमचंद को कालजई रचनाकार बताया।इस अवसर पर इस सोन संगम शक्तिनगर के अध्यक्ष विनय कुमार अवस्थी को भावभीनी विदाई दी गई। विदाई के पूर्व, विनय कुमार अवस्थी द्वारा रचित दो काव्य संग्रह,,सत्य का साथी,,तथा,, शाश्वत,,का विमोचन उपस्थित विशिष्ट अतिथियो के कर कमलों द्वारा किया गया।विदाई के अवसर पर नवोदित रचनाकार प्रिया गुप्ता ,विजयलक्ष्मी पटेल, डॉ विजेंद्र कुमार शुक्ला ने अपनी-अपनी कविता के माध्यम से अवस्थी को भाव- भीनी विदाई दी।कार्यक्रम का संचालन विजयलक्ष्मी पटेल तथा धन्यवाद ज्ञापन विजय कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधानाचार्य सरस्वती इंटर कॉलेज खडीया बाजार राजीव कुमार,गुलाब सिंह, डॉ रणवीर सिंह छोटेलाल ,उदय नारायण, डॉ अपर्णा त्रिपाठी, सीताराम अवधेश, मुकेश रेल, डॉ अविनाश कुमार दुबे, पप्पू जी,डॉ मनोज कुमार गौतम, सरवन कुमार, मनोरमा, बी बी पटेल, अंकित कुमार,पवन कुमार अन्यान्य लोग उपस्थित रहे।

यूपी बार काउंसिल ने अधिवक्ताओं का पंजीकरण रोका

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य विधिज्ञ परिषद प्रयागराज ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा गौरव कुमार बनाम भारत संघ मामले में अधिवक्ताओं का पंजीकरण शुल्क निश्चित करने का आदेश आने के बाद प्रदेश में अधिवक्ता पंजीकरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। बार काउंसिल ने कहा है कि बार काउंसिल आफइंडिया की सलाह आने के बाद पंजीकरण शुरू किया जायेगा। इस आशय की सूचना अध्यक्ष शिव किशोर गौड़ ने विज्ञप्ति जारी कर दी है।

सभी के मन में जगाया जाता है सुरक्षा का भाव

प्रयागराज। आज की भागदौड़ भरी दुनिया में जहां अक्सर इंसानी रिश्ते कम समय में ही दम तोड़ देते हैं वहीं हमारे पेट्स यानी हमारे पालतू जानवर हमारे सबसे वफादार दोस्त बने रहते हैं। हमारे पेटस हमें निस्वार्थ भाव से चाहते हैं हमारा इमोशनल सपोर्ट होते हैं। ज्यादा जानने के लिए देखिए प्यार का पहला नाम राधा मोहन रोज रात आठ बजे सिर्फजी टीवी पर आएगा।

डीएम ने खनिज विभाग कार्यालय का किया निरीक्षण

खान निरीक्षक व सर्वेक्षक समेत पांच मिले अनुपस्थित, रोका वेतन

सोनभद्र। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने गुरुवार को खनिज विभाग कार्यालय का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने उपस्थिति पंजिका को खंगाला। खान निरीक्षक मनोज कुमार, सर्वेक्षक योगेश शुक्ला, खनिज लिपिक सुनील कुमार, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हनुमान पाठक अनुपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने अनुपस्थित अधिकारी-कर्मचारी के वेतन भुगतान पर रोक लगाने व स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश ज्येष्ठ खान अधिकारी को दिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने लेखाकार कक्ष का भी निरीक्षण किया। इस दौरान लेखाकार अजय शंकर शर्मा अनुपस्थित पाए गए। वेतन भुगतान पर रोक लगाने के साथ ही स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के समय कक्ष में तीन व्यक्ति मिले जिसमें से एक व्यक्ति द्वारा कम्प्यूटर आपरेट का काम किया जा रहा था। जिस पर जिलाधिकारी ने व्यक्ति के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने ज्येष्ठ खान को निर्देशित किया कि प्राइवेट व्यक्ति के विरूद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। निर्देशित किया कि किसी भी प्राइवेट व्यक्ति से कोई शासकीय कार्य न कराया जाए। कोई भी अधिकारी/कर्मचारी किसी प्राइवेट व्यक्ति से कार्यों का संचालन कराते पाया जाता है तो उसके विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कमान सेंटर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कमान सेंटर का यूपी डेस्को के कर्मचारी उपस्थित मिले। सेंटर संचालन के संबंध में जानकारी ली, बताया गया कि जिन गाड़ियों द्वारा अवैध परिवहन किया जाता है तो उन गाड़ियों का एम चेक के माध्यम से आनलाइन चालान किया जाता है। संबंधित वाहन स्वामी को नोटिस जारी करने की कार्यवाही की जाती है। जिलाधिकारी ने खान अधिकारी को निर्देशित किया की एआरटीओ के साथ टीम बनाकर वाहनों की सघन जांच कराएं।

मरीजों को बाहर की दवा लिखने पर भड़के सीडीओ, जताई नाराजगी

सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार ने गुरुवार को जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान कई खामियां पाई गईं। मरीजों को बाहर की दवा लिखने पर उन्होंने नाराजगी जताई और निर्देश दिया कि अस्पताल में उपलब्ध दवाएं ही मरीजों को लिखी जाएं। सीडीओ गुरुवार को मुख्य चिकित्साधिकारी अश्वनी कुमार के साथ जिला अस्पताल में पहुंचे। वहां उन्होंने पहले इमरजेंसी में सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। फिर इमरजेंसी वार्ड में पहुंचे और मरीजों से दवाओं के बारे में पूछा। मरीजों के तीमारदारों ने उन्हें बताया कि डाक्टरों ने बाहर की कई दवाएं लिखी हैं। इस पर वे भड़क गए। डाक्टर से ही पूछ बैठे कि क्या इससे जुड़ी दवाएं अस्पताल में उपलब्ध नहीं हैं। गैर जरूरी दवाएं पर्ची पर क्यों लिखी गई हैं। इस पर संबंधित चिकित्सक ने बाहर से लिखी गैर जरूरी दवाओं को सीडीओ के कहने पर काट दिया और फिर दूसरे साल्ट की दवाएं अस्पताल के ही मेडिकल स्टोर से लिखी। सीडीओ ने मरीज त्रिवेणी व लीलावती से दवाओं के बारे में जानकारी ली। फिर सीएमओ व मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य को निर्देश दिया कि बाहर की दवाएं कतई न लिखी जाएं, इसका निर्देश डाक्टरों को मीटिंग कर अवश्य दे दें। दोबारा ऐसा पाया गया तो संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद सीडीओ दवा काउंटर पर पहुंचे। वहां लंबी कतार देखा और मरीजों से दवाओं के बारे में जानकारी ली। फिर दवा काउंटर में तैनात कर्मचारियों से दवा वितरण की जानकारी ली। इसी दौरान बेंच पर लेटे हुए मरीज को फिर दवा काउंटर में तैनात कर्मचारियों से दवा वितरण की जानकारी ली। इसी दौरान बेंच पर लेटे हुए मरीज को देख संबंधितों को फटकार लगाकर तुरंत दवा इलाज कराने का दिशा निर्देश दिया। इसके बाद पत्रकारों से वार्ता में सीडीओ सौरभ गंगवार ने बताया कि पिछले कई दिनों से शिकायत मिल रही थी अस्पताल में बाहर की दवा लिखी जा रही है। इस पर जांच की गई तो शिकायत सही पाई गई। संबंधितों को निर्देश दिया गया है कि वे बाहर से दवा न लिखें वरना कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान सीएमओ, प्रधानाचार्य व अन्य मौजूद रहे।

सनातन संस्कृति के जीवंत उदाहरण थे जवाहर प्रसाद मिश्रा

सोनभद्र। नगवा विकास खंड क्षेत्र के खलियारी में स्थित निर्मल भवन के प्रांगण में गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार के पूर्णकालिक कार्यकर्ता रहे स्व जवाहर प्रसाद मिश्रा की स्मृति में पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान अखिल भारतीय भगवान परशुराम अखाड़ा परिषद के पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि धूल और धुएँ की बस्ती गोटी बांध में पले एक साधारण परिवार के बालक अपनी प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता और लोकप्रियता के कारण संघ संपर्क में आए और उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मां भारती को समर्पित कर दिया उनमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की संकल्पशक्ति, आचार्य चाणक्य की निश्चयात्मिका बुद्धि थी.जवाहर के बौद्धिक का ऐसा जादू था कि लोग उन्हें सुनते ही रहना चाहते हैं। उनके व्याख्यानों की प्रशंसा उनके विरोधी भी करते थे। उनके अकाट्य तर्कों का सभी लोहा मानते हैं। उनकी वाणी सदैव विवेक और संयम का ध्यान रखती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग बौद्धिक प्रमुख धनंजय पाठक ने कहा कि यद्यपि उनकी बौद्धिकता का प्रधान स्वर राष्ट्रप्रेम का था उन्होंने सामाजिक तथा वैचारिक विषयों पर भी तमाम कार्यों को किया है। प्रकृति की छबीली छटा पर तो वे ऐसा मुग्ध होते हैं कि सुध-बुध खो बैठते थे । हिंदी के वरिष्ठ समीक्षकों ने भी उनकी विचार-प्रधान नई बौद्धिकता और सोच की सराहना की है।

हंसराज विश्वकर्मा का मनाया गया जन्मदिन

गाजीपुर। विश्वकर्मा समाज के द्वारा उ प्र विधान परिषद सदस्य तथा भाजपा वाराणसी के लगातार तीसरी बार जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा का जन्म दिन विश्वकर्मा समाज के जिलाध्यक्ष जनार्दन शर्मा के फर्नीचर वर्कशॉप महुआबाग पर केक काटकर हर्ष उल्लास से मनाया गया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष जनार्दन शर्मा कि अध्यक्षता में विश्वकर्मा समाज के लोगों ने हंसराज विश्वकर्मा को उनके स्वस्थ समृद्ध और दीर्घायु जीवन की शुभकामना बधाई व्यक्त कर केक काटा और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर पत्रकार साहित्यकार रामावतार ने कहा कि हंसराज विश्वकर्मा विश्वकर्मा समाज के गौरव हैं जिनके नेतृत्व में विश्वकर्मा समाज की नेतृत्व क्षमता में वृद्धि हो रही है।इस अवसर पर बिरनो ब्लाक के शेखपुर ग्राम पंचायत प्रधान धर्मेन्द्र शर्माए पत्रकार साहित्यकार रामावतारएप्रवीण कुमार विश्वकर्माएरामबहादुर विश्वकर्माएदीलिप शर्माए ओमप्रकाश शर्माएश्याम नारायण शर्मा मुनिब जी सहित आदि अन्य लोग उपस्थित थे।

बोलबम का जयकारा लगाते हुए कांवड़ियों का जत्था रवाना

सकलडीहाध्चन्दौली ।सावन माह शुरू होते ही सकलडीहा से गुरूवार को चौथा जत्था बोलबंम के लिये रवाना हुआ। इस दौरान कावरिया बोलबंम का जयकारा लगाते हुए कस्बा के मंदिरों पर पूजा पाठ के बाद रवाना हुए। इस मौके पर कस्बा सहित विभिन्न गांव के कावरिया मौजूद रहे।सकलडीहा कस्बाए नागेपुरएटिमिलपुरए तेन्दुईए ईटवाए दुर्गापुरए ताजपुर सहित विभिन्न् गांव से हर साल कावरियों का जत्था सावन के पहले सोमवार से पूर्व बोलबंम के लिये जलाभिषेक के लिये जाते है। सकलडीहा कस्बा से चौथा कावरियों का जत्था बोलबंम के लिये रवाना हुआ। इस दौरान कावरिया कस्बा के शिवमंदिरए दुर्गा मंदिरए हनुमान मंदिरए काली माता मंदिरएसम्मे माता मंदिर में मत्था टेकते हुए बोलबंम का जयकारा लगाते हुए रवाना हुए। कोतवाली पुलिस कावरियों का मालाफूल से स्वागत करते हुए बोलबंम के लिये रवाना किया। इस मौके पर कोतवाल संजय कुमार सिंहए अखिलेश पटवाए संजीव गुप्तए राजन पटवाएजितेन्द्र जायसवालएसुनील रस्तोगी सहित अन्य शिवभक्त मौजूद रहे।

पेड़ काटते समय डाल टूटकर हाईटेशन तार पर गिरा,मचा हड़कंप

सकलडीहाध्चन्दौली ।सड़क चौड़ीकरण के दौरान गुरूवार को सकलडीहा अलीनगर तिराहे पर सैकड़ों वर्ष पुरानी पीपल और नीम का पेड़ दोपहर 12 बजे से पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से काटना शुरू किया गया। इस दौरान ट्रांसफार्मर से विद्युत सप्लाई बंद कर दिया गया था। लेकिन अचानक पीपल के पेड की एक मजबूत डाल टूटकर हाईटेंशन तार व पोल पर गिरने पर ट्रांसफार्मर में सार्ट सर्किट होने से हड़कंप मच गया। इस दौरान घंटों देर तक सकलडीहा चंदौली मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा। केातवाल संजय कुमार सिंह पुलिस कर्मियों के साथ कड़ी मशक्कत कर जाम से लोगों को निजात दिलाया। इस दौरान पुलिस के अधिकारियों की गाड़ी भी जाम में फसी रही।व्यापारी विद्युत आपूर्ति शुरू कराने की मांग पर अड़े रहे।

चंदौली से मारूफगुर तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। गुरूवार को सकलडीहा कस्बा में एक तारीख को बंदी होने के कारण पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से कार्यदायी संस्था द्वारा सैकड़ों वर्ष पुरानी पेड़ दोपहर से काटा जा रहा था। इसके लिये दो दो जेसीबी सहित अन्य वाहन लगाये गये थे। अचानक पीपल का पेड़ का डाट लटकर दूसरी तरह दुकान के साइड में हाईटेंशन की तार व पोल पर गिर जाने से ट्रांसफार्मर में सार्ट सर्किट होने से हड़कंप मच गया। संजोग अच्छा था कि विद्युत विभाग की ओर से ट्रांसफार्मर से एक तरह भी बिद्युत सप्लाई बंद कर दिया गया था। पेड़ के टूटकर गिरने से हाईटेंशन की तार लटक गया। इसके साथ ही दर्जनों दुकान व घरों के विद्युत केबिल टूट गया। जिसके कारण मेन रोड के सैकड़ों घर दुकान और बैंकों की आपूर्ति ठप होगया। व्यापार मंडल के पदाधिकारी मौके पर पहुंचकर विद्युत आपूर्ति शुरू कराने का दबाब बनाने लगे। मौके पर पहुंचे कोतवाल संजय कुमार सिंह ने जाम की समस्या को दूर कराते हुए विभागीय अधिकारियों से वार्ता करके आपूर्ति शुरू कराने का व्यापारियों का आश्वासन दिया।

राजवेंद्र सिंह की संदिग्ध मौत पर दोबारा पोस्टमार्टम की मांग में याचिका पर हाईकोर्ट ने सरकार से जानकारी मांगी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संदिग्ध स्थितियों में मृत राजवेंद्र सिंह का दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग में दाखिल याचिका पर सरकारी अधिवक्ता से जवाब मांगा है। क्योंकि हत्या मामले की विवेचना एयरपोर्ट थाने से हटाकर दूसरे पुलिस थाने को सौंप दी गई है इसलिए विवेचना स्थानांतरित करने की मांग पर याची अधिवक्ता अरविंद कुमार मिश्र ने बल नहीं दिया। याचिका की अगली सुनवाई दो अगस्त को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति वी के बिड़ला तथा न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने प्रयागराज के नरपत सिंह की याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता अरविंद कुमार मिश्र ने बहस की। याची का कहना है कि 31 मई 2024 को 8 बजे रात चंद्रसेनपुर निवासी फूलसिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह ने याची के बेटे राजवेंद्र सिंह को घर पर बुलाया और वह उसी के घर में मृत पाया गया। जिसकी एफआईआर एयरपोर्ट थाने में दर्ज की गई।याची का कहना है कि विपक्षी सत्ता पार्टी के नेता के दबाव में नियमानुसार पोस्टमार्टम नहीं किया गया। याचिका में फिर से पोस्टमार्टम कराने और वीडियोग्राफी कराने की मांग की गई है।

राष्ट्रीय स्तर पर कायम रखा अपना स्थान

प्रयागराज। कई रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का प्रमुख टी ब्रांड टाटा टी प्रीमियम ने अपनी हाइपरलोकल रणनीति के तहत उत्तर प्रदेश के लिए एक नई फिल्म लांच की है। देश की चाय अपने प्रदेश का स्वाद टाटा टी प्रीमियम की इस ब्रांड प्रस्तुति को उत्तर प्रदेश के लोगों की खास विशेषता यहां के लोगों की बहादुरी को सम्मानित करने वाली कहानी में बहुत ही दमदार तरीके से पेश किया गया है।

राहुल की मांग

जाति गणना

राहुल गांधी ने संसद में जाति गणना का मुद्दा उठाते हुए 'हलवा आयोजन' का प्रतीक के रूप में प्रयोग किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बजट प्रस्तुतीकरण के पहले परंपरागत 'हलवा आयोजन' के बहाने बजट प्रक्रिया में हाशियाकृत समुदायों की सहभागिता पर सवाल उठाया। उन्होंने इस प्रतीक का प्रयोग करते हुए कहा कि केवल उच्चजातीय लोग ही हलवा बनाने में लगे थे जो इसे जनसंख्या के विशिष्ट लोगों में बांटते हैं। राहुल ने इसके लिए सदन में एक पोस्टर दिखाया जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ने इसे नियम विरुद्ध बताया। हालांकि, लंबे समय से 'जाति गणना' का मुद्दा विवादों में घिरा है। इस पर संसद के वर्तमान सत्र में में न केवल तीखी चर्चा हुई, बल्कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के बीच टकराव भी हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुराग ठाकुर का समर्थन करते हुए ट्विटर पर लिखा, 'मेरे युवा और ऊर्जावान साथी श्री अनुराग ठाकुर का यह भाषण अवश्य सुनने वाला है। इसमें तथ्यों और व्यंग्य का अच्छा मिश्रण है जिसने इंडी गठबंधन की गंदी राजनीति उजागर कर दी है।' अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जो लोग अपनी जाति नहीं जानते हैं, वे जाति गणना की मांग कर रहे हैं। जाति गणना की मांग लंबे समय से जारी है और अब इस मुद्दे को 'इंडिया' समूह ने उठाया है। पैरोकारों का तर्क है कि यह विभिन्न जातियों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियां समझने तथा लक्षित कल्याण योजनायें बनाने के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन भारत में जातियों की संख्या इतनी अधिक है और वे विभिन्न प्रदेशों में भिन्न-भिन्न नाम लिखती हैं कि उनकी 'वैज्ञानिक डेटा' के आधार पर गणना लगभग असंभव है।

भारत में एक जटिल जाति व्यवस्था है जिसका सामाजिक और आर्थिक गतिशीलता पर प्रभाव पड़ता है। विपक्ष का कहना है कि जाति गणना से असमानताओं का पता लगेगा जिससे सरकार इनको ज्यादा प्रभावी ढंग से संबोधित कर सकेगी। अनेक हाशियाकृत समुदाय आज भी भेदभाव तथा अवसरों की कमी का सामना कर रहे हैं। लेकिन इसे केवल 'जाति' से जोड़ना उचित नहीं होगा क्योंकि उच्चजातीय समझे जाने वाले अनेक परिवार भी लगभग समान विपन्नता का शिकार हैं। रंगनाथ मिश्र कमेटी ने कहा था कि जातीय आरक्षण में निहित स्वार्थ विकसित हो गए हैं जो आरक्षण के लाभ गरीब लोगों तक नहीं पहुंचने देते हैं। लेकिन विपक्ष व खासकर कांग्रेस पार्टी मुखर रूप से वर्तमान समय में जाति गणना की पैरवी कर रही है। कांग्रेस का यह कदम संभावित चुनावी लाभ को देखते हुए है क्योंकि वह लंबे समय तक ओबीसी आरक्षण की विरोधी रही है और मंडल आयोग रिपोर्ट तथा कर्पूरी ठाकुर रिपोर्ट पर दशकों तक खामोश रही है। कांग्रेस सरकार ने 2011 की जनगणना में जाति गणना को शामिल किया था, पर इसका डेटा कभी सार्वजनिक नहीं किया गया और न इस पर कोई कार्रवाई की गई। इसका कारण संभवत: डेटा का 'अविश्वसनीय' होना था। इन तथ्यों को देखते हुए ही अनुराग ठाकुर ने विपक्ष की मांग का कड़ा विरोध किया। उनका तर्क था कि सरकार सामाजिक उत्थान के लिए पहले ही अनेक योजनायें चला रही है और जाति गणना से समाज में और विभाजन बढ़ेगा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष 'विभाजनकारी राजनीति' कर रहा है, जबकि सरकार का प्रयास समावेशी विकास को प्रोत्साहित करना है। कांग्रेस समेत विपक्षी दल येन-केन-प्रकारेण सत्ता तक पहुंचने के लिए प्रयासरत हैं और वे 'जाति गणना' को हथियार बनाना चाहते हैं।

व्यक्तिगत आय कर में सुधार

वित्त मंत्री ने 2024-25 के बजट में व्यक्तिगत आय कर की ज्यादा आकर्षक 'नई व्यवस्था' बनाने के साथ पूंजी लाभ कर ढांचे को और तार्किक बनाया है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

केंद्रीय बजट 2024-25 में वित्त मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण ने व्यक्तिगत आय कर-पीआईटी को ज्यादा आकर्षक बनाने की 'नई व्यवस्था' लागू की है। इसके साथ ही उन्होंने पूंजी लाभ कर-सीजीटी ढांचे की प्रक्रिया को 'तार्किक' व 'सरल' बनाना जारी रखा है। इस प्रक्रिया की शुरुआत 2023-24 में की गई थी। सीतारमण ने नई पीआईटी व्यवस्था 2020-21 के बजट में शुरू की थी। 250,001-500,000 रुपये वार्षिक आय पर 5 प्रतिशत टैक्स बनाए रखते हुए उन्होंने 500,000 से अधिक आय पर टैक्स बढ़ा कर 500,001-750,000 तक 10 प्रतिशत, 750,001-1,00,000 तक 15 प्रतिशत, 1,00,001-1,250,000 तक 20 प्रतिशत तथा 1,250,001-1,500,000 रुपये तक 25 प्रतिशत टैक्स का प्राविधान किया था। 1,500,000 से अधिक आय पर 30 प्रतिशत टैक्स की व्यवस्था जारी है। लेकिन पुरानी व्यवस्था में जहां व्यक्ति अधिकतम 375,000 रुपये के दीर्घकालीन निवेश पर छूट और रियायतों का लाभ उठा सकते थे, नई व्यवस्था में इसकी अनुमति नहीं दी गई है।

हालांकि, लोगों को नई व्यवस्था पसंद करने या पुरानी व्यवस्था जारी रखने का विकल्प दिया गया है। 2023-24 के बजट में वित्त मंत्री ने कर संरचना को बदल कर 300,000 आय तक शून्य टैक्स, 300,001-600,000 रुपये तक 5 प्रतिशत टैक्स, 600,001-900,000 तक 10 प्रतिशत, 900,001-1,200,000 तक 15 प्रतिशत, 1,200,001-1,500,000 तक 20 प्रतिशत तथा 1,500,000 रुपये से अधिक आय पर 30 प्रतिशत टैक्स का प्राविधान किया था।

इसके साथ ही वेतनभोगी कर्मचारियों व पेंशनधारकों के लिए मानक कटौती 50,000 रुपये थी। यह स्थिति 2020-21 के पैकेज से बेहतर थी। इसके अंतर्गत 1,500,000 तक वार्षिक आय वाले व्यक्ति को 140,000 रुपये पर टैक्स देने की आवश्यकता थी, जबकि पुरानी योजना में कुछ कर रियायतों के साथ उसे 150,000 पर टैक्स देना होता था। इस कारण उसके पास 1,360,000 रुपये बचते थे, जबकि पुरानी व्यवस्था में उसके पास केवल 975,000 रुपये बचते थे। नई योजना में वेतनभोगी कर्मचारी को 750,000 रुपये की वार्षिक आय पर कोई टैक्स नहीं देना होता था। 2024-25 के बजट में वित्त मंत्री ने टैक्स स्लैबों में और कमी की है। अब 300,000 तक कोई टैक्स नहीं है, 300,001-700,000 तक 5 प्रतिशत, 700,001-1000,000 तक 10 प्रतिशत, 100,001-1,200,000 तक 15 प्रतिशत, 1,200,001-1,500,000 तक 20 प्रतिशत तथा 1,500,000 से ऊपर 30 प्रतिशत टैक्स देना होगा। इसके साथ ही अब वेतनभोगी कर्मचारी व पेंशनर 75,000 मानक कटौती का लाभ उठा सकते हैं। इस प्रकार 1,500,000 रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले व्यक्ति 2023-24 में भुगतान योग्य कर से 15,000 रुपये बचा सकते हैं। ऐसे करदाता को अब केवल 125,000 रुपये पर टैक्स देना होगा। इसके साथ ही वेतनभोगी कर्मचारी को अब 825,000 रुपये तक वार्षिक आय पर कोई टैक्स नहीं देना होगा, जबकि पहले यह सीमा 750,000 रुपये थी। महत्वपूर्ण रूप से आईटी रिटर्न फाइल करने वाले लगभग दो तिहाई लोग नई व्यवस्था स्वीकार कर चुके हैं।

2024-25 के बजट में ज्यादा लोगों को नई टैक्स योजना में आने के लिए और सुविधायें दी गई हैं। सीजीटी के अनुसार करों की दरें व्यापक रूप से ईक्विटी, शेयर, बांड, भौतिक परिसंपत्तियों, सूचीबद्ध या बिना सूची वाले, होल्डिंग पीरियड, आदि पर निर्भर करती थीं। इसके कारण मनमानेपन, दुरुपयोग, करापवंचन व लंबी मुकदमेबाजी जैसी समस्यायें सामने आती थीं। पिछले साल सरकार ने इसमें परिवर्तन की शुरुआत की। 24 मार्च, 2023 को लोकसभा द्वारा पास वित्त विधेयक, 2023 में गैर-ईक्विटी या 'डेट म्यूचुअल फंड'-डीएमएफ से पूंजीगत लाभ पर कर व्यवस्था में संशोधन किए गए थे। डीएमएफ एक ऐसी योजना है जिसमें निश्चित आय वाले उपकरणों में निवेश किया जाता है।

इनमें कार्पोरेट व सरकारी बांड, कार्पोरेट डेट सिक्यूरिटी, शेयर बाजार उपकरण, आदि शामिल हैं जो पूंजीगत लाभ पेश करते हैं। पहले डेट फंड में यूनिटें बनाए रखने से पूंजीगत लाभ को तीन साल या उससे अधिक तक बनाए रखने को दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ-एलटीसीजी माना जाता था और इस पर 'इंडेक्शेसन' लाभ के साथ 20 प्रतिशत टैक्स लगता था। इसमें मुद्रास्फीति से प्रभावित निवेश की गाना होती थी जिससे पूंजीगत लाभ और कर देयता घटती थी। तीन साल से कम समय तक यूनिटें बनाए रखने पर पूंजीगत लाभ को अल्पकालीन पूंजी लाभ-एसटीसीजी माना जाता था और इसे व्यक्तिगत आय कर में टैक्स स्लैब में जोड़ दिया जाता था।

'स्पेसीफाइड म्यूचुअल फंड'-एसएमएफ के मामले अब संशोधन के माध्यम से इसे समाप्त कर दिया गया है। इसका अर्थ उन म्यूचुअल फंडों से है जहां कुल धनराशि के 35 प्रतिशत से अधिक को घरेलू कंपनियों के ईक्विटी शेयरों में लगाया जाता है। इसके परिणामस्वरूप एसएमएफ से प्राप्त लाभ को उस स्लेब के आधार पर कर योग्य माना जाएगा जिसमें कुल आय कर आता है, चाहे निवेशक इसे एसटीसीजी में लगाए या नहीं। 1 अप्रैल, 2023 से लागू नई कर व्यवस्था एक्सचेंज ट्रेडेड फंड-ईटीएफ, गोल्ड फंड, आउटबाउंड म्यूचुअल फंड, ईक्विटी फंड, आदि पर लागू होती है। 2024-25 के बजट में वित्त मंत्री ने सीजीटी व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किए हैं। डेट, गैर-ईक्विटी एम एफ तथा अनलिस्टेड बांड को छोड़ कर सभी प्रकार की परिसंपत्तियों पर अब दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ कर-एलटीसीजी 12.5 प्रतिशत की दर से टैक्स देना होगा, चाहे वे वित्तीय या भौतिक, सूचीबद्ध या अनलिस्टेड हों। दीर्घकाल तय करने के लिए होल्डिंग पीरियड 24 महीने होगा, जबकि स्टाक, इक्विटी म्यूचुअल फंड आदि के लिए यह 12 महीने होगा। 24 महीने से कम होल्डिंग वाली परिसंपत्तियों के लिए अल्पकालीन पूंजी लाभ-एसटीसीजी लागू स्लैब दर के अनुसार होगा। लेकिन स्टाक, ईक्विटी म्यूचुअल फंड, लिस्टेड बांड, आदि के मामले में एसटीसीजी 20 प्रतिशत होगा जो पहले 15 प्रतिशत था। इस प्रकरण ऐसे उपकरणों के लिए एलटीसीजी 12.5 प्रतिशत होगा जो पहले लागू 10 प्रतिशत से अधिक है। इन परिवर्तनों से तीन मुख्य संदेश सामने आते हैं। पहला, इससे दीर्घकालीन निवेशकों को लाभ होगा जिनको अब 12.5 प्रतिशत एलटीसीजी देना होगा जो पहले 20 प्रतिशत था अथवा यह परिसंपत्तियों के लिए उपलब्ध स्लैब दर के आधार पर होता था जो मोटेतौर से 39 प्रतिशत था। स्टाक और ईक्विटी एमएफ से एलटीसीजी की वार्षिक छूट सीमा बढ़ा कर 125,000 की गई है जो पहले 100,000 रुपये थी। यह एक और लाभ की स्थिति है। लेकिन वित्त मंत्री ने एलटीसीजी कर दरें घटा कर इंडेक्सेशन का लाभ समाप्त कर दिया है।

इस प्रकार वित्त मंत्री ने रियल इस्टेट क्षेत्र में राजस्व नुकसान का एक बड़ा स्रोत बंद कर दिया है जहां डेवलपर इंडेक्सेशन का लाभ उठा कर अपने कर दायित्व में भारी कमी करने में सफल होते थे। लेकिन 2001 से पहले प्राप्त पुराने मकानों के स्वामियों या पैतृक संपत्ति को इससे अलग रखा है और उनको इंडेक्सेशन का लाभ मिलता रहेगा। निवेशकों को स्टाक और ईक्विटी म्यूचुअल फंड पर अब अल्पकालीन लाभ के लिए ज्यादा एसटीसीजी टैक्स देना होगा जो पहले 15 प्रतिशत की तुलना में बढ़ा कर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। ये लोग आमतौर पर अमीर लोग या अतिरिक्त पैसे वाले बहुत अमीर लोग होते हैं।

ऐसे लोगों से ज्यादा टैक्स प्राप्त करने का वित्त मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण का प्रयास पूर्णत: उचित है। नई सीजीटी व्यवस्था निसंदेह एक बड़ा सुधार है। लेकिन सरकार को ऐसा ढांचा बनाने का प्रयास करना चाहिए जहां किसी की वार्षिक आय में परिसंपत्तियों से प्राप्त पूंजीगत लाभ को जोड़ा जाए, भले ही उनका वर्ग चाहे जो हो, वे सूचीबद्ध या अनलिस्टेड हों अथवा उनका होल्डिंग पीरियड चाहे जो हो। इस प्रकार टैक्स वार्षिक स्तर पर प्राप्त कुल आय के आधार पर होना चाहिए और उसमें सभी स्रोतों को शामिल किया जाना चाहिए।

आघात लगने से घाव भरने तक

अपनी इच्छाओं को समझकर और अपने कार्यों का विश्लेषण करके, हम खुद को ठीक करने के तरीके खोज सकते हैं।

ब्रह्मकुमार निकुंज
(लेखक आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

महात्मा गांधी ने कहा था कि मेरी अनुमति के बिना कोई भी मुझे चोट नहीं पहुंचा सकता, हालांकि, सच्चाई यह है कि हममें से ज़्यादातर लोग अपने रिश्तों में एक-दूसरे को चोट पहुंचाते हैं और हम ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि हम ऐसा करना चाहते हैं। इसके लिए कोई बड़ा कारण नहीं है, लेकिन यह कुछ ऐसा है जो बस होता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, ज़्यादातर लोग किसी को चोट पहुंचाते हैं क्योंकि वे कुछ ऐसा चाहते हैं जो उन्हें लगता है कि उनके पास नहीं हो सकता, या उनके पास कुछ ऐसा है जो वे नहीं चाहते। अगर हम खुद को करीब से देखें, तो हम पाएंगे कि हममें से ज़्यादातर लोग ऊपर बताई गई दो स्थितियों में से किसी एक में हैं, और हमें नहीं पता कि इसके बारे में क्या करना है, इसलिए हम सोचते हैं कि जो हम चाहते हैं उसे पाने का एकमात्र तरीका किसी को चोट पहुँचाना है। तो, क्या यही एकमात्र तरीका है? क्या इसका पालन करना सही तरीका है? हम सभी जानते हैं कि यह गलत है क्योंकि इससे दोनों तरफ़ बहुत दर्द होता है, तो हम ऐसा क्यों करते हैं? सिर्फ़ इसलिए क्योंकि हम समझ नहीं पाते कि जिस चीज़ को हम बहुत चाहते हैं उसे कैसे पाएं या जिस चीज़ की हमें ज़रूरत नहीं है उसे कैसे दूर करें बिना किसी को दुख पहुंचाए।

लोगों को दुख पहुंचाने के हमारे कई कारण हो सकते हैं, हालांकि उनमें से सबसे आम है अधूरी उम्मीदें जो हम सभी अपने अलग-अलग रिश्तों में अनुभव करते हैं। उदाहरण के लिए, हम अभी-अभी किसी से मिले हैं और उससे प्यार करने लगे हैं। अब भावनाओं का आदान-प्रदान होने से पहले, हम बस उन चीज़ों के बारे में सपने देखना शुरू कर देते हैं जो पूरी तरह से संदर्भ से बाहर होती हैं।

बहुत ज़्यादा पीछा करने, पीछा करने और धक्का देने के बाद, जब हम अंतत: दूसरे छोर से वांछित उत्तर पाने में विफल हो जाते हैं, तो हम दुखी महसूस करना शुरू कर देते हैं और फिर तुमने मुझे दुख पहुंचाया, तुमने मेरा दिल तोड़ा आदि जैसी बातें कहकर उस व्यक्ति को दोष देना शुरू कर देते हैं। हमें एक शांत कोने में बैठकर खुद से पूछना चाहिए कि क्या शुरू से ही हमारी उम्मीदें यथार्थवादी थीं।

क्या सामने वाले व्यक्ति ने हमें ऐसा विश्वास करने के लिए प्रेरित किया कि वह भी वैसा ही महसूस करता है जैसा हम महसूस कर रहे हैं? क्या दोनों तरफ़ प्यार की भावनाएँ एक-दूसरे के प्रति थीं? जब यह समझने का समय था कि वह क्या कह रहा है, तो हम हवा में प्यार के महल बना रहे थे, जब विपरीत व्यक्ति को कुछ जगह देने का समय था, तो हम अपने मजबूर प्यार और स्नेह से उस व्यक्ति का दम घोंट रहे थे। क्या यह सही तरह का व्यवहार है? याद रखें! किसी भी तरह का एकतरफा रिश्ता बेहद दर्दनाक और हानिकारक होता है क्योंकि यह आपको किसी और के जीवन का एक खाली हिस्सा जैसा महसूस कराता है जैसे कि आप उनके लिए उतने महत्वपूर्ण नहीं हैं जितना कि वे आपके लिए हैं। इसलिए खुद को ऐसे दर्द और पीड़ा से बचाने के लिए, उस व्यक्ति के साथ स्पष्ट संवाद करना सबसे अच्छा है जिसके लिए आप भावनाएँ रखते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस तरह के रिश्ते में हैं, लेकिन आपको अपनी भावनाओं को व्यक्त करना होगा क्योंकि जब हम संवाद का द्वार खोलते हैं, तो हम अपना दिल खोलते हैं।

इसलिए हमेशा अपने आप को व्यक्त करें क्योंकि अनकहे शब्दों का बोझ ढोना आप पर भारी पड़ सकता है। 100 बार %आई लव यू% दोहराने के बजाय जो आप वास्तव में महसूस करते हैं उसे कहना 100 गुना बेहतर है। हालाँकि, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हममें से ज़्यादातर लोग अंदर से ही खून बहाना पसंद करते हैं और अपनी 'कोई बात न कहने' की ज़िद पर अड़े रहते हैं। इसलिए एक समझदार व्यक्ति हमेशा इन कारणों के बारे में सोचेगा जब वह आहत होता है, बजाय इसके कि 'मुझे क्यों?' पर समय बर्बाद करे।

तो इतनी आसानी से हार मत मानो क्योंकि ऐसी सांसारिक चीज़ों के लिए ज़िंदगी बहुत छोटी है, बस जो आपको दुख पहुँचाता है उसे भूल जाओ लेकिन जो उसने तुम्हें सिखाया है उसे कभी मत भूलना। अपने सबक सीखो और आगे बढ़ो।

आप की बात

लव जिहाद पर शिकंजा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लव जिहाद पर शिकंजा कस कर सराहनीय कदम उठाया। आए दिन नाम बदलकर दोस्ती और शादी के झांसे देना, हिन्दू समाज की लड़कियों को प्रलोभन देकर प्रेम का ढोंग कर शादी के लिए दवाब बनाना और बाद में धर्मान्तरण के लिए मजबूर करना जैसी बढ़ती घटनायें चिन्ता का विषय हैं। हिन्दू लड़कियों की जिंदगी बर्बाद करना जैसे कुछ कट्टरपंथी मुस्लिम युवाओं का शगल बन गया है। विडंबना है कि अपने नौजवानों की इस गलत व आपराधिक प्रवृत्ति पर रोक लगाने के बजाय मुस्लिम समाज का बड़ा हिस्सा इसमें सहायता करता दिखता है। इसे रोकना और अपराधियों को कठोर दंड देना जरूरी हो गया है। उत्तर प्रदेश के साथ ही लव जिहाद के खिलाफ ऐसे कड़े कानून दूसरे प्रदेशो को भी बनाने चाहिए। हिंदू समाज को भी अपनी एकजुटता को बढ़ावा देकर अपने बच्चे-बच्चियों के दोस्तों पर ध्यान देना होगा। मुस्लिम या अन्य धर्मों के नौजवानों को अपनी पहचान छिपा कर हिंदुओं की कीमत पर आर्थिक लाभ उठाने, उनको नुकसान पहुंचाने तथा लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाने को भी गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। इससे लव जिहाद की जड़ों पर प्रहार होगा और अब यह संभवत: जरूरी होता जा रहा है।

– **योगेश जोशी,** बड़वाह

संसद में बहस

मॉनसून सत्र में बजट पर बहस केंद्र में रहनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया, लेकिन राहुल गांधी ने बजट पर बहस में अनावश्यक व अतार्किक रूप से जाति का मुद्दा उठा दिया। अब तथ्यपूर्ण, शालीन और तर्कपूर्ण बहस के बजाय एक दूसरे पर शब्द बाण चलाना, मजाक उड़ाना और खुद को हाईलाइट करना बहस का मकसद रह गया है। हमारे जन प्रतिनिधियों को सदन में इसकी भी चिन्ता नहीं रहती कि देश की 140 करोड़ जनता उनकी तरफबड़ी आशा से देख रही है। उसे उम्मीद रहती है कि शायद इस बार उनके आर्थिक बोझ, महंगे जीवनयापन और अन्य परेशानियों को हल करने के लिए सभी मिलकर प्रयास करेंगे। लेकिन निर्वाचित होने के बाद अधिकांश जन प्रतिनिधियों का नया ही रूप सामने आता है। इससे स्पष्ट होता है कि उन्हें आम जनता का ध्यान सिर्फ वोट लेने तक ही रहता है। बीच के 5 साल वह अपने निजी और राजनीतिक हित साधने में खर्च कर देते हैं। इस बार संसद चली तो जरूर, लेकिन विडंबना है कि अधिकांश सांसद भविष्य की राजनीति और चुनावी गोटें बिछाने के दृष्टिकोण से एक दूसरे पर आरोप लगाने में ही व्यस्त रहे।

– **सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

मौसम संबंधी चेतावनी

गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में कहा कि केंद्र ने केरल सरकार को वायनाड त्रासदी के एक सप्ताह पहले ही चेतावनी दी थी कि भारी बारिश या भूस्खलन की संभावना है। अगर केंद्र सरकार या मौसम विभाग अधिकृत रूप से किसी राज्य सरकार को मौसम खराब होने संबंधी आपदा या संकट की चेतावनी देता है तो उस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अमित शाह ने अपने बयान में यह भी कहा कि अतीत में ओडिशा और गुजरात राज्य सरकारों ने केन्द्र द्वारा दी गई मौसम संबंधी सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई कर जनहानि लगभग शून्य करने में सफलता प्राप्त की थी। भारतीय मौसम विभाग ने दूरसंवेदी उपकरणों तथा कृत्रिम उपग्रहों के माध्यम से मौसम की सटीक जानकारी देने की जो व्यवस्था बनाई है, वह दुनिया के केवल तीन देशों के पास उपलब्ध है। मौसम विभाग अलग से राज्यों को चेतावनी जारी करने के साथ ही उसे अपनी वेबसाइट पर भी प्रदर्शित करता है। ऐसे में देश के सभी नागरिकों तथा खासकर छात्रों और शिक्षकों को मौसम विभाग की वेबसाइट पर दी गई जानकारी का सीधे लाभ उठाने का भी प्रयास करना चाहिए। जनता की सुरक्षा को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का विषय नहीं बनने देना चाहिए।

शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

क्वाड बैठक

टोकियो में हुए क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में परस्पर साझेदारी और अनेक वैश्विक समस्याओं पर स्पष्ट संदेश दिया गया। इस बैठक से भारत और क्वाड में शामिल अमेरिका, जापान व आस्ट्रेलिया के बीच संबंध और मजबूत हुए हैं। इस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा के बाद क्वाड देशों के संबंधों में दरार की आशंकाएं गलत साबित हुई हैं। वर्ष के अंत में भारत में होने वाली क्वाड बैठक के लिए भी यह एक शुभ संकेत है। बैठक में चारों देशों के विदेश मंत्रियों ने अच्छी समझ और सामंजस्य का प्रदर्शनि किया है। क्वाड गठबंधन भारत के लिए खासतौर से महत्वपूर्ण है क्योंकि उसे लगातार अपने पड़ोसी चीन की आक्रामकता का सामना करना पड़ता है। चीन के अन्य क्वाड देशों के साथ व्यापारिक संबंध होने के बावजूद वे भी उसकी विस्तारवादी व वर्चस्ववादी नीतियों से परेशान हैं। हालांकि, भारत राजनयिक स्तर पर चीन से संबंध सुधारने के हर संभव प्रयास करता है तथा विदेश मंत्री जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों में किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में क्वाड महत्वपूर्ण शक्ति है।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

अवैध कोचिंग संस्थानों के खिलाफ अभाविप ने किया प्रदर्शन

●किया डीएम कार्यालय का घेराव, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। अयोध्या

प्रदेश मंत्री पुष्पेंद्र बाजपेई ने बताया पिछले दिनों दिल्ली में मानकों के विपरीत संचालित किये जा रहे कोचिंग संस्थान में हुई छात्रों की मौत की घटना अत्यंत दुखद है। इसी क्रम में जिले में बिना पंजीकरण चल रहे कोचिंग संस्थानों पर तत्काल कार्रवाई की जाए एवं उन कोचिंग संस्थान को बंद किया जाए। साथ ही वैध एवं जर्जर भवनों में चल रहे कोचिंग संस्थानों की जांच कर तत्काल कार्रवाई की जाए एवं कोचिंग संस्थानों की फायर सेफ्टी ह्हष्ट की जांच की जाए।

विभाग संयोजक शशांक विद्यार्थी ने बताया उत्तर प्रदेश सरकार के आदेशानुसार कोचिंग संस्थान 16 वर्ष से कम उम्र के विद्यार्थियों का अपने यहां दाखिल नहीं कर सकते और अच्छे अंक या रैंक दिलाने का भ्रामक के वादे भी नहीं कर सकते जिले में चल रहे ऐसे कोचिंग संस्थान जो इस निर्देश का पालन नहीं कर रहे हैं उन पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

जिसमें प्रमुख रूप से राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य ऋषभ गुप्ता ,प्रांत ह्यद्धस्त सयोंजक शिवम मिश्रा, राणा आशुतोष, अंशुमान सिंह, मानवेंद्र प्रताप सिंह, किशन सिंह ,महेश पांडेय, रितिक सिंह, मोहित साहू कुंदन सिंह, प्रखर सिंह ,यश पांडेय, वैभव सिंह आदित्य सिंह, उत्कर्ष तिवारी, सिद्धार्थ तिवारी एवं महानगर संगठन मंत्री राजवर्धन ,विभाग संगठन मंत्री अंकित भारतीय एवं अन्य मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक से मिले लीगल एंड डिफेंस काउंसिल के सदस्य

संतकबीरनगर। जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा के निर्देशन में व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला जज महेंद्र कुमार सिंह के पहल पर गुरुवार को लीगल एड डिफेंस कार्उंसिल सिस्टम के चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता से औपचारिक मुलाकात किए। इस दौरान उन्होंने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निर्देशित जनपद के प्रत्येक थाने पर विधिक सहायता से सबंधित लगने वाले पोस्टर के आवश्यकता पर बल दिया। जनपद में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम क्रियाशील है। निर्धन व असहाय लोगों को नि:शुल्क विधिक सहायता दी जा रही है। गिरफ्तारी से पूर्व, रिमांड स्तर पर, गिरफ्तारी के बाद जिला कारागार में निरुद्ध कैदियों के जमानत से लेकर संपूर्ण विचारण का कार्य इस सिस्टम द्वारा निरंतर किया जा रहा है। जनपद के प्रत्येक थाने पर लोगों को विधिक सहायता से संबंधित जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को सिस्टम के अधिवक्ता ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की।

डीएम ने किया आंगनबाड़ी पोषाहार उत्पादन इकाई व आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संरक्षित, स्वयं सहायता समूहों की दीदियों द्वारा संचालित आंगनबाड़ी पोषाहार उत्पादन इकाइयों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा जगदीशपुर में आस्था प्रेरणा लघु उद्योग तथा मुसाफिरखाना में हौसला माइक्रो इंटरप्राइजेज आंगनबाड़ी पुष्टाहार उत्पादन इकाई का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने परिसर में पर्याप्त साफ-सफाई की व्यवस्था को सुनिश्चित करने तथा उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए साथ ही उत्पादित पोषाहार को नियमित रूप से वितरण हेतु आंगनबाड़ी केंद्रों पर पहुंचाने को कहा। निरीक्षण के दौरान हौसला माइक्रो इंटरप्राइजेज मुसाफिरखाना में पोषाहार उत्पादन के उपरांत उसे वितरण हेतु आंगनबाड़ी केंद्रों पर नहीं पहुंचाया गया जिससे उत्पादन इकाई पर पोषाहार काफी मात्रा में एकत्रित पाया गया जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए खंड विकास अधिकारी मुसाफिरखाना बृजेश सिंह तथा ब्लॉक मिशन मैनेजर धर्मेंद्र कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज आयुष्मान आरोग्य मंदिर भोये, जामों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर ट्रिपल-ए की बैठक आहूत की जा रही थी, जिसमें संबंधित क्षेत्र की आशा, आंगनबाड़ी, एएनएम व केंद्र पर कार्यरत सीएचओ उपस्थित थी। जिलाधिकारी द्वारा समस्त आशाओं को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र की समस्त गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर उनकी प्रथम एएनसी की जांच कराएं तथा उन्हें समय से आयरन फोलिक एसिड की दवा उपलब्ध कराते हुए समय से खिलाएं तथा क्षेत्र भ्रमण के दौरान यह भी सुनिश्चित कर लें कि संबंधित गर्भवती महिला द्वारा आयरन टेबलेट खायी जा रही है।

बेहटाकलां के सिद्धेश्वर शिव मंदिर प्रांगण में हुआ वृहद वृक्षारोपण

लालगंज, रायबरेली। भारतीय स्टेट बैंक एवं स्किल क्राफ्ट फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में बेहटाकलां स्थित सिद्धेश्वर शिव मंदिर प्रांगण में बेल , आंवला, आम , अमरूद और अनार आदि के पौधों का मंत्र उच्चारण के उपरांत रोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक आनंद सिंह चौहान, ने कहा कि वृक्ष लगाने से ज्यादा जरूरी है उसकी देखरेख करना अगर तीन वर्षों तक वृक्ष की देखभाल अच्छे से कर दी गई तो वह वृक्ष आपको फल और हवा आपको देने लगेगा।वही एसबीआई के मैनेजर एचआर ज्ञान त्रिपाठी एवं एमपी सिंह ने भी लोगों को वृक्ष वितरित करके अपने विचार व्यक्त किया और लोगों को जागरुक कर ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के संयोजक अनंत विजय सिंह ने आए हुए अतिथियों का फूल माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया कार्यक्रम का सफल संचालन अवनेंद्र बहादुर सिंह ने किया।

जेम पोर्टल को लेकर हुआ कार्यशाला का आयोजन

अमेठी। जिलाधिकारी निशा अनंत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जेम पोर्टल को लेकर कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में जनपदीय अधिकारी तथा जेम पोर्टल पर कार्य करने वाले ऑपरेटर उपस्थित रहे। कार्यशाला में लखनऊ से आए जेम पोर्टल के मास्टर ट्रेनर अमन सिंह द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से जेम पोर्टल के बारे में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया तथा उसमें आने वाली त्रुटियों का भी समाधान किया गया। कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देकर उनका समाधान किया गया। कार्यशाला में जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्य हो इसलिए आवश्यक है कि सभी अधिकारी/कर्मचारी प्रशिक्षण को पूरे मनोयोग से प्राप्त कर ले तथा अच्छी तरह समझ ले जो भी शंका हो उसका समाधान कर ले तथा सभी विभागाध्यक्ष स्वयं इस कार्य को मॉनिटर करेंगे।

जिलाधिकारी से भेंट कर नीलमणि ने बताईं क्षेत्र की समस्याएं

संतकबीरनगर। नगर पंचायत हैंसर अध्यक्ष प्रतिनिधि नील मणि ने बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी से भेंट कर तहसील धनघटा के छपरा मगर्वी, चपरा पूर्वी एवं आगापुर उर्फ गुलरिया गांवो का अभिलेख काफी जीर्णशीर्ण हालत में है। विगत कुछ महीनों पहले मेरे द्वारा अध्यक्ष, राजस्व परिषद से अवगत कराने के बाद वह तत्काल आदेश दिये कि तीन महीने में खतौनी बगैरह दुरूस्त करके आम जनमानस की मूल परेशानियों का निस्तारण हो जाये। लेकिन 9 माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अभी तक आम जनमानस की परेशानी जस की तस बनी हुई है। जिससे किसानों को वरासत, दाखिल खारिज, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान सम्मान निधि इत्यादि लाभ नही मिल पा रहा है। इसी क्रम में पिछले करीब छ: माह पहले आपके नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर बिजली विभाग की बैठक हुई थी, जिसमें बिजली विभाग के अधिकारी द्वारा मेरे नगर पंचायत में बिजली व्यवस्था को एक जगह से संचालित करने एवं सुदृढ़ करने के लिए दो माह का समय मांगा गया था। लेकिन आज तक बिजली विभाग के अधिकारियों से बात करने पर वह लोग ठेकेदार को दोषी बनाते है।

आरेडिका के सेवानिवृत अधिकारियों को दी विदाई

लालगंज, रायबरेली। आधुनिक रेल कोच फैक्ट्री के चार वरिष्ठ अधिकारियों को भावभीनी विदाई देते हुए उनकी कर्तव्यनिष्ठा का पालन करने का आहवान किया गया। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के सेवानिवृत हुए डिप्टी सीएमई एमएमजी बारिश वेग, डिप्टी सीपीओ आरएल यादव, डिप्टी सीई घनश्याम चौरसिया, एडब्लूएम त्रिलोकी नाथ मौर्या का आरेडिका प्रमोटी ऑफिसर एसोसिएशन द्वारा अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। सेवानिवृत हुए 4 अधिकारियों में 2 अधिकारी यांत्रिक विभाग के तथा 1-1 अधिकारी कार्मिक एवं अभियांत्रिकी विभाग से रहे। आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा ने सभी सेवानिवृत अधिकारियों एवं उनके परिवार के लिए शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही सेवानिवृत हुए अधिकारियों के परिवार के लोगों ने भी उनके जीवनवृत पर प्रकाश डाला।

क्विक न्यूज

4 अगस्त को कैम्प में जारी होगी वाहनों की फिटनेस

गोंडा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रर्वतन) आर.सी. भारतीया ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वाहनों के फिटनेस के संबंध में दिये गये निर्देशों के क्रम में आगामी 04 अगस्त को दिन रविवार को प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक एक वृहद वाहन फिटनेस कैम्प का आयोजन इाइविंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट निकट सेवा योजन कार्यालय में आयोजित किया गया है। जिसमें फिटनेस समाप्त स्कूली वाहनों के साथ ही कांटेऊक्ट/स्टेज कैरिज वाहनों का फिटनेस प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा। आरआई संजय कुमार ने बताया कि जिन वाहन स्वामियों के वाहनों का फिटनेस समाप्त हो गया है अथवा होने वाला है, वे उक्त फिटनेस कैम्प में आकर अपने वाहनों का फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करवा सकते हैं।

बुजुर्ग जान देने के लिए गंगा में कूदा

लालगंज, रायबरेली। फतेहपुर जिले का रहने वाला एक बुजुर्ग गंगा में डूब कर अपनी जान देने की कोशिश की। मगर घटना को गंगा तट पर देख रहे एक युवक ने छलांग लगा कर निकाल लिया। गंगा में डूब कर जान देने की कोशिश करने वाला रामदत्त उम्र 60 वर्ष फतेहपुर जिले के डोलेपुर गांव के रहने वाला है। बताया गया कि जब गंगा में बुजुर्ग कूदा तो लोगों ने आवाज लगा कर रोकने का प्रयास किया लेकिन उसने किसी की नहीं सुनी। मगर वहां बैठा अंकित नामक युवक गंगा में कूद कर डूबते हुए बुजुर्ग को बाहर निकाल लिया और जब उससे जान देने का कारण पूंछा गया तो उसने परिजनों से अपनी नाराजगी बतायी। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके परिजनो को बुलाया और बुजुर्ग को उनके हवाले कर दिया।

घर के नजदीकी डाकघर में बनवाएं आधार

रायबरेली। अधीक्षक डाकघर मण्डल राकेश कुमार अवस्थी ने अवगत कराया कि रायबरेली मण्डल में आधार पंजीकरण एवं नवीनीकरण हेतु रायबरेली के निवासियों को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि आधार पंजीकरण एवं नवीनीकरण के लिए पूरे रायबरेली डाक मण्डल में विभिन्न आधार केंद्र संचालित हैं जिनमें समस्त नागरिकों के लिए आधार पंजीकरण एवं नवीनीकरण किया जा रहा है। इसके लिए प्रधान डाकघर रायबरेली में आकर परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। रायबरेली के अतिरिक्त आधार सेवाएँ फुरसतगंज, लालगंज, मुराई का बाग, नसीराबाद, परशदेपुर, सरेनी, जायस, सलोन, आईटीआई, डीह, सेमरौता, शिवगढ़, मुस्तफाबाद,महाराजगंज,रेल कोच फैक्ट्री, गुरबक्सगंज, बछरावा, जगतपुर,तिलोई उपडाकघर आधार केन्द्रों में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त 5 वर्ष तक की उम्र के बच्चो के लिए चिन्हित उप डाकघर एवं शाखा डाकघर के पोस्टमैन एवं सहायक शाखा डाकपाल इस कार्य के लिए अधिकृत किए गए हैं। जिनके माध्यम से घर बैठे ही 5 वर्ष तक के बच्चो का आधार पंजीकरण कराया जा सकता है।

एसजेएस में हुआ शिक्षक अभिभावक गोष्ठी का आयोजन

लालगंज, रायबरेली। नगर के सर्वोत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम शिक्षण संस्थान के तौर पर विख्यात एस.जे.एस. पब्लिक स्कूल लालगंज में शैक्षिक सत्र 2024 - 25 के जुलाई माह की शिक्षक अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रत्येक शैक्षिक सत्र में हर माह के अंतिम दिवस पर इस गोष्ठी का आयोजन करता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक श्री अग्रज सिंह भी उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रबंधक श्री अग्रज सिंह व प्रधानाचार्या श्रीमती अंजू सिंह ने विद्यालय में आए हुए समस्त अभिभावकों से विद्यालय के शिक्षण संबंधी अनेक विषयों पर गहनता से चर्चा की। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्रबंधक श्री सिंह ने कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति के चरित्र और उसके व्यक्तित्व को निखारती है। शिक्षा से ही आदर्श समाज का निर्माण होता है। अध्यापक ही बच्चों में संस्कार डालते हैं, लेकिन घर में अभिभावक बच्चों के गृह कार्य पर ध्यान दें तो उसे आगे बढ़ने में कोई परेशानी नहीं होगी। माता पिता एवं अभिभावक का समय-समय पर विद्यालय में चल रहे बेहतर प्रयासों को जानना व बच्चों की शिक्षण क्षमता के स्तर के विषय पर शिक्षकों से चर्चा करना बहुत जरूरी होता है। उन्होंने यह भी बताया कि छात्रों के समग्र व सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक-अभिभावक तथा विद्यालय के बीच आपसी सामंजस्य होना बहुत जरूरी है। विद्यालय बच्चों को आधुनिक तथा संस्कारिक शिक्षा देने के लिए निरंतर कटिबद्ध है। इस क्रम में कक्षा तीन से लेकर कक्षा दस तक के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में अभिभावकों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का विद्यार्थियों ने सफलता पूर्वक उत्तर दिया। विद्यालय में आए हुए अभिभावकों ने छात्रों द्वारा प्रदर्शित किए गए मॉडलों की भूरि -भूरि प्रशंसा की। विद्यालय में शिक्षक अभिभावक गोष्ठी की अवधि 3 घंटे की रखी गई। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

सीएमओ सहित कई दफ्तरों में जिलाधिकारी की छापामार कार्रवाई से मचा हड़कंप

संवाददाता। उरई, जालौन

विभागीय कार्यों में शिथिलता और अनियमिताओं के साथ-साथ दलाली प्रथा पर अंकुश लगाना अब शासन और प्रशासन की प्राथमिकता बन गई है इसी क्रम में गुरुवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सहित शिक्षा विभाग के दफ्तरों में छापामार कार्यवाही को अंजाम दिया इस दौरान सीएमओ ऑफिस में दर्जनों की संख्या में पत्रावलियां और फाइलें उठवा ली गई इसके साथ-साथ बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय में अनुपस्थित मिले लगभग आधा दर्जन कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

पिछले लंबे समय से यहां जनपद मुख्यालय स्थित सरकारी विभागों में व्याप्त अनियमितताओं और दलालों की गतिविधियां तेजी के साथ बढ़ गई थी जिसकी शिकायत आए दिन लोगों द्वारा प्रशासन से की जा रही थी सूत्र को यह भी बतलाते हैं कि विगत दिनों जिला अधिकारी की संज्ञान में यह बात आई की मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में तैनात जफर इकबाल लिपिक द्वारा विभागीय कार्यों के नाम पर कथित तरीके से सुकराना, नजराना और हकराना के जरिए धन उगाही की जाती है।

कमोबेश यह स्थिति अन्य शिक्षा विभाग के दफ्तरों की भी सामने आ रही थी जिसको देखते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास सिटी में मजिस्ट्रेट अजीत कुमार जायसवाल के साथ सर्वप्रथम मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा। संयुक्त छापामार कार्यवाही के दौरान होने वाली बारिश भी उनकी कार्यवाही को रोक ना सकी। अधिकारियों के काफिले को तेज बारिश में भी इधर से उधर दौड़ते देखा गया।

एसडीएम ने किया मंगरौल गौशाला का औचक निरीक्षण

कोंच, जालौन। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर गुरुवार को उप जिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने मंगरौल में संचालित गौशाला का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कमियां देखकर परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के लिये निर्देश दिए। जिला प्रशासन के निर्देशन पर उप जिलाधिकारी महेवा बिकास खंड के ग्राम मगरौल में दोपहर को औचक तरीके से पहुंच कर गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने गौशाला में भूसे का स्टॉक व रखरखाव देखा। परिसर में मौजूद गायों को अभिलेख से मिलान किया। पानी तथा प्रकाश व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी में मौजूद कर्मियों को निर्देश दिए कि परिसर में सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए।

चोरियों की घटनाओं का खुलासा करने में कालपी पुलिस विफल

कालपी, जालौन। कालपी नगर व क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों से लोग परेशान हैं। कोतवाली पुलिस चोरों को पकड़ने में नाकाम है, जिससे चोरों के हौसले बुलंद हैं। डेढ़ महीने के अंदर एक दर्जन चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं लेकिन कालपी इंस्पेक्टर की खाऊं कमाऊ नीति के चलते एक का भी नही हो सका खुलासा। नगर व क्षेत्र में बीते पांच सप्ताह से लगातार चोरी की घटनाओं को चोर अंजाम दे रहे हैं। पुलिस चोरों को पकड़ने में नाकाम साबित हो रही है। सीसीटीवी में कैद चोरी की घटनाओं का भी पर्दाफास पुलिस नहीं कर पा रही है। पीड़ितों को चोरी की घटना की रिपोर्ट दर्ज करवाने में भी पसीने छूट रहे हैं। नगर में बाइक से लेकर एसडीओ बिजली विभाग की कार तक चोरी हो गई लेकिन पुलिस एक भी चोर को न पकड़ सकी थी लेकिन सोमवार की रात को चोरों ने एक साथ एक मोटर साईकिल नंबर यूपी 92 एएम 4604 स्कूटी नंबर यूपी 92 जेड 8350 को बनाया निशाना।

27 जून को कोंच के गांधी नगर निवासी इरशाद अपनी मां को लेकर चौरासी गुंबद आए थे वहां से उनकी बाइक चोरी हो गई। पांच घंटे कोतवाली में इंतजार के बाद पीड़ित की ओर से 1076 पर काल की तब कहीं जाकर रिपोर्ट दर्ज हुई। दो जुलाई की रात मोहल्ला आलमपुर निवासी सीताराम यादव की ट्राली ट्रैक्टर सवार चोर आलमपुर में बंद पड़े पेट्रोल पंप से चुरा ले गए। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस ने ट्राली की तलाश करना दूर मामले की रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की। तीन जुलाई को मोहल्ला उदनपुरा निवासी बलराम अपनी बाइक वन विभाग के परिसर में खडी कर मंदिर दर्शन करने गए थे। जब लौटे तो बाइक चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट तो दर्ज की लेकिन बाइक आज तक नहीं मिली। ऐसे अन्य कई उदाहरण चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में विफलता दर्शाते हैं।

भाकियू ने किसान पंचायत में किसानों की समस्याओं को लेकर भरी हुंकार

संवाददाता। कालपी, जालौन

गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं की मासिक पंचायत प्रगतिशील किसान सिपाही लाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पंचायत में किसानों के द्वारा समस्याएं उठाते हुए जमकर हुंकार भरी। किसानों ने 5 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उप जिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह को सौंपकर समाधान करने की मांग उठाई।

कृषि उत्पादन मंडी समिति कालपी के चबूतरें में आयोजित भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं की मासिक पंचायत में संगठन के तहसील उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों की समस्याओं का निदान करने में अधिकारी उदासीनता बरती जाती हैं। फलस्वरुप किसान परेशान है। पंचायत के उपरान्त किसानों का प्रतिनिधि मंडल ने तहसील कालपी में पहुंचकर एसडीएम सुशील कुमार सिंह को ज्ञापन देते हुए अवगत कराया कि कालपी तहसील के ग्रामो में अतिवृष्टि तथा ओला से रवी की फसल चौपट हो गई थी। प्रभावित किसानों को बीमा कंपनी से नुकसान दिलाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में कम सप्लाई दी जा रही है।

भारी संख्या में बिजली समस्या से किसान परेशान हैं। बिजली आपूर्ति की व्यवस्था को ठीक किया जाये। सभी ग्रामों में अन्ना जानवरों से किसान परेशान हैं। खरीफ की फसल की बुवाई हो चुकी है। अन्ना पशुओं की समस्यायों का निदान किया जाये। जिन किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड नहीं बने हैं। उन कृषकों के केसीसी कार्ड बनाये जाये। खराब सरकारी नलकूपों को जल्द ठीक किया जाये।

इस मौके पर मंडल महासचिव सुरेश सिंह चौहान, सत्येंद्र भदौरिया, महेश कुमार, कालका प्रसाद अजान सिंह, श्याम बाबू, डॉक्टर सुरेश ,अजय हथनोरा, बाबा गोरा, प्रताप सैनी, लोहार गांव छत्रपाल सिंह बबलू भिटारी, लाल सिंह, नरेंद्र हथनोरा, रामस्वरूप सत्येंद्र पाल उदय सिंह आदि शामिल रहे।

खाली प्लॉट में भरे पानी में तैरता मिला युवक का शव, मचा हड़कंप

कोंच, जालौन। उरई रोड पर स्थित पानी से भरे एक प्लॉट में एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। जैसे ही खाली प्लॉट में भरे पानी में शव तैरने की सूचना कोतवाली पुलिस को मिली तो वह तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।

उरई रोड पर स्थित रामू बर्फ फैक्ट्री के बगल में एक खाली प्लॉट पड़ा हुआ है जिसमें पानी भरा है। गुरुवार की सुबह वहाँ से निकल रहे लोगों ने प्लॉट के अंदर पानी में किसी व्यक्ति का शव पड़ा देख इसकी सूचना पुलिस को दी। सुरई चौकी प्रभारी विवेक द्विवेदी और सागर चौकी प्रभारी अश्विनी पटेल मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने आसपास के लोगों से शव की शिनाख्त करायी तो लोगों ने जवाहर नगर निवासी 38 वर्षीय धर्मवीर पुत्र जानकी प्रसाद के रूप में शव की शिनाख्त की।

पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपास के लोगों का कहना है कि यह व्यक्ति यहां शराब के नशे की हालत में घूमता रहता था। बीते कुछ दिनों से उसे किसी ने घूमते हुए देखा नहीं था। शव मिलने के मामले में पुलिस का कहना है कि शव करीब 5 दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। शव बुरी तरह सड़ चुका है। आसपास के लोगों द्वारा की गयी शव की शिनाख्त के आधार पर धर्मवीर की पहचान हुई है, परिजनों की तलाश की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ होगी।

थायराइड की जांच न होने से गर्भवती महिलायें परेशान

जालौन, उरई। गर्भवती महिलाओं के लिए आवश्यक थायराइड की जांच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नहीं हो पा रही है। महिलाओं ने चिकित्सालय में थाइराइड की जांच शुरू कराने की मांग की है। सरकार लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने का प्रयास करी है। इसके लिए चिकित्सालय में सुविधाएं व सेवाओं की संख्या में बढ़ोतरी की जा रही है। जनपद में मरीजों की संख्या में प्रथम स्थान रखने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अभी तक थायराइड की जांच की व्यवस्था नहीं है। गर्भवती महिलाओं में खून की कमी आम बात होती है। खून की कमी की बीमारी को ठीक करने के लिए थाइराइड की जांच आवश्यक है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार लगभग हर गर्भवती महिला की थाइराइड जांच होनी चाहिए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिदिन लगभग 50 महिला मरीज आती है जिनमें गर्भवती महिलाओं के साथ अन्य महिलाओं को भी थाइराइड की जांच की आवश्यकता रहती है।

झमाझम हुई बरसात से घरों में भरा गंदा पानी, लोग परेशान

जालौन, उरई। बारिश के मौसम में पहली बार बुधवार को दो घंटे की झमाझम बारिश हुई। झमाझम बारिश से नगर में सभी जगह पानी ही पानी नजर आया। हालांकि लोगों को उमस भरी गर्मी से थोड़ी राहत तो मिली। लेकिन घरों में पानी भरने से लोगों को परेशानी भी उठानी पड़ी। बुधवार को दोपहर के बाद अचानक से आसमान में बादल घिर आए।

लगभग साढ़े तीन बजे से आधा घंटे तक झमाझम बारिश हुई। झमाझम बारिश के चलते गालियां पानी से भरी हुई नजर आई। हालांकि लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। इसके बाद भी पानी बरसने और बूंदा बांदी का सिलसिला जारी रहा। नगर के नाले बारिश के पानी से उफान मार रहे थे। चुर्खी रोड पर अभी हाल ही बने नाले में पानी न समाने के कारण चुर्खी रोड के मोहल्ला भवानीराम, चुर्खीबाल, फर्दनवीस, जोशियाना, हरीपुरा, दबगरान, हरीपुरा, काशीनाथ, चौधरयाना समेत अधिकांश मोहल्लों में पानी भर गया। नगर पालिका परिषद के सामने, चिमनदुबे आदि स्थानों पर जगह जगह पानी भरने के कारण लोगों को दिक्कत हुई। वहीं नालों का गंदा पानी लोगों के घरों में घुसने से उन्हें भी परेशानी उठानी पड़ी। गया जिससे लोगों की मुसीबत बढ़ गयी। बारिश में जलभराव रोकने के लिए नगर पालिका परिषद के सफाई कर्मचारियों को लगाया गया था। इसके बाद भी पहली झमाझम बारिश में लोगों को जलभराव से निजात नहीं मिल सकी।

उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सतत् सुनिश्चित रहे: डीएम

● जिलाधिकारी ने की उर्वरक मॉनिटरिंग की समीक्षा, दिये निर्देश

● उर्वरक विक्रेता गोदाम के बाहर उर्वरक की मात्रा व मूल्य को करें प्रदर्शित

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह की अध्यक्षता में उर्वरक मॉनिटरिंग की समीक्षा बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में की गई। लक्ष्य के सापेक्ष उर्वरकों यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमडीपी की उपलब्धता, वितरण आदि के प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। जिला कृषि अधिकारी द्वारा डीएम को अवगत कराया गया कि जनपद को उर्वरकों यूरिया 45360, डीएपी 10367, एमओपी 269, एनपीके 1769 मीट्रिक टन सहकारिता, यूपी एग्रो व अन्य को प्राप्त हुई, अब तक वितरण उपरान्त यूरिया 37160, डीएपी 7235, एमओपी 228, एनपीके 1187 मीट्रिक टन उर्वरक की जनपद में उपलब्धता है, कृषकों को उर्वरक अपने नजदीकी केन्द्रों से आसानी से उपलब्ध हो रही है।

डीएम ने कहा कि जनपद में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सतत् सुनिश्चित रहे, जिसके लिए डीलर अपने स्टॉक सम्बन्धी रिकार्ड अद्यतन रखेंए दुकान के बाहर स्टॉक की मात्राए रेट आदि को प्रदर्शित करें। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी को नियमित अन्तराल पर उर्वरक दुकानों का निरीक्षण करने, बड़े वाहनों जिससे उर्वरक कम्पनियों से उर्वरक बिक्रेताओं के पास पहुंचते है, उनकी निगरानी करने के निर्देश दिये। उन्होंने उर्वरक डीलरों से जिस ट्रक से उर्वरक जनपद में मंगायें, सम्बन्धित ट्रक की डिटेल जिला कृषि अधिकारी को समय अन्तर्गत उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। डीएम द्वारा थोक विक्रेताओं से अनावश्यक भण्डार न करने, मांग के अनुरूप तत्काल रिटेलर को उपलब्ध करानेए फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को कृषकों को निर्धारित जोत के आधार पर उर्वरक को वितरित करने, कृषकों को उचित दर पर उर्वरक उपलब्ध करायें जाने व अन्य उर्वरक टैंग न करने, शत.प्रतिशत उर्वरक को पीओएस मशीन के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण कर कृषकों को वितरित करने संबंधी दिशा निर्देश दिये गए। डीएम ने जिला कृषि अधिकारी को कार्यालय में कन्ट्रोल रूम बनाने के भी निर्देश दिये। जिलाधिकारी के द्वारा उर्वरक डीलरों की भी समस्याओं को सुनकर जिला कृषि अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही कराने के निर्देश दिये गए। बैठक में उप कृषि निदेशक राम बचन राम, जिला कृषि अधिकारी डा. उमेश गुप्ता, उर्वरक कम्पनियों के प्रतिनिधि, उर्वरक विक्रेता आदि उपस्थित रहे।

युवती की संदिग्ध हालत में मौत, हत्या का आरोप

फतेहपुर। बांदा जनपद के थाना तिंदवारी गांव जौहरपुर निवासी बाबू ने अपनी पुत्री रेखा की शादी 2017 में देवलान गांव निवासी सुखलाल के पुत्र ओम प्रकाश के साथ की थी। बताते हैं कि बुधवार की शाम संदिग्ध अवस्था में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मृतका के चाचा फूलचंद्र ने बताया कि शादी के सात साल बीत जाने के बाद भी उसकी भतीजी को संतान नहीं हो रही थी जिसको लेकर ओम प्रकाश की बहन सूरजकली आए दिन भाई को भड़काती थी कि इसको छोड़कर दूसरी शादी कर लो। आए दिन घर में झगड़ा होता था। कल शाम पति ने रेखा का गला दबाकर हत्या करके मौके से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना की वास्तविकता का पता चल सकेगा।

डीएम ने आईसीटी स्मार्ट क्लास का किया उद्घाटन

● डीएम ने बच्चों से पूछे प्रश्न, स्टेशनरी व टाफी का किया वितरण

फतेहपुर। तेलियानी विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय त्रिलोकीपुर में आईसीटी स्मार्ट क्लास का उद्घाटन जिलाधिकारी इंदुमती ने किया। शासन की मंशा के अनुरूप आकांक्षी जनपद में जिला बेसिक शिक्षा विभाग एवं शिव नाडर फाउंडेशन के समन्वय से आईसीटी आधारित स्मार्ट क्लास का संचालन प्राथमिक विद्यालय त्रिलोकीपुर में प्रारंभ किया गया है। फाउंडेशन द्वारा शिक्षा इनीटिएटिव कार्यक्रम के अंतर्गत स्मार्ट क्लास शिक्षण हेतु लैपटॉप, प्रोजक्टर, डिजिटल कंटेंट आदि के माध्यम से छात्र-छात्राओं शिक्षण कार्य किया जायेगा। फाउंडेशन की तरफसे छात्र-छात्राओं के लिए टीएलएम संबंधित सामग्री भी उपलब्ध कराने के साथ ही कक्षा में शिक्षण हेतु एक स्कूल मेन्टर की भी नियुक्ति की गयी है, ताकि बच्चों का अधिगम स्तर कक्षा के अनुरूप हो सके और सीखने सिखाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकें एवं बच्चे डिजिटल क्लास के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सके।

फाउंडेशन के डीजीएम मयंक सिन्हा ने जिलाधिकारी को फाउंडेशन द्वारा आईसीटी स्मार्ट क्लास शिक्षक एवं संचालन की दिशा में राज्य स्तर पर राज्य बेसिक शिक्षा विभाग के समन्वय से संचालित किया जा रहे विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियों के बारे में बताते हुए राज्य के सभी आकांक्षी जनपदों में संचालित गतिविधियों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और चर्चा की। जिलाधिकारी ने बच्चों से बातचीत करते हुए कुछ प्रश्नों को पूछा जिसका बच्चों ने सरल व सहज भाव से सही उत्तर दिया। उन्होंने बच्चों को स्टेशनरी व टॉफी का वितरण किया। डीएम ने विद्यालय परिसर में महुआ का पौध रोपित किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण करना आवश्यक है। साथ ही पौधों का संरक्षण भी करें। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि विद्यालय परिसर के आस-पास घास की कटाई करा दें साथ ही साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

तलघर में आग लगने से लाखों का नुकसान, जांच शुरु

आग बुझाते कर्मी

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के जल बिहार मंदिर के पास एक व्यापारी की तलघर में शार्ट सर्किट के चलते आग लग गई। आग लगने से व्यापारी का लाखों का कॉस्मैटिग का सामान जलकर राख हो गया है। दमकल कर्मियों व अन्य दुकानदारों ने पानी डाल आग पर काबू पाया है। जब तक व्यापारी का लाखों का सामान जल राख हो गया है। कस्बे के खुशीपुरा मोहल्ला निवासी रामकुमार अग्रवाल पुत्र रतनलाल ने बताया कि उसका मकान जल बिहार मंदिर के पास पुराना घर है। वह मकान के नीचे अपना गोदाम बनाएं था और उसके ऊपर किराए से दुकान दिए था। गुरुवार की सुबह करीब आठ बजे उसके तल घर में शार्ट सर्किट के चलते आग लग गई। थोड़ी ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। वह कॉस्मैटिक का थोक व्यापारी हैं। पूरा माल वहीं पर था। बताया कि आग लगने से उसका सारा माल जलकर राख हो गया। साथ ही वहां रखे दो बड़े फ्रीजर एक युवक ऐसी जलकर राख हो गई है।

डीडीओ को जांच में दो चेकडैम मिले टूटे फूटे, जिलाधिकारी को सौपी रिपोर्ट

● सुमेरपुर बीडीओ को कोई एक्सपर्ट न मिलने से नही कर पाये जांच,कुछ बीडीओ ने दबी जुवान से बताया कि छोटी मोटी कमिया तो होती रहती है बाकी ठीक है।

हमीरपुर। लघु सिचाई विभाग द्वारा सिचाई व वाटर रिचार्जिंग के लिये निर्मित किये गये चेकडैमों की जांच में जांच अधिकारी जिला विकास अधिकारी(डीडीओ) ने दो चेकडैमों की जांच की जिसमे दोनो ही टूटे फूटे पाये गये है, डीएम को रिपोर्ट भेज दी है। वही खंड विकास सुमेरपुर को तकनीकी टीम न मिलने के कारण जांच ही शुरु नही की है। बाकी ब्लाकों में जांच ने कोई न कोई कमी पायी गयी है। चेकडैमों के निर्माण में हुई धांधली को लेकर डीएम ने चार टीमे गठित की थी जिसमे जिला विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव ने बंधौली व चंडौत गांव में ट्रैक्टर से जाकर चेकडैमों का निरीक्षण किया जिसमे दोनो चेकडैम चटके व टूटे पाये गये है। पानी नाम मात्र का भरा पाया गया है। चेकडैम मे पानी आने की व्यवस्था नही की गयी है। जिससे वाटर रिचार्जिंग नही हो पा रही है। डीडीओ ने इस मामले की रिपोर्ट जिलाधिकारी को दे दी है वही बीडीओ की अध्यक्षता में गठित की जांच समिति में सुमेरपुर बीडीओ विपिन ने बताया कि उनको जांच के लिये निर्देश तो दिये गये है मगर उनको कोई इंजीनियर नही दिया गया है न ही उनसे किसी इंजीनियर ने संपर्क किया है जिससे वह जांच के लिये नही जा पाये है। इसमे लघु सिचाई बिभाग की घोर लापरवाही सामने आयी है। वही मौदहा के बीडीओ दुर्योधन ने दबी जुवान से बताया कि छोटी छोटी कमिया के अलावा सब कुछ ठीक ठाक पाया गया है। मुस्करा राठ के बीडीओ प्रमोद पांडेय का कहना है कि जांच में कोई बडी कमी नही पायी गयीहै। छोटी कमिया तो चलती रहती है। चेकडैम में पानी कम पाया गया था उनके साथ लघु सिचाई विभाग की अभियंता भी थे। कुरारा के बीडीओ विपिन गुप्ता का कहना है कि उन्हे वह चेकडैम देखने को दिया गया था जिसकी पहले ही मरम्मत कर दी गयी है। उसमे क्या देखना है। गोहांड के बीडीओ एसएन कश्यप ने बताया कि उन्होने चुरहा मगरौठ खरका में चेकडैम देखे है। जिसमे मगरौठ में तालाब देखा है जिसमे इनलेट खराब पाया गया है इसकी रिपोर्ट सीडीओ को भेज दीहै। चेकडैम के बारे में उन्होने कोई टिप्पणी नही की है। सरीला के बीडीओ श्रीमती दिब्या त्रिपाठी से मोवाइल से कोई वार्ता नही हो पायी है।

माटीकला एवं शिल्पकला के उद्यमियों शिल्पियों को टूल किट्स का वितरण

कानपुर देहात। उप्र माटीकला बोर्ड 8 तिलक मार्ग लखनऊ के महाप्रबन्धक व जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशानुसार जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि जनपद के अधिकाधिक रोजगार सृजन के उद्?देश्य से प्रदेश के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के माटीकला एवं शिल्पकला के उद्यमियों शिल्पियों के समन्वित विकास हेतु गाटीकला टूल किट्स वितरण योजना संचालित है के अर्न्तगत वर्ष.2024.25 में 50 टूल किट्स का वितरण भी किया जाना प्रस्तावित है। जिसके विपक्ष में लाभार्थियों के चयन हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। पात्रता. उम्र 18 से 55 वर्ष एवं माटीकला के परम्परागत कारीगर, के शिक्षित बेरोजगार एवं माटीकला में प्रशिक्षित अभ्यर्थियों स्वत: रोजगार में परम्परागत कारीगर अपना आवेदन आनलाईन पोर्टल की वेबसाईट पर जाकर कर सकते हैं।

क्विक न्यूज

छात्रा के साथ छेड़खानी पर एक गिरफ्तार तीन फरार

मौदहा, हमीरपुर। कोचिंग पढ़कर वापस आ रही नाबालिग युवती से छेड़छाड़ तथा अश्लीलता करने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक तथा उसके तीन अज्ञात साथियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। तीन अज्ञात साथियों की तलाश शुरू कर दी है।

कस्बे में संचालित एक कोचिंग संस्थान से पढ़कर वापस अपने घर की ओर जा रही नाबालिग युवती से मनचलों ने अश्लीलता करने के साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया है जिसके बाद नाबालिक युवती की मां की तरफसे दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार कोतवाली पुलिस ने आरोपी श्याम शिवहरे पुत्र ओम प्रकाश शिवहरे तथा नामित आरोपी के तीन अज्ञात साथियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर नामित आरोपी को हिरासत में ले लिया है और बाकी तीन अज्ञात आरोपियों की शिनाख्त करने एवं घर पकड़ करने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। पीड़ित की मां की तरफसे दिए गए शिकायती पत्र में बताया गया कि बीते शनिवार को जब उसकी नाबालिग युवती मराठीपुरा स्थित एक कोचिंग संस्थान से पढ़कर वापस घर की ओर आ रही थी तभी आरोपी श्याम शिवहरे तथा उसके तीन अज्ञात साथियों ने उनकी लड़की के साथ अश्लीलता करने एवं छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया है तथा पूर्व में कई बार उपरोक्त आरोपी उनकी लड़की को परेशान करते रहे हैं। मां की तरफसे मिले शिकायती पत्र के अनुसार कोतवाली पुलिस ने नामित आरोपी तथा तीन अज्ञात लोगों पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

अज्ञात शव की परिजनों ने की शिनाख्त

फतेहपुर। विगत दो दिन पूर्व महिला अस्पताल गेट पर 45 वर्षीय युवक की मौत हो गई थी। जिस पर पुलिस ने अज्ञात में उसे सदर अस्पताल के मार्च्युरी हाउस में रखवा दिया था। गुरूवार की दोपहर परिजनों को राहगीरों से पता चला कि उसके पुत्र की सदर अस्पताल के गेट पर मौत हो गई है जिस पर सदर अस्पताल में बनी पुलिस चौकी पहुंचे। जहां उन्होने मृतक की शिनाख्त शिवमंगल सिंह उर्फबउवा पुत्र स्व. झल्लू बांस बल्ही निवासी रामगंज पक्का तालाब के रूप में करते हुए बताया कि दो दिन पूर्व वह घर से निकल गया था जिसकी तलाश परिवार वाले कर रहे थे। राहगीरों की जानकारी पर उन्हें पता चला कि उसकी मौत हो गई है।

दो लुटेरे महिला के जेवरात सहित गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। थाना कंपिल पुलिस ने घेराबंदी करके जेवरात लूटने वाले दोनों लुटेरों को लूटे गए जेवरात सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जनपद कासगंज थाना पटियाली के ग्राम मौजी नगला निवासी राहुल पुत्र लेशियार सिंह एवं अलइयापुर निवासी कुलदीप पुत्र सजीवन को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की।अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि हम लोगों के पास लूटे गए कुण्डल है। 15 फरवरी को हम लोगो ने एक राह चलती महिला को अपनी

मोटरसाइकिल पर आगे छोडने को कहकर नुनैरा गांव से बैठा लिया था। चलती बाइक से ही उसके गहने उतरवा कर बैग में रखने को धमकाया था। दोनों कान के कुण्डल व एक जोडी पायलें तथा एक हजार रूपये लूट लिये थे। चाँदी की पायल राह चलते आदमी को 1200 रूपये में बेच दिये थे। जिसे हम नही जानते हमने आपस में पैसे बांट लिए। कुण्डल को सही कीमत न मिलने के कारण बेच नही पाए। पुलिस ने घटना में प्रयोग की गई बाइक को सीज कर दिया है।

एडीएम व एएसपी का एआरटीओ कार्यालय में छापा

फर्रुखाबाद। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में एडीएम सुभाष चंद्र प्रजापति व अपर पुलिस अधिक्षक डा. संजय सिंह नें छापेमारी की। उन्होंने कार्यालय के अंदर व बाहर संदिग्ध लोगों की तलाश की लेकिन उन्हें किसी प्रकार का कोई संदिग्ध व्यक्ति नहीं मिला, गुरुवार को एडीएम और एएसपी जैसे ही एआरटीओ कार्यलय पंहुचे तो कई लोग अपनी दुकानें बंद कर खिसक गय। दोनों अधिकारियों नें कार्यालय के भीतर जाकर सभी पटलों को देखा और पूंछतांछ की स विभागीय कार्य कराने आये कई लोगों से भी जानकारी की लेकिन कोई शिकायत नहीं मिली ।

आपदा से प्रभावित परिसंपत्तियों की मरम्मत प्रस्तावों में तय मानकों का पूरा ध्यान रखा जाय: डीएम

लखीमपुर खीरी। जिले में आपदा से क्षतिग्रस्त विभागीय सार्वजनिक परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण के लिए एसडीआरएफऔर एनडीआरएफनॉर्म्स अन्तर्गत डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों संग बैठक की और प्रस्ताव मांगे है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बाढ़ के कारण सार्वजनिक परिसंपत्तियां जैसे सड़क, पुल, नहर, बांध, सरकारी स्कूल, सामुदायिक भवन, पंचायतघर, आंगनबाड़ी केंद्र को क्षति होने पर मरम्मत के लिए स्वयं परीक्षण प्रस्ताव तैयार करे और एसडीआरएफएनडीआरएफ नियमों का अनुपालन करते हुए प्रस्ताव भेजें।

रामलीला मैदान में हो रहे अवैध निर्माण को रोके जाने की मांग

फतेहपुर। शहर के ज्वालागंज स्थित महानंद रामलीला मैदान में किए जा रहे अवैध निर्माण का मामला संज्ञान में आने पर गुरूवार को श्री राम सेना के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपकर संरक्षक को ही भक्षक बताते हुए अवैध निर्माण को रोके जाने की गुहार लगाई है। श्रीराम सेना के प्रमुख रूपम महाराज व जिलाध्यक्ष शिव बहादुर सिंह की अगुवई में पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपकर बताया कि शहर के ज्वालागंज स्थित महानंद रामलीला मैदान में अवैध निर्माण का मामला संज्ञान में आया है। इस प्राचीन रामीलीला मैदान का इतिहास दो सौ वर्षों से भी अधिक है। अवैध निर्माण का स्वत: संज्ञान लेते हुए राजस्व अभिलेखों के अनुसार पैमाइश कराकर अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाना चाहिए।

जिम्मेदारों की उदासीनता से डूबी एक हजार बीघा धन की फसल

फतेहपुर। जिले के भिटौरा विकास खण्ड के दर्जनों गांवों के जलमग्न होने से हजारों बीघा धान की फसल बर्बाद हो गई। इस बर्बादी का कारण सिंचाई प्रखण्ड में कार्यरत जिम्मेदार हैं। ग्राम पंचायत उन्नौरा (सहिमापुर) के ग्राम प्रधान जमुना सिंह बीते मई माह से से लगातार उच्चाधिकारियों को पत्र के माध्यम से नहर पटरी व साईफन मरम्मत की आवाज उठाते रहे, लेकिन किसी भी अधिकारी के कान में जूं तक नहीं रेंगा। नतीजा रहा कि बीते दिन नहर पटरी में खांदी कट गई और पानी ने अपना बिकराल रूप धारण करते हुये एक हजार बीघा से अधिक धान की फसल को अपने आगोस में लिया। किसान अपनी बर्बादी पर आंसू बहाने के अलावा कुछ करने की स्थिति में नहीं है। प्रकरण पर अधिशाषी अभियन्ता सिंचाई प्रखण्ड के मोबाईल नंबर पर बात करने का प्रयास किया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हो सका।

गौरतलब है कि ग्राम पंचायत उन्नौर (सहिमापुर) जमुना सिंह ने पहला पत्र बीती 6 मई को अधिशाषी अभियन्ता सिंचाई खण्ड को देते हुये जेसीबी से सिल्ट सफाई के दौरान साईफन के क्षतिग्रस्त होने की बात कहते हुये उसके मरम्मतीकरण की आवाज उठाई, लेकिन बेपरवाह अधिकारी की उदासीनता के चलते पत्र पर कोई कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई। इसके बाद 31 जुलाई को ग्राम प्रधान ने जिलाधिकारी को एक शिकयती पत्र दिया जिसमें आरोप लगाया कि साईफन का मरम्मतीकरण कार्य नहीं कराये जाने के कारण नहर में डोलेपुर गांव के समीप 30 जुलाई को खांदी कट जाने से एक हजार बीघा से अधिक की धान की फसल किसानो की बर्बाद हो गई। ग्राम प्रधान का आरोप है कि समय पर अगर साइफन का मरम्मतीकरण हो गया होता तो उसके द्वारा अधिक पानी सीधे गंगा नदी में चला जाता और इतने बड़े पैमाने पर किसानों की बर्बादी नहीं होती।

पुनरीक्षित प्रस्तावित मूल्यांकन सूची के सम्बन्ध में आपत्ति सुझाव करे प्रस्तुत

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश ;सम्पत्ति का मूल्यांकनद्ध नियमावली 1997 के नियम 4 के अन्तर्गत मूल्यांकन सूची का पुनरीक्षण करने के उपरान्त जनपद की पुनरीक्षित मूल्यांकन सूची माह अगस्त 2024 में लागू किया जाना है। एडीएम वित्त एवं राजस्व केशव नाथ गुप्ता ने बताया कि नवीन मूल्यांकन सूची लागू होने के पूर्व वर्तमान प्रचलित दरों पर बैनामा पंजीकृत करा कर लाभ प्राप्त कर सकते है माह अगस्त 2024 में लागू होने वाली मूल्यांकन सूची की प्रस्तावित मूल्यांकन सूची के संबंध में जिस किसी को भी कोई आपत्ति/ सुझाव हो तो उपनिबन्धक कार्यालयों में उपलब्ध प्रस्तावित मूल्यांकन सूची का अवलोकन कर आपत्ति/ सुझाव 02.08.2024 से 08.08.2024 को सायंकाल तक एडीएम कानपुर देहात के कार्यालय या सहायक महानिरीक्षक निबन्धन, कानपुर देहात के कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकते है।

एआरपी पर हमलावर महिला की सीसीटीवी में कैद हुई तस्वीर

फर्रुखाबाद। बीते दिन एआरपी को गोली मारकर जानलेवा हमला करनें के आरोपी को सीसीटीवी फुटेज पुलिस को मिला है। जिसमे कथित महिला हमलावर नजर आ रही है। पुलिस घटना की गुत्थी को सुलझानें में लगी है। मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस को कथित महिला हमलावर के कपड़े व तमंचा बरामद हुआ है। लेकिन पुलिस नें इस बात की अभी तक पुष्टि नही की। जहानगंज थाना ग्राम रूनी चुरसई निवासी शिक्षक विश्राम सिंह राजपूत को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के भीतर पेट में गोली मारी गयी थी। उनका इलाज लखनऊ में चल रहा है। वहीं घायल के भाई उदयवीर सिंह नें विश्राम सिंह राजपूत के सहकर्मी वीरेंद्र पुत्र आरएफ राजपूत निवासी गीतापुरम कालोनी फतेहगढ़ पर विभागीय रंजिश के चलते घटना करानें का आरोप लगाया था। पुलिस नें मुकदमा दर्ज करनें के साथ ही एसपी आलोक प्रियदर्शी के निर्देश पर एसओजी, सर्विलांस, थाना पुलिस के साथ अन्य कई टीमें आरोपी की तलाश में जुटी हैं। उधर पुलिस नें बीती रात सीसीटीवी कैमरे भी तलाशे तो पुलिस को रेलवे स्टेशन के निकट एक अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में आरोपी कैद मिला। कथित महिला आरोपी सफेद पैजामी, नीला सूट व गुलाबी दुपट्ट डाले हैं। आरोप काला चश्मा लगाये है, हाथों में दस्ताने भी पहने है। सूत्रों की मानें तो पुलिस को हमलावर किदवई नगरगली से होता हुआ प्राइमरी पाठशाला पंहुचा पुलिस को जवाहर नगर के सिविलियन स्कूल के निकट हमलावर के द्वारा प्रयोग किये गये जूते, कपड़े व तमंचा कारतूस बोरी में भरे मिले। फिलहाल एसओजी व सर्विलांस टीम नें बीआरसी आकर जाँच पड़ताल की। पुलिस कई बिन्दुओं पर जाँच कर रही है। थानाध्यक्ष कमालगंज राजेश राय नें बताया कि अभी जाँच की जा रही है। कपड़े व तमंचा बरामद नही हुआ है। पुलिस की कई टीमें लगीं है।

पुलिस ने हत्या में वांछित चल रहे तीन आरोपियों दबोचा

● पुलिस अधीक्षक ने किया हत्या के मामले का खुलासा

हत्या का खुलासा करते एसपी।

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे व सदर क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार के पर्यवेक्षण एवं गुरसहायगंज प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा हत्या के मुकदमे मे वांछित चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

गुरूवार को पुलिस कार्यालय में विगत 02 जुलाई की शाम थाना गुरसहायगंज क्षेत्र के ग्राम मझपुर्वा मे पप्पू की बगिया मे बने ट्यूबबेल की हौदी मे आफ्ताब पुत्र अलमशाद निवासी ग्राम मझपुर्वा का शव पडा मिलने पर वादी अलमशाद पुत्र स्व. अब्दुल रज्जाक निवासी ग्राम मझपुर्वा द्वारा अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। जिसमे विवेचना के क्रम मे संकलित साक्ष्य के आधार पर अभियुक्तगण सोनू उर्फ रफीउद्दीन पुत्र तसरुद्दीन, राजन उर्फ कमालुद्दीन पुत्र बहरुद्दीन निवासीगण ग्राम मझपुर्वा व राजा अली पुत्र मुजफ्फर अली निवासी ग्राम खांडेदेवर का नाम प्रकाश मे आया। गुरूवार की सुवह मुखबिर की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे, उपनिरीक्षक नीरज कुमार शर्मा, कांस्टेवल विनय कुमार, सतेन्द्र सिंह, सचिन कुमार, लक्ष्मी प्रसाद के साथ डुंडवाबुजुर्ग तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया है। कोतवाली पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही करते हुये अभियुक्तगणों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पूंछताछ में अभियुक्त सोनू उर्फरफीउद्दीन ने बताया कि मेरी माँ सोनी उर्फतरुन्नुम है मेरे ही पडोस मे रहनें बाले आफ्ताब पुत्र अलमसार जो मुझे घर पर ट्यूशन पढाने आता था इसी बीच आफ्ताब के सम्बन्ध मेरी माँ सोनी उर्फतरुन्नुम से हो गये मैने आफ्ताब को काफी समझाया लेकिन वह नही माना। मेरे मन मे आफ्ताब को जान से मारने की बात आ रही थी। तब मैंने तथा मेरे ताउ के लडके राजन उर्फ कमालुद्दीन व मामा राजा अली ने आफ्ताब को मारने की योजना बनाकर साजिश के तहत मैने आफ्ताब को 01 जुलाई की रात्रि फोन करके शराब पीने के लिए पप्पू की बगिया मे ले गये। तथा जब आफ्ताब थोडा नशे मे हो गया तो मैने आफ्ताब के हाथ पकड लिये तथा मामा राजा अली पुत्र मुजफ्फर अली ने आफ्ताब के पैर पकड लिये तथा मैने पीछे जाकर पास ही पडे एक नूकीले पत्थर के टूकडे से आफ्ताब के सिर मे पत्थर से कई वार किये जब हमे विश्वाश हो गया कि आफ्ताब मर गया है तो हमने उसका शव छूपाने के लिए पास बनी टूयेबैल की हौदी मे डाल दिया था और मैने सिम को तोडकर फेक दिया था हम तीनो लोग फरार हो गये थे।

सरकारी कार्यालयो में दलाली का प्रकरण पाए जाने पर जेल भेजने की कार्रवाई होगी

फर्रुखाबाद। अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुश्री स्वाती शुक्ला ने कहा कि सरकारी कार्यालय में गलत तरीके से कुछ लोग गलत कार्य कर रहे हैं, ऐसी प्राइवेट गतिविधियां मिलने पर चेकिंग अभियान निरंतर चलेंगे। अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुश्री स्वाती शुक्ला आज गुरुवार को करीब 11.25 बजे के बाद अपने सरकारी वाहन से फर्रुखाबाद शहर स्थित तहसील सदर कार्यालय, उप निबंधक सदर कार्यालय तथा नगर पालिका परिषद कार्यालय में अचानक चेकिंग करने के लिए पहुंची। इस दौरान कार्यालय के मुख्य गेटों को बंद कराकर कम भीड़ होने तथा सरकारी कर्मियों के आसपास इक्का दुक्का, मुआइना कराने,नकल लेने आदि वालों के अलावा कोई भी प्राइवेट काम करने वाला नहीं मिला।

इसी दौरान तहसील सदर के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व सभासद अजय कुमार त्रिवेदी ने अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुश्री स्वाती

शुक्ला की कार खिड़की खोलकर तहसील के कार्यालय में अचानक छापामारी से संबंधित कुछ प्रश्न उठाएं तो वह कार से नीचे उतरकर भीड़ में खड़ी हो गई।इस अवसर पर कुछ पत्रकार भी मौजूद थे।

अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुश्री स्वाती शुक्ला ने कहा कि गलत तरीके से किसी सरकारी जगह पर सरकारी कार्यालय में प्राइवेटो लोगों के काम करने के लिए गतिविधियां मिलने पर चेकिंग की गई और यह चेकिंग अभियान निरंतर चलेगा। उन्होंने कहा कि प्राइवेट लोग काम करेंगे या दलाली का कोई प्रकरण पाया गया तो ऐसे लोगों को जेल भेजा जाएगा।

अजय मिश्र ने जनता दर्शन कार्यक्रम कर जनसमस्याओं का किया निराकरण

लखीमपुर। दिनांक 01.08.2024 को पूर्व केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने संसदीय कार्यालय लखीमपुर में जनता दर्शन कार्यक्रम कर जनसमस्याओं का निराकरण किया। इसके पश्चात अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत रेलवे स्टेशन लखीमपुर के पुनर्विकास का निरीक्षण किया। पूर्व केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र ष्टेनी ने संसदीय कार्यालय लखीमपुर में समय 10.30 बजे से 12.00 बजे तक जनता से रूबरू होते हुए उनके द्वारा बताई गई समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया गया। इसके पश्चात समय 12.30 बजे पूर्व केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत रेलवे स्टेशन लखीमपुर के पुनर्विकास कार्य 16.36 करोड़ की लागत से हो रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। रेलवे स्टेशन लखीमपुर के पुनर्विकास का कार्य कार्यदायी संस्था द्वारा 70 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है तथा कार्यदायी संस्था द्वारा अवशेष कार्य को माह अगस्त 2024 तक पूर्ण किया जाएगा। इसके अलावा रेलवे स्टेशन गोला गोकर्णनाथ के पुनर्विकास कार्य 6.65 करोड़ एवं रेलवे स्टेशन मैलानी का पुनर्विकास कार्य 17.76 करोड़ की लागत से किया जा रहा है।

जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष विनीत मनारए पवन गुप्ता ब्लाक प्रमुख नकहाए विकास शुक्लाए अरविन्द सिंह ष्संजयष्ए जितेन्द्र त्रिपाठी ष्जीतूष्ए संजय मिश्राए अम्बरीष सिंह, आरपी कटियार, जर्नादन मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे। संसदीय कार्यालय लखीमपुर में जिला उद्योग व्यापार मण्डल लखीमपुर के व्यापारी गणों के द्वारा केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र ष्टेनीष् को रेलवे से सम्बंधित मांग पत्र एवं लखीमपुर नगर मुख्यालय के गोला क्रासिंग पर ऊपरगामी सेतु (फ्लाईओवर) के निर्माण कार्य के सम्बन्ध में एक ज्ञापन सौंपा।

हम विकास का समर्थन करते हैं, विस्तारवाद का नहीं: पीएम

भाषा। नई दिल्ली

भारत और वियतनाम ने अपने रणनीतिक संबंधों को विस्तार देने के लिए बृहस्पतिवार को एक कार्ययोजना को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नियम आधारित हिंद-प्रशांत के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया और इस बात पर जोर दिया कि भारत विकास का समर्थन करता है, विस्तारवाद का नहीं। यह टिप्पणी क्षेत्र में चीन के सैन्य रुख के प्रति चिंताओं के बीच आई है। मोदी और वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह के बीच व्यापक वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए छह समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए तथा तीन अन्य दस्तावेजों को अंतिम रूप दिया।

यह भी निर्णय लिया गया कि भारत वियतनाम को 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा प्रदान करेगा, ताकि दक्षिण-पूर्व एशियाई देश की समुद्री सुरक्षा को मजबूत किया जा सके। डिजिटल भुगतान कनेक्टिविटी शुरू करने के लिए दोनों देशों के केंद्रीय बैंकों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। चिन्ह मंगलवार रात तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे थे। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक संबंधों को और आगे बढ़ाना है। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा, हमारी एक्ट ईस्ट नीति और हमारी हिंद-प्रशांत दृष्टि में वियतनाम हमारा महत्वपूर्ण साझेदार है... हम विस्तारवाद का नहीं, विकासवाद का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, हम एक स्वतंत्र, खुले, नियम-आधारित और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए अपना सहयोग जारी रखेंगे।

मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों ने आतंकवाद और साइबर सुरक्षा मुद्दों से निपटने के लिए सहयोग को मजबूत करने का फैसला किया है। मोदी ने कहा, हमारा मानना है कि विकसित भारत 2047 और वियतनाम के विजन 2045 ने दोनों देशों में विकास को गति दी है। इससे आपसी सहयोग के कई नए क्षेत्र खुल रहे हैं। और इसलिए, अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए, आज हमने एक नई कार्ययोजना अपनाई है।

मोदी ने कहा कि रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए नए कदम उठाए गए हैं। दोनों प्रधानमंत्रियों ने ना त्रांग स्थित टेलीकम्युनिकेशन यूनिवर्सिटी में एक आर्मी सॉफ्टवेयर पार्क का डिजिटल तरीके से उद्घाटन भी किया। इसे नई दिल्ली की विकास सहायता से बनाया गया है। मोदी ने कहा, 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की स्वीकृत ऋण सुविधा वियतनाम की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, हम इस बात पर सहमत हैं कि आपसी व्यापार क्षमता को साकार करने के लिए आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा जल्द से जल्द पूरी की जानी चाहिए।

वियतनाम आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन) का एक महत्वपूर्ण देश है। मोदी ने कहा, हमने हरित अर्थव्यवस्था और नई उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। ऊर्जा और बंदरगाह विकास में एक-दूसरे की क्षमताओं का आपसी लाभ के लिए उपयोग किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने वियतनाम के लोगों को भारत के बौद्ध सर्किट में आने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि और हम चाहते हैं कि वियतनाम के युवा नालंदा विश्वविद्यालय का भी लाभ उठाएं। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले एक दशक में भारत-वियतनाम संबंधों में विस्तार और प्रगाढ़ता आई है। पिछले 10 वर्षों में हमने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया है। हमारे द्विपक्षीय व्यापार में 85 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और विकास साझेदारी में आपसी सहयोग बढ़ा है। रक्षा और सुरक्षा क्षेत्रों में आपसी सहयोग ने नई गति पकड़ी है। मोदी ने कहा, पिछले एक दशक में कनेक्टिविटी बढ़ी है। और आज हमारे बीच 50 से अधिक सीधी उड़ानें हैं। इसके साथ ही पर्यटन में लगातार वृद्धि हो रही है और लोगों को ई-वीजा की सुविधा भी दी गई है।

एडीआर ने निर्वाचन आयोग से लोस चुनाव में डाले गए व गिने गए मतों में कथित विसंगति का कारण पूछा

भाषा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर एडीआर ने हालिया लोकसभा चुनाव में डाले गए मतों और गिने गए मतों की संख्या में विसंगति का कारण बताने की मांग की है। चुनावी सुधार के लिए कार्यरत निकाय एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव में 538 निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गए मतों और गिने गए मतों की संख्या में विसंगति है। एक प्रेस वार्ता में सोमवार को जारी एडीआर के विश्लेषण के अनुसार, हाल के लोकसभा चुनाव में 362 संसदीय क्षेत्रों में डाले गए मतों की तुलना में कुल 5,54,598 वोट कम गिने गए जबकि 176 संसदीय क्षेत्रों में डाले गए वोट की तुलना में कुल 35,093 मत अधिक गिने गए।

एडीआर ने बृहस्पतिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और निर्वाचन आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और डॉ सुखबीर सिंह संधू को पत्र लिखकर 2024 के आम चुनाव के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में दर्ज किए गए मतों में कथित विसंगतियों पर गंभीर चिंता जताई। साल 2019 में भी इस मुद्दे को उठाया गया था जब एडीआर और कॉमन कॉज ने उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की थी।

उन्होंने निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को यह निर्देश देने की मांग की थी कि वह गहन मिलान से पहले अनंतिम आंकड़ों के आधार पर परिणामों की घोषणा करना बंद कर दे। याचिका में 2019 के लोकसभा चुनाव का हवाला दिया गया, जहां अनुमानित आंकड़ों के आधार पर परिणाम घोषित किए गए थे। एडीआर ने कहा कि दिसंबर 2019 में शीर्ष अदालत की ओर से निर्वाचन आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

पत्र में मांग की गई है कि आयोग इन विसंगतियों को दूर करने तथा चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्वाई करे। पत्र में कहा गया है, प्रत्एक वोट महत्वपूर्ण है और इसे गिना जाना चाहिए। इसमें आयोग से इन विसंगतियों के कारणों को स्पष्ट करने का आग्रह किया गया है। एडीआर ने आयोग से अनुरोध किया है कि वह उसके निष्कर्षों के आलोक में उठाए गए किसी भी कदम या कार्वाई के बारे में उसे सूचित करे। एडीआर ने भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए संवैधानिक निकाय के रूप में निर्वाचन आयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

पाठ्यपुस्तकों में बदलाव बच्चों की बौद्धिक्ता के लिए खतरा: तृणमूल कांग्रेस

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की सांसद प्रतिमा मंडल ने प्रमुख मुस्लिम शासकों से संबंधित अध्याय हटाने और एनसीईआरटी पाठ्यक्रम से 2002 के गुजरात दंगों के संदर्भ को हटाने को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि वर्तमान सरकार के तहत पाठ्यपुस्तकों में बदलाव से बच्चों की बौद्धिकता के लिए खतरा पैदा हो रहा है। शिक्षा मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए मंडल ने कहा कि सरकार की नीतियां न केवल देश के शैक्षिक मानकों को ऊपर उठाने में विफल रही हैं, बल्कि क्रमबद्ध रूप से उन मूलभूत सिद्धांतों को भी नष्ट कर दिया गया है जो छात्रों के समान अवसर और समग्र विकास को सुनिश्चित करते हैं।

मौजूदा सरकार के तहत पाठ्यपुस्तकों का क्रमिक संशोधन हमारे बच्चों की शिक्षा और बौद्धिकता के लिए खतरा पैदा करता है मंडल ने इस बात का उल्लेख किया कि वर्ष 2018 में शिक्षा राज्य मंत्री सत्यपाल सिंह ने डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत को वैज्ञानिक रूप से गलत घोषित किया था और पाठ्यक्रम में बदलाव का आह्वान किया था। डार्विन के सिद्धांत को कक्षा 9 और 10 के पाठ्यक्रम से हटा दिया गया था। 2022-23 तक इसे पाठ्यपुस्तकों से हटा दिया गया। लाखों छात्रों में अब आधुनिक जीव विज्ञान के मूलभूत सिद्धांत पर औपचारिक ज्ञान का अभाव है। टीएमसी सांसद ने कहा, एनसीईआरटी पाठ्यक्रम से प्रमुख मुस्लिम शासकों और उनके योगदान पर अध्यायों को हटाना, 2022 के गुजरात दंगों जैसी घटनाओं के संदर्भ को हटाना, महात्मा गांधी की हत्या से जुड़े घटनाक्रम की बातों को बदलना और वैज्ञानिक सिद्धांतों के बजाय पौराणिक सिद्धांतों को बढ़ावा देना, कुछ ऐसे बिंदु हैं।

झारखंड में भाजपा के अठारह विधायक विधानसभा से निलंबित, मार्शलों की मदद से बाहर निकाला गया

रांची। झारखंड में भाजपा के 18 विधायकों को बृहस्पतिवार को अशोभनीय आचरण के लिए दो अगस्त दोपहर दो बजे तक के लिए विधानसभा से निलंबित कर दिया गया तथा सदन से जाने से इनकार करने के बाद उन्हें मार्शलों की मदद से बाहर निकाला गया। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने एक दिन पहले मार्शलों द्वारा विपक्षी विधायकों को बाहर निकाले जाने के विरोध में सदन में हंगामा करने के बाद भाजपा सदस्यों के खिलाफ कार्वाई की।

ए विपक्षी विधायक बुधवार को रोजगार समेत विभिन्न मुद्दों पर उनके प्रश्नों का जवाब देने से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इनकार के खिलाफ आसन के समक्ष प्रदर्शन कर रहे थे। महतो ने कहा कि उन्हें भाजपा के 18 विधायकों को निलंबित करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि उन्होंने गुंडागर्दी की और सदन की मर्यादा का उल्लंघन किया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि भाजपा विधायकों ने पुरुष और महिला मार्शलों से दुर्व्यवहार किया और सदन के भीतर से सोशल मीडिया मंच पर वीडियो अपलोड कर नियमों का उल्लंघन किया।

उन्होंने कहा, मैं भाजपा विधायकों के आचरण से बहुत दुखी हूं। यह झारखंड के 24 साल के इतिहास में एक काला दिन है। विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी ने आरोप लगाया कि झारखंड में तानाशाही है क्योंकि भाजपा विधायकों ने सदन में बम नहीं फेंके जैसा कि 1929 में दिल्ली विधानसभा में क्रांतिकारियों ने किया था, बल्कि उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसक मार्ग का अनुसरण किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) सरकार के कहने पर भाजपा विधायकों के खिलाफ कार्वाई की गई है।

विपक्षी दल भाजपा और ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) पार्टी के विधायकों को मार्शल ने देर रात सदन से बाहर निकाल दिया था। उन्होंने अपराह्न करीब तीन बजे सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी आसन के समीप से हटने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उन्हें सदन से निकालकर परिसर में लाया गया।

कई भाजपा विधायक बुधवार रात को विधानसभा इमारत के प्रवेश द्वार के समीप परिसर के फर्श पर चादर बिछाकर और कंबल ओढ़कर सोए। सदन की कार्यवाही बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे फिर शुरू हुई। भाजपा विधायक सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले आसन के समीप आ गए और उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का इस्तीफा मांगते हुए नारे लगाए। उन्हें आसन के समक्ष कुछ दस्तावेजों को फाड़ते हुए भी देखा गया। सत्र शुरू होने से पहले सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों को बहस करते हुए भी देखा गया।

हंगामा जारी रहने पर महतो ने 18 भाजपा विधायकों को निलंबित कर दिया। जब उन्होंने निलंबित होने के बाद भी सदन से बाहर जाने से इनकार कर दिया तो अध्यक्ष ने मार्शलों को बुलाया जिन्होंने विपक्षी सदस्यों को बाहर निकाला।

अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा की आचार समिति मामले की जांच करेगी और एक सप्ताह के भीतर उन्हें एक रिपोर्ट सौंपेगी। इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। भाजपा विधायकों ने विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कहा कि अध्यक्ष ने राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत सरकार के इशारे पर लोकतंत्र की हत्या कर दी। विपक्ष के नेता अमर बाउरी ने दावा किया कि बृहस्पतिवार की कार्वाई दिखाती है कि राज्य सरकार एक तानाशाह बन गई है। बाउरी ने कहा, हम सरकार से लोगों से जुड़े मुद्दों पर प्रश्नों का जवाब देने का अनुरोध करते हैं। जो भी हुआ, वह विपक्षी विधायकों की आवाज को दबाने की कोशिश है।

यात्रियों को केदारनाथ यात्रा स्थगित करने की सलाह, बारिश से 12 लोगों की मौत

देहरादून। भारी बारिश के कारण रुद्रप्रयाग प्रशासन ने यात्रियों से बृहस्पतिवार को अपनी केदारनाथ यात्रा स्थगित करने को कहा जबकि उत्तराखंड के विभिन्न स्थानों पर बुधवार से वर्षा संबंधी घटनाओं में 12 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई और करीब छह अन्य घायल हो गए। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, नैनीताल जिले के हल्द्वानी में एक बच्चे के नाले में बहने की भी सूचना है जिसकी तलाश की जा रही है। बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे भारी बारिश से गौरीकुंडकेदारनाथ पैदल रास्ते पर भीमबली में 2025 मीटर का मार्ग बह गया तथा पहाड़ी से बड़ेबड़े पत्थर आ गए। केंद्र के अनुसार, इस दौरान वहां फंसे 450 यात्रियों को गढ़वाल मंडल विकास निगम के अतिथि गृहों एवं पुलिस चौकी में ठहराया गया था। सुबह शुरू हुए बचाव अभियान में अब तक 200 यात्रियों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है जबकि अन्य को वैकल्पिक पैदल रास्तों के जरिए वहां से निकाला जा रहा है।

केदारनाथ जाने वाले रास्ते के क्षतिग्रस्त होने के मद्देनजर रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन की ओर से यात्रियों को उनकी केदारनाथ यात्रा स्थगित करने की सलाह दी गई है। इस संबंध में एक परामर्श जारी कर कहा गया है कि केदारनाथ दर्शनों के लिए रुद्रप्रयाग तक पहुंचे तीर्थयात्री फिलहाल जहां कभी हैं, वहीं सुरक्षित रूके रहें और फिलहाल अपनी केदारनाथ धाम यात्रा को स्थगित कर दें। परामर्श में कहा गया है कि इस समय सोनप्रयाग से आगे मोटरमार्ग और पैदल मार्ग की स्थिति बिल्कुल भी सही नहीं है और मार्ग सही होने व यात्रा के सुचारू होने की सूचना अलग से दी जाएगी। सोनप्रयाग में मंदाकिनी नदी का जल चेतावनी स्तर के आसपास होने के कारण पार्किंग क्षेत्र भी खाली करवा दिया गया है। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि रायपुर क्षेत्र की एक नहर में बुधवार रात दो व्यक्ति डूब गए। उनके शव बरामद कर लिए गए हैं जिनकी पहचान सुंदर सिंह और अर्जुन सिंह राणा के रूप में हुई है। हरिद्वार जिले के रूड़की क्षेत्र के भारपुर गांव में भारी बारिश से एक मकान ढह गया जिससे उसके मलबे के नीचे दबने से चार व्यक्तियों की व्यक्तियों की मौत हो गई तथा 10 अन्य घायल हो गए जिनमें से आठ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रूड़की बस अड्डे पर देर रात करीब साढ़े 11 बजे बिजली का करंट लगने से दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। टिहरी जिले के घनसाली के जखनयाली गांव में बादल फटने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। टिहरी के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने बताया कि मलबे से भानु प्रसाद (50) और उनकी पत्नी नीलम देवी (45) के शव बरामद हुए जबकि उनके पुत्र विपिन (28) को घायल अवस्था में निकाला गया। उन्होंने बताया कि देर रात करीब दो बजे सांस लेने में शिकायत के कारण विपिन को एम्स ऋषिकेश ले जाया जा रहा था लेकिन देर रात उसने दम तोड़ दिया।

चमोली जिले की गैरसैंण तहसील के कुणखेत गांव में बीती रात भारी बारिश के दौरान अचानक पहाड़ी से आया मलबा एक मकान पर गिर गया जिससे उसमें दबकर एक महिला की जान चली गई। नैनीताल जिले के हल्द्वानी में बुधवार रात भारी बारिश से उफनाए एक नाले में एक सात वर्षीय बच्चा रिजवान बह गया। पुलिस और एसडीआरएफ द्वारा उसकी तलाश की जा रही है। मौसम विभाग से मिली सूचना के अनुसार, पिछले 24 घंटों में अकेले देहरादून में ही 172 मिमी बारिश दर्ज की गई। हरिद्वार के रोशनाबाद में सर्वाधिक 210 मिमी बारिश रिकार्ड की गई जबकि रायवाला में 163 मिमी, हल्द्वानी में 140 मिमी, हरिद्वार में 140 मिमी, रूड़की में 112 मिमी, नरेंद्र नगर में 107 मिमी, धनोल्टी में 98 मिमी, चकराता में 92 मिमी और नैनीताल में 89 मिमी बारिश दर्ज की गई। राज्य में अतिवृष्टि की स्वयं निगरानी कर रहे मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अलर्ट पर रहने को कहा है। प्रदेशवासी और राज्य में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में धामी ने कहा कि प्रदेश में बुधवार रात हुई भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर जनजीवन प्रभावित होने की सूचना मिली तथा बचाव दलों ने रात भर अभियान चलाकर लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बाद में, मुख्यमंत्री ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर बारिश की स्थिति का जायजा लिया और सचिव, आपदा प्रबंधन को जिलाधिकारियों से समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

एकनाथ शिंदे ने फडणवीस को चुनौती को लेकर उद्धव पर साधा निशाना

भाषा। मुंबई/नागपुर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी)प्रमुख उद्धव ठाकरे पर बृहस्पतिवार को निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग दूसरों को चुनौती देने की बात कर रहे हैं, उन्हें यह पता करना चाहिए कि क्या उनमें ऐसा करने की ताकत है। ठाकरे ने बुधवार को फडणवीस को चुनौती देते हुए कहा, या तो आप वहां होंगे, या मैं। ठाकरे ने कहा, अनिल देशमुख ने हाल ही में कहा था कि कैसे फडणवीस ने मुझे और (उद्धव के बेटे) आदित्य को सलाखों के पीछे डालने की योजना बनाई थी। सब कुछ सहन करने के बाद, अब मैं दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा हूं। या तो आप वहां होंगे, या मैं रहूंगा।

ठाकरे ने यह बात कहकर संकेत दिया कि दो पूर्व अच्छे मित्रों के बीच संबंध कितने कटु हो गए हैं। शिंदे ने कहा कि राजनीति में किसी को भी दूसरों को पूरी तरह से खत्म करने की बात नहीं करनी चाहिए। शिंदे ने कहा, जो लोग चुनौती देने की बात करते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि हम कहां खड़े हैं। इसके लिए किसी व्यक्ति को ताकत की जरूरत होती है। बेतरतीब टिप्पणी करने की तरह, कोई भी दूसरे को खत्म नहीं कर सकता।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने नागपुर में संवाददाताओं से कहा कि ठाकरे की भाषा उनके मानसिक दिवालियापन को दर्शाती है। बावनकुले ने कहा, ठाकरे कोंकण और मुंबई में अपनी पार्टी के गिरते मत प्रतिशत को लेकर चिंतित हैं। जिस दिन उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, उनके समर्थकों ने उनका साथ छोड़ दिया। जब वे भाजपा के साथ गठबंधन में थे, तो उन्होंने 18 लोकसभा सीट जीती थीं, लेकिन अब सीट की संख्या में गिरावट आई है। ठाकरे इतना नीचे गिरकर और फडणवीस पर हमला करके अपना मानसिक दिवालियापन दिखा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हैं और महायुति (शिवसेना, भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का सत्तारूढ़ गठबंधन) विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करेगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष (जेपी नड्डा की जगह जो अब केंद्रीय मंत्री हैं) पद पर फडणवीस के नाम पर विचार किए जाने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर बावनकुले ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि केंद्रीय नेतृत्व क्या फैसला करेगा। उन्होंने कहा, हालांकि, देवेंद्र फडणवीस के पास बहुत बड़ा संगठनात्मक अनुभव है। उन्होंने महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष के रूप में काम किया है और उन्हें राष्ट्रीय संगठनात्मक अनुभव भी है, लेकिन महाराष्ट्र को देवेंद्र फडणवीस की दृष्टि की जरूरत है।

जून से अब तक देश में दिमागी बुखार से 59 मौतें: सरकार

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि जून से देश भर में एक्यूट एंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) यानी दिमागी बुखार के 148 मामले सामने आए और 59 मरीजों की मौत हो गई। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि 51 मामलों में चांदीपुरा वायरस (सीएचपीवी) की पुष्टि हुई है। बयान के मुताबिक, 31 जुलाई तक गुजरात के 24 जिलों में 140, मध्यप्रदेश में चार, राजस्थान में तीन और महाराष्ट्र में एईएस का एक मामला दर्ज किया गया।

मंत्रालय ने बताया कि जून के आरंभ से ही गुजरात में 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) के मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) व राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के निदेशक और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक तथा मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्रीय कार्यालयों ने बृहस्पतिवार को संयुक्त रूप से स्थिति की समीक्षा की।

बयान के मुताबिक, 19 जुलाई 2024 से एक्यूट एंसेफेलाइटिस सिंड्रोम की दैनिक रिपोर्ट में नए मामलों में गिरावट का रुझान स्पष्ट है। बयान में बताया गया कि गुजरात ने मच्छर जनित रोगों के नियंत्रण के लिए कीटनाशक स्प्रे, सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी), चिकित्सा कर्मियों को रोग की जानकारी उपलब्ध कराने और नामित सुविधाओं के लिए मामलों को समय पर रेफर करने जैसे विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय किए हैं।

बयान के मुताबिक, सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय करने और प्रकोप की विस्तृत महामारी विज्ञान जांच करने के लिए गुजरात राज्य सरकार की सहायता के लिए एक राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया दल (एनजेओआरटी) को तैनात किया गया है। बयान में बताया गया कि एईएस मामलों की रिपोर्ट करने वाले पड़ोसी राज्यों का मार्गदर्शन करने के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) और राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडीसी) की ओर से एक संयुक्त परामर्श जारी किया जा रहा है।

मंत्रालय ने बताया कि चांदीपुरा वायरस (सीएचपीवी) रबडोविरिडे परिवार का सदस्य है जो देश के पश्चिमी, मध्य और दक्षिणी भागों में विशेष रूप से मानसून के मौसम में छिटपुट मामलों और प्रकोप का कारण बनता है। यह बीमारी अधिकतर 15 साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करती है। इसमें बुखार हो सकता है, जिसके कारण शरीर में ऐंठन, कोमा की स्थिति और कुछ मामलों में मृत्यु तक हो सकती है। चांदीपुरा वायरस के लिए कोई विशिष्ट उपचार उपलब्ध नहीं है और प्रबंधन लक्षणों के आधार पर किया जाता है। एक्यूट एंसेफेलाइटिस सिंड्रोम के संदिग्ध मामलों को समय पर निर्दिष्ट सुविधाओं से लैस अस्पतालों में स्थानांतरित करने से परिणामों में सुधार हो सकता है।

पेज 1 का शेष

हिमाचल/उत्तराखंड

विभाग ने फिर से बारिश की चेतावनी दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे तबाही के वीडियो लोगों को भयभीत कर रहे हैं। अधिकारिक जानकारी के अनुसार शिमला में 35, मंडी में नौ और कुल्लू में सात लोग लापता हैं। कुल्लू के जाओन व निरमंड में बादल फटने से श्रीखंड यात्रा का बेस कैंप प्रभावित हुआ है। सबसे ज्यादा तबाही शिमला जिला के रामपुर इलाके के झाकड़ी में हुई है। यहां सैलाब व भूस्खलन के कारण लापता हुए 36 लोगों की तलाश की जा रही है। झाकड़ी में समेज खड्ड में हाइड्रो प्रोजेक्ट के नजदीक बादल फटने से आये सैलाब के कारण लोगों को बचाने के लिए प्रशासन ने बचाव अभियान तेज कर दिया है। प्रशासन के मुताबिक बचाव दलों ने बाढ़ में फंसे दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया है, जबकि घटनास्थल से दो लोगों के शव बरामद हुए हैं। 36 स्थानीय लोग अभी भी लापता हैं। इनमें बच्चे व महिलाएं भी शामिल हैं। मंडी जिला के द्रंग विधानसभा क्षेत्र की थलट्ठू खोड में बादल फटने से भारी तबाही हुई है, जिनमें तीन परिवारों के नौ लोग लापता हैं, जबकि 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हुई है। मंडी के डीसी अपूर्व देवगन के अनुसार पधर उपमंडल के सभी स्कूल और शिक्षण संस्थान आज बंद कर दिए गए हैं। राहत व बचाव दलों ने एक शव बरामद किया गया है। जबकि 35 लोगों को सुरक्षित बचाया गया हैं। मंडी जिला प्रशासन ने रेस्क्यू के लिए एयर फोर्स को भी अलर्ट किया है। थल टू खेड़ा पंचायत प्रधान कली राम ने बताया कि तेरंग और राजबन गांव में बादल फटने की घटना हुई है। इससे तीन घर क्षतिग्रस्त हुए। कुल्लू की डीसी एस रवीश के मुताबिक निरमंड में बादल फटने से दो पुल ध्वस्त हुए। इनमें एक निर्माणाधीन पुल है। इसके अलावा आठ से नौ घर बह गए और सात लोग लापता हैं। राहत व बचाव दल लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू खुद राहत व बचाव कार्यों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, होम गार्ड और फायर सर्विसेज की टीमें राहत, खोज और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने मंडी, कुल्लू और शिमला जिलों के विभिन्न क्षेत्रों में बादल फटने के कारण हुए जानमाल के नुकसान पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। राज्यपाल ने संबंधित जिलों के उपायुक्तों से भी फोन पर बात की है और उनसे प्रभावितों को त्वरित राहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इस बीच बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे भारी बारिश से गौरीकुंडकेदारनाथ पैदल रास्ते पर भीमबली में 2025 मीटर का मार्ग बह गया तथा पहाड़ी से बड़ेबड़े पत्थर आ गए। केंद्र के अनुसार, इस दौरान वहां फंसे 450 यात्रियों को गढ़वाल मंडल विकास निगम के अतिथि गृहों एवं पुलिस चौकी में ठहराया गया था। सुबह शुरू हुए बचाव अभियान में अब तक 200 यात्रियों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है जबकि अन्य को वैकल्पिक पैदल रास्तों के जरिए वहां से निकाला जा रहा है। केदारनाथ जाने वाले रास्ते के क्षतिग्रस्त होने के मद्देनजर रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन की ओर से यात्रियों को उनकी केदारनाथ यात्रा स्थगित करने की सलाह दी गई है। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि रायपुर क्षेत्र की एक नहर में बुधवार रात दो व्यक्ति डूब गए। उच्चतम

न्यायालय...

ऐसा व्यवहार किया जैसे कोई गुंडा मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में घुस आया हो। उच्च न्यायालय के समक्ष उसकी पूरी दलील यह थी कि मालीवाल आरोप मनगढ़ंत हैं। सिंघवी ने कहा कि घटना के दिन वह पुलिस थाने गई थीं, फिर बिना कुछ कहे वापस आ गईं लेकिन फिर तीन दिन बाद उन्होंने प्राथमिकी दर्ज कराई। पीठ ने कहा, वह हैरान हैं, क्या एक युवती से बात करने का यह तरीका है, मालीवाल द्वारा अपनी शारीरिक स्थिति के बारे में बताने के बाद भी उसने (बिभव कुमार ने) मालीवाल के साथ मारपीट की। सिंघवी ने कहा कि अदालत मालीवाल द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के विवरण पर भरोसा कर रही है, लेकिन कुमार की शिकायत मालीवाल की मित्रवत पुलिस और दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा दर्ज नहीं की गई थी। न्यायमूर्ति कांत ने कहा, हमें आपकी आंतरिक राजनीति से मतलब नहीं है और अदालत केवल केस रिकॉर्ड और प्राथमिकी पर गौर कर रही है। मामले के रिकॉर्ड का हवाला देते हुए पीठ ने कहा कि वह इसे खुली अदालत में नहीं पढ़ना चाहती, लेकिन एक बार जब मालीवाल उसे अपनी विशेष शारीरिक स्थितियों के कारण ऐसा करने से मना किया, तो इस व्यक्ति ने उन पर हमला करना जारी रखा। पीठ ने कहा, वह खुद को क्या समझता है। क्या सत्ता उसके सिर पर चढ़ गई है। सिंघवी ने कहा कि ये सभी आरोप परीक्षण के मामले हैं और फिलहाल वह केवल जमानत का अनुरोध कर रहे हैं। मामले को उच्चतम स्तर पर ले जाने और अपराध को देखने के बाद भी वह जमानत का हकदार है, क्योंकि वह सबूतों से छेड़छाड़ नहीं कर सकता या गवाहों को प्रभावित नहीं कर सकता। पीठ ने कहा, हां, हम केवल जमानत के मुद्दे पर गौर कर रहे हैं। अगर इस तरह का व्यक्ति गवाहों को प्रभावित नहीं कर सकता, तो कौन कर सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, रिकॉर्ड देखिए, क्या ड्राइंग रूम (मुख्यमंत्री आवास) में कोई ऐसा व्यक्ति था जिसने उसके (बिभव कुमार) खिलाफ बोलने की हिम्मत की। हमें लगता है कि उसे शर्म भी नहीं आई। सिंघवी ने कहा कि मामले में आरोप-पत्र दाखिल किया जा चुका है और कुमार 75 दिनों से हिरासत में है।

राज्यों को...

जबकि न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पंकज मिथल न्यायमूर्ति सतीश चंद्र मिश्रा और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी ने अपने-अपने फैसले लिखे। न्यायमूर्ति त्रिवेदी को छोड़कर अन्य पांच न्यायाधीश प्रधान न्यायाधीश के निष्कर्षों से सहमत थे। न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने अपने 85 पन्नों के असहमति वाले फैसले में कहा कि केवल संसद ही किसी जाति को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल कर सकती है या बाहर कर सकती है, तथा राज्यों को इसमें फेरबदल करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने फैसला सुनाया कि अनुसूचित जातियां एक सजातीय वर्ग हैं, जिन्हें आगे उप-वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने लिखा, अनुच्छेद 341 के तहत अधिसूचना में अनुसूचित जातियों के रूप में सूचीबद्ध जातियों, नस्लों या जनजातियों को विभाजित/उप-विभाजित/उप-वर्गीकृत या पुनर्समूहीकृत करके किसी विशेष जाति/जातियों को आरक्षण प्रदान करने या तरजीही बर्ताव करने के लिए कानून बनाने के लिए राज्यों के पास कोई विधाई क्षमता नहीं है।

जलभराव...

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 191(2),3(5), 272,285 और 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने/लज्जा भंग संबंधी) बीएनएस 2023 के तहत रिपोर्ट दर्ज की। वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार अलग-अलग टीम बनायी गयी। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि क्राइम टीम ने अब तक छापेमारी के दौरान 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि मामले में सीसीटीवी की फुटेज के आधार पर बुधवार को ही आरोपियों में पवन यादव और सुनील कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं उनकी निशानदेही पर दो अन्य आरोपियों मोहम्मद अरबाज़ और विराज साहू को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके साथ ही अन्य आरोपियों में मो. अरबाज, विराज साहू, अर्जुन अग्रहरि, रतन गुप्ता, अमन गुप्ता, अनिल कुमार, प्रियांशु शर्मा,आशीष सिंह, विकास भंडारी, मनीष कुमार, अभिषेक तिवारी, कृष्णकांत, जयकिशन और अभिषेक की गिरफ्तारी की गयी है। अभियुक्तों के पास से पुलिस ने टीवीएस अपाचे, 2 होण्डा एक्टिवा, बजाज पल्सर, यामहा जैसे पकड़े गये वाहन को एमवी एक्ट में चालान किया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि...

उच्चतम न्यायालय में एक कैविएट भी दाखिल करेंगे। वाद की पोषणीयता को लेकर मुस्लिम पक्ष ने आपत्ति की थी कि यह वाद समय सीमा से बाधित है क्योंकि उनके पक्ष ने 12 अक्टूबर, 1968 को एक समझौता किया था और इस समझौते की पुष्टि 1974 में दिए गए एक दीवानी मुकदमे के निर्णय में की गई है। मुस्लिम पक्ष ने कहा था कि एक समझौते को चुनौती देने की समय सीमा तीन वर्ष है, लेकिन यह वाद 2020 में दायर किया गया था इसलिए मौजूदा वाद समय सीमा बाधित है। मुकदमों की पोषणीयता के संबंध में मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति जैन ने छह जून को निर्णय सुरक्षित रख लिया था। मुकदमे शाही ईदगाह मस्जिद के ढांचे को हटाकर कब्जा दिलाने और मंदिर का पुनर्निर्माण कराने की मांग के साथ दायर किए गए हैं।

सरकार सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध

आरक्षित श्रेणी के रिक्त पदों को भरा जाएगाः प्रधान

भाषा। नई दिल्ली

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सामाजिक न्याय को लेकर प्रतिबद्ध है और शिक्षण संस्थानों में आरक्षित श्रेणी के लिए रिक्त सभी पदों को भरा जाएगा। उन्होंने वर्ष 2024-25 के लिए शिक्षा मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कहा कि सरकार की नजर में भारत की हर भाषा राष्ट्रीय भाषा है। उनके जवाब के बाद अनुदानों की मांगों को सदन ने सभी कटौती प्रस्तावों को अस्वीकृत करते हुए ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान की। प्रधान ने कहा, 34 साल के बाद नई शिक्षा नीति सामने आई। इसमें कई सारी खूबियां हैं। यह भारत के नवनिर्माण, नागरिकों का भाईचारा बढ़ाने और सभी समस्याओं के समाधान के लिए दार्शनिक तत्व है। उन्होंने कहा, नई शिक्षा नीति केवल नीतिगत दस्तावेज नहीं है, बल्कि विश्व की सारी समस्याओं में भारतीय नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा, युवाओं की जनसंख्या इन दिनों सबसे ज्यादा है जब देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन हो रहा है। मंत्री ने जीडीपी का छह प्रतिशत शिक्षा बजट पर खर्च करने की कोठारी आयोग की सिफारिश का जिक्र करते हुए कहा, 2013-14 में जीडीपी का 3.84 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च होता था, 2020-21 में यह 4.64 प्रतिशत था। हम छह प्रतिशत की तरफ पहुंचेंगे, हमें विश्वास है। उन्होंने कहा कि 2013-14 में शिक्षा पर केंद्र एवं राज्यों का कुल खर्च 4.3 लाख करोड़ रुपए का था, जो अब नौ लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। प्रधान के अनुसार, 2014 में देश में विश्वविद्यालयों की संख्या 760 थी जो अब बढ़कर 1168 हो गई है। उन्होंने कहा कि आईआईटी, एनआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सबका साथ, सबका विकास की बात करती है तो उसे अमल में भी लाती है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में लड़कियों के दाखिले में दुनिया में सबसे अधिक वृद्धि भारत में हुई है। प्रधान का कहना था कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों की बच्चियों की संख्या उच्च शिक्षा में बढ़ी है। उनके मुताबिक, शिक्षा को डिग्री आधारित एवं कौशल आधारित शिक्षा की तरफ ले जाना पड़ेगा तथा आधुनिक कौशल देना पड़ेगा। प्रधान ने कहा, नवाचार भारत के बच्चों के डीएनए में है। उनका कहना था कि शिक्षा को भविष्योन्मुखी बनाना है और उसी तरह उसे जड़ों एवं परंपराओं से जोड़कर रखना होगा।

उन्होंने विभिन्न भाषाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की सभी भाषा राष्ट्रीय भाषा हैं। प्रधान के अनुसार, नई शिक्षा नीति में इस बात पर जोर दिया गया है कि अगर बच्चा अपनी मातृभाषा में पढ़ेगा तो रचनात्मक सोच की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि यह सरकार सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है तथा शिक्षण संस्थान में आरक्षित श्रेणी के रिक्त पदों को भरा जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार में ही नीट-यूजी में ओबीसी आरक्षण को लागू किया गया। उन्होंने कहा कि 2025-26 से बोर्ड परीक्षाओं को दो बार कराया जाएगा।

भाजपा सांसद ने अलीगढ़ मुस्लिम विवि में एससी, एसटी आरक्षण की मांग दोहराई

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के सांसद सतीश गौतम ने बृहस्पतिवार को सरकार से अपनी यह मांग दोहराई कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को आरक्षण मिलना चाहिए। गौतम ने लोकसभा में शिक्षा मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि देश में सबसे पहले स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शामिल काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को आरक्षण का लाभ मिलता है, लेकिन अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय एक शिक्षा मंत्री ने एएमयू को अल्पसंख्यक दर्जा देने का पत्र जारी कर दिया। गौतम ने कहा कि एएमयू जब केंद्र सरकार द्वारा संचालित संस्थान है तो यह अल्पसंख्यक संस्थान नहीं हो सकता। भाजपा सांसद ने कहा, एक तरफ कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण की बात करती है तो दूसरी तरफ उनके एक शिक्षा मंत्री ने एएमयू में यह आरक्षण समाप्त कर दिया। उन्होंने मांग की कि एएमयू में इन वर्गों के छात्रों को अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तरह आरक्षण मिलना चाहिए। वह पहले भी कई मौकों पर एएमयू का अल्पसंख्यक दर्जा समाप्त करने और संस्थान में एससी, एसटी, ओबीसी आरक्षण बहाल करने की मांग उठा चुके हैं।

रेहड़ी-पटरी कानून का ठीक से नहीं हो रहा पालनः माकन

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ने संसद में उठाई समस्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राज्यसभा सांसद अजय माकन ने बृहस्पतिवार को संसद में रेहड़ी पटरी की समस्याओं उठाते हुए कहा कि रेहड़ी पटरी आजीविका संरक्षण कानून का सही तौर पर पालन नहीं हो रहा है। माकन ने कहा, टाउन वेंडिंग कमेटी की रेगुलर मीटिंग नहीं हो रही है और सेंट्रल गवर्नमेंट इसको मॉनिटर करने में दिलचस्पी नहीं दिखा रही है। स्टेट के मंत्रियों को बुलाकर इस पर चर्चा करनी चाहिए।

राज्यसभा में कांग्रेसी नेता अजय माकन ने कहा कि रेहड़ी पटरी आजीविका संरक्षण कानून मेरे द्वारा बनाया गया था और मैंने इसे कैबिनेट से पास कराया। इसे आज पूरे देश में लागू किया जा रहा है। दुख की बात यह है कि एक तरफ प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत पैसे रेहड़ी पटरी वालों को दिए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्हीं को उजाड़ा जा रहा है, जिन्होंने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत पैसे प्राप्त किए हैं। और इससे भी अधिक दुख की बात यह है कि मेरे पास में यह पूरी लिस्ट है, जिसमें प्रधानमंत्री के लोकसभा क्षेत्र भी शामिल है। इसमें रामनगर, शीतला घाट, लंका, सारनाथ, भिखारीपुर पांच बाजार है जहां प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत पैसे मिले हैं, लेकिन अब इन्हें हटाया जा रहा है। रेहड़ी पटरी आजीविका संरक्षण कानून के धारा तीन उप धारा तीन कहता है कि किसी को हटाया नहीं जा सकता जबतक उसे सर्टिफिकेट ऑफ वेंडिंग न मिल जाए। उसके बाद वहां से क्रय-विक्रय करने का अधिकार उसे मिल जाता है। अब जब सर्टिफिकेट मिल गया है तब उन्हें क्यों हटाया जा रहा है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के दक्षिण पुरी, पानी की टंकी, पीपल चौक, विराट चौक, पुष्प विहार, मदनगीर वो इलाके हैं, जहां प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत लोगों को लोन मिल गया और सर्टिफिकेट ऑफ वेंडिंग मिल गई। लेकिन बावजूद इसके, उन्हें वहां से हटाया जा रहा है। दिल्ली में डाबरी रोड मार्केट, मंगलापुरी मार्केट, करोलबाग, अजमल खान रोड - इन सब जगहों से भी हटाया जा रहा है।

इस सूची में कोलकाता के अंदर बर्टरम स्ट्रीट, बेहाला, टेक्नोपोलिस, सेक्टर तीन, न्यू टाउन, सॉल्ट लेक और भोपाल का मिसरोद क्षेत्र, बरखेड़ा पठानी बाजार भी शामिल है। इसके अलावा उत्तराखंड रुद्रपुर के अंदर गांधी पार्क, रोड बस अड्डे, डी.डी चौक, समोसा मार्केट, देहरादून का निरंजनपुर मंडी, क्लाइमेट टाउन, भंडारी बाग भी शामि है। लोगों का कहना है कि हमें पैसे नहीं चाहिए, हमें सुरक्षा चाहिए। सुरक्षा जो हमारे कानून ने दिया है, वह रेहड़ी पटरी वालों को मिलनी चाहिए। पुलिस, लोकल बॉडी, और अन्य एजेंसियों द्वारा उनसे पैसे लिए जाते हैं।

कुमारस्वामी कल कर्नाटक सरकार के खिलाफ पदयात्रा में शामिल होंगेः भाजपा

नई दिल्ली। (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सहयोगी दल जनता दल (सेक्युलर) को कर्नाटक में कथित एमयूडीए घोटाले के खिलाफ अपनी पदयात्रा में शामिल होने के लिए मना लिया और कहा कि जद(एस) नेता व केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी तीन अगस्त को बेंगलुरु से शुरू होने वाली पदयात्रा का हिस्सा होंगे। यह घटनाक्रम बुधवार को जद (एस) द्वारा मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी सहित अन्य को भूखंड आवंटित करने में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रस्तावित पदयात्रा से पीछे हटने के एक दिन बाद हुआ है। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और राज्य में पार्टी मामलों के प्रभारी भाजपा महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल ने पत्रकारों से बातचीत में कुमारस्वामी के यात्रा से बाहर रहने की पूर्व घोषणा को ज्यादा तवज्जो नहीं दी। कुमारस्वामी ने भाजपा नेता प्रीतम गौड़ा का नाम पदयात्रा के मुख्य आयोजक के रूप में लिए जाने पर नाराजगी व्यक्त की थी। प्रीतम ने कुमारस्वामी के भतीजे प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित सेक्स स्कैंडल को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सूत्रों ने बताया कि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने कुमारस्वामी से मुलाकात कर उन्हें यात्रा में शामिल होने के लिए मनाया। अग्रवाल ने राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एकजुटता को रेखांकित करते हुए कहा कि भाजपा और जद(एस) दोनों दल तीन अगस्त से 10 अगस्त तक बेंगलुरु से मैसूर तक पदयात्रा का आयोजन कर रहे हैं ताकि एमयूडीए द्वारा भूखंडों के कथित धोखाधड़ी वाले आवंटन का विरोध किया जा सके। प्रीतम की मौजूदगी को लेकर कुमारस्वामी की नाराजगी के बारे में पूछे जाने पर अग्रवाल ने कहा कि यह यात्रा पार्टी के संगठन का कार्यक्रम है और इसमें किसी व्यक्ति को आमंत्रित नहीं किया जाता। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के तौर पर विजयेंद्र और राज्य में अपनी पार्टी के चेहरे के तौर पर कुमारस्वामी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी इस यात्रा का अहम हिस्सा हैं और तीन अगस्त को वहां होंगे। अग्रवाल ने बसंगौड़ा पाटिल यतनाल समेत भाजपा के असंतुष्ट नेताओं के दावों को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा जैसी बड़ी पार्टी में अलग-अलग विचार हो सकते हैं। यतनाल ने आरोप लगाया है कि सिद्धरमैया को हटाने के लिए विजयेंद्र कांग्रेस नेता और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के साथ मिले हुए हैं। अग्रवाल ने कहा कि पदयात्रा कांग्रेस नीत सरकार के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों के गुस्से को आवाज देगी।

एएफएचक्यू नागरिक सेवा सशस्त्र बलों, सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम कर सकती है

नई दिल्ली। (भाषा) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि सशस्त्र बल मुख्यालय (एएफएचक्यू) नागरिक सेवा सशस्त्र बलों और सरकार को जोड़ने में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम कर सकती है। उन्होंने कहा कि इस सेवा को मजबूत करने की जरूरत है। सशस्त्र बल मुख्यालय (एएफएचक्यू) दिवस पर अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने नागरिक सेवाओं को शासन का स्टील फ्रेम भी करार दिया। एएफएचक्यू दिवस हर साल एक अगस्त को उन कर्मियों की भूमिका को मान्यता देने के लिए मनाया जाता है जो मुख्य रूप से तीन एकीकृत सेना मुख्यालयों, एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय और रक्षा मंत्रालय के 24 अंतर-सेवा संगठनों में सैन्य कर्मियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इसका उद्देश्य एएफएचक्यू कैडरों के उन नागरिक कर्मचारियों की समूह भावना को बढ़ावा देना है, जो शांति एवं युद्ध, दोनों काल के दौरान सेना मुख्यालय और रक्षा मंत्रालय के बीच एक पुल की भूमिका निभाते हैं। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में यह भी आग्रह किया कि जो लोग शालीनता और विनम्रता के साथ काम करते हैं, वे जीवन में आगे बढ़ते हैं। उन्होंने आगाह किया कि किसी को अहंकार नहीं रखना चाहिए तथा अन्य लोगों से भी विचार लेने के लिए तैयार रहना चाहिए तथा एक टीम के रूप में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, देश की प्रशासनिक व्यवस्था में नागरिक सेवाओं की भूमिका को देखते हुए अगर नागरिक सेवाओं को प्रशासनिक व्यवस्था का स्टील फ्रेम कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। अगर

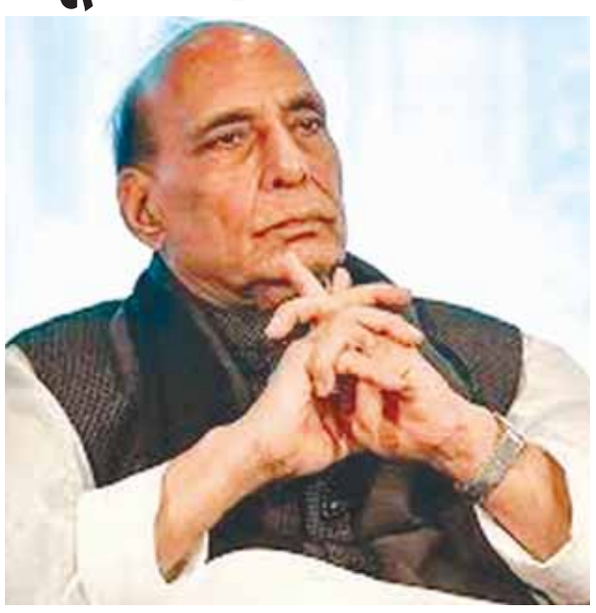

नागरिक सेवाएं स्टील फ्रेम हैं तो इसका फायदा रक्षा मंत्रालय को एएफएचक्यू सिविल सेवा के रूप में मिलता है। उन्होंने कहा, आप सशस्त्र बलों और सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। बेहतर दक्षता के लिए अपनी क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने की जरूरत है।

नई दिल्ली में 83वें एएफएचक्यू नागरिक सेवा दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, कमान मुख्यालय और सेवा मुख्यालय से लेकर रक्षा मंत्रालय तक, सशस्त्र बलों और सिविल सेवाओं को एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है, जो आप कर रहे हैं। उन्होंने एएफएचक्यू नागरिक सेवाओं के कर्मियों से आह्वान किया कि वे आज के तेजी से बदलते समय में कुशल नीति निर्माण और कार्यान्वयन तथा रक्षा मंत्रालय में किए जा रहे सुधारों के क्रियान्वयन के लिए अपने कौशल को बढ़ाते रहें। इस अवसर पर रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठीअ वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी, सचिव (पूर्व सैनिक कल्याण) डॉ. नितेन चंद्रा, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ असैन्य व सैन्य अधिकारी उपस्थित थे। एएफएचक्यू कैडर की नींव एक अगस्त, 1942 को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के नियंत्रण में रक्षा मंत्रालय एवं वित्त (रक्षा) के विभिन्न सेवा मुख्यालयों व सचिवालय के तहत अलग-अलग संस्थाओं के रूप में तत्कालीन समय में विकेन्द्रीकृत नागरिक पदोंकैडर संचालन को व्यवस्थित करके रखी गई थी।

सीमा पर बीएसएफ ने नाकाम की घुसपैठ की कोशिश-घुसपैठिया ढेर

सांबाजम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को ढेर कर दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि जो कोई भी नापाक इरादे से भारत की धरती पर कदम रखेगा उसका यही हश्र होगा। अधिकारियों ने बताया कि 45 वर्षीय गैरहथियारबंद घुसपैठिया बुधवार देर रात पाकिस्तान की तुगलियालपुर चौकी से इस ओर घुस आया था और उसे मंगूचक क्षेत्र में खोरा चौकी के पास मार गिराया गया। बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक डी के बूरा ने घटनास्थल के पास संवाददाताओं को बताया, रात करीब 10.15 बजे अग्रिम ड्यूटी बिंदू (सीमा सुरक्षा बल की) से पाकिस्तान से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर रहे एक व्यक्ति की गतिविधि देखी गई। उसकी गतिविधि पर नजर रखी गई और जब वह इस तरफ घुसा तो उसे चुनौती दी गई। भारी बारिश के बावजूद बूरा ने बीएसएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ सुबह क्षेत्र का दौरा किया और सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। बूरा ने कहा, घुसपैठिए ने भागने की कोशिश की लेकिन सतर्क कर्मियों ने गोली चलाकर उसे ढेर कर दिया। इलाके की तलाशी अब भी जारी है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि घुसपैठिए को जानबूझकर और सुरक्षा में किसी प्रकार की खामी का पता लगाने के लिए भेजा गया था जिसका लाभ उठाकर बाद में सशस्त्र आतंकवादियों को भेजा जा सके।

13 लाख से अधिक भारतीय छात्र विदेश में उच्च अध्ययन कर रहे हैं

नई दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को संसद को बताया कि 13 लाख से अधिक भारतीय छात्र वर्तमान में विदेश में उच्च अध्ययन कर रहे है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा में यह जानकारी साझा की। उनसे पूछा गया था कि क्या सरकार अध्ययन के लिए विदेश जाने वाले प्रवासी छात्रों के आंकड़े रखती है। अपने जवाब में सिंह ने अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर, रूस, इजरायल और यूक्रेन सहित 108 देशों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों का देशवार विवरण साझा किया।साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, अभी 13,35,878 भारतीय छात्र विदेश में उच्च अध्ययन कर रहे है।उनके अनुसार 2023 में यह आंकड़ा 13,18,955 था जबकि यह 2022 में 9,07,404 था।

झारखंड के लातेहार में करंट लगने से पांच कांवड़ियों की मौत

लातेहार (झारखंड)। झारखंड के लातेहार जिले में कांवड़ियों के वाहन के उच्च वोल्टेज वाले तार के संपर्क में आने से बृहस्पतिवार तड़के दो नाबालिग सहित पांच कांवड़ियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा बालूमाथ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तम तम टोला में तड़के करीब तीन बजे हुआ। घटना में तीन लोग झुलस भी गए। कांवड़िए देवघर के बाबा बैद्यनाथ मंदिर से लौट रहे थे तभी उनका वाहन बिजली के खंभे से टकरा गया। बालूमाथ के उप-मंडल पुलिस अधिकारी आशुतोष कुमार सत्यम ने पीटीआई-भाषा को बताया, उच्च वोल्टेज वाला तार उनके वाहन पर गिर गया, जिससे पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य झुलस गए। बाद में, एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में पांच लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में से चार की पहचान रंगीली कुमारी (12), अंजलि कुमारी (15), दिलीप उरांव (29) और सबिता देवी (30) के रूप में की गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हादसे में पांच कांवड़ियों की मौत पर शोक व्यक्त किया।

आधा मानसून गुजर गया, 25 प्रतिशत क्षेत्रों में वर्षा की कमी

नई दिल्ली। मॉनसून का मौसम करीब आधा बीत चुका है और भारत के मौसम संबंधी 36 उपखंडों में से 25 प्रतिशत में कम बारिश दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में देश में सामान्य यानी 280.5 मिमी से नौ प्रतिशत अधिक बारिश हुई जो 306.6 मिमी है। एक जून से 445.8 मिमी की सामान्य बारिश के मुकाबले 453.8 मिमी वर्षा हुई, जो दो प्रतिशत अधिक है। जुलाई में बारिश असमान रही। पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में बारिश में काफी कमी दर्ज की गई। हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में बारिश में कमी 35 प्रतिशत से 45 प्रतिशत तक रही। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, 13 उपखंडों में औसत से अधिक बारिश, 14 में सामान्य और नौ में कम बारिश दर्ज की गई।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक ने नए आउटलेट खोले

मुंबई। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के दयालबाग , भिटनी दुधारी उर्फ नाथनगर, रामकोला और अतरामपुर उर्फ नवाबगंज, उत्तर प्रदेश में अपने नए आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की। इस लॉन्च के साथ, बैंक ने उत्तर प्रदेश में 200 और पूरे देश में 929 बैंकिंग आउटलेट तक पहुंच बना ली है।बैंक के विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, गोविंद सिंह, एमडी और सीईओ, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने कहा, हम उत्तर प्रदेश में हमारे 200वें बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन के इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर तक पहुंचकर उत्साहित हैं। भिटनी दुधारी उर्फ नाथनगर, रामकोला, और अतरामपुर उर्फ नवाबगंज, जो अपनी सांस्कृतिक धरोहर और आर्थिक क्षमता के लिए जाने जाते हैं, विकास के उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। इन बैंकिंग आउटलेट्स के उद्घाटन से न केवल स्थानीय समुदायों को आवश्यक बैंकिंग सेवाएं प्राप्त करने में सहायता मिलेगी बल्कि यह आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने और स्थानीय जनता को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

न्युवोको विस्टास ने बिक्री और लाभ में बढ़ोतरी दर्ज की

मुंबई। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की एक प्रमुख निर्माण सामग्री कंपनी ने 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही में बिक्री, आय और लाभ में बढ़ोतरी घोषणा की है। इसके साथ ही कंपनी ने वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के अनऑडिटेड विस्तृत वित्तीय नतीजों को जारी किया है। 25 एमएमटीपीए की संयुक्त स्थापित क्षमता के साथ, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड भारत में पांचवां सबसे बड़ा सीमेंट समूह है और पूर्वी भारत में अग्रणी सीमेंट कंपनियों में से एक है।वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में कंपनी की कंसोलिडेटेड सीमेंट बिक्री मात्रा 4.8 एमएमटी रही। इसी अवधि के दौरान ऑपरेशंस से कंसोलिडेटेड आय 2,636 करोड़ रुपये रही। पहली तिमाही के लिए कंसोलिडेटेड एबिटिडा 348 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के संपूर्ण प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए जयकुमार कृष्णास्वामी, प्रबंध निदेशक, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि कंपनी ने कमजोर मांग वाली तिमाही को पार किया है, जिसमें चुनाव, मौसम संबंधी कारक और मूल्य निर्धारण पर निरंतर दबाव जैसी प्रमुख चुनौतियां थीं। इन चुनौतियों के बावजूद, मूल्यों को बेहतर बनाए रखना, लागत को न्यूनतम और नियंत्रण में रखना और ऑपरेशनल कुशलता जैसी रणनीतिक प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित रहा। कंपनी पिछली 11 तिमाहियों में सबसे कम मिक्स फ्यूल लागत 1.57 रुपये/एमसीएएल पर पहुंच गई है।

कांग्रेस ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए एएमयू और जामिया में एससी-एसटी आरक्षण समाप्त किया था

नई दिल्ली। (भाषा) शिक्षा क्षेत्र में आरक्षण के मुद्दों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद संबित पात्रा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी दल ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और जामिया मिल्लिया इस्लामिया से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का आरक्षण समाप्त किया था। लोकसभा में शिक्षा मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए पात्रा ने कहा कि कांग्रेस के लोग आरक्षण पर आंसू बहाते हैं, लेकिन वे जवाब दें कि क्या यह सच नहीं है कि केंद्र द्वारा वित्तपोषित एएमयू और जामिया संस्थानों में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए प्रदत्त आरक्षण को समाप्त कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए 1981 में एएमयू में एससी और एसटी के आरक्षण को समाप्त कर दिया। कांग्रेस ने 2011 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में

एससी और एसटी आरक्षण समाप्त कर दिया। पात्रा ने पेपर लीक को लेकर विपक्षी सदस्यों के आरोपों पर कहा, पेपर लीक पर आरोप लगाने से पहले वे अपने गिरेबान में झांकें जो पाप ही पाप से भरा पड़ा है। उन्होंने 2006 से लेकर 2014 तक केंद्र की पूर्ववर्ती संप्रग सरकार में पिछले कुछ साल में विभिन्न कांग्रेस शासित राज्यों में प्रश्नपत्र लीक के अनेक उदाहरण गिनाए। भाजपा सांसद ने कहा, इस सरकार ने गत फरवरी में पेपर लीक को रोकने के लिए एक विधेयक सदन में रखा है। इसमें दस साल तक की जेल का और एक करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि इस बार के केंद्रीय बजट में शिक्षा, कौशल और उद्यमिता तथा रोजगार विषयों पर बहुत जोर दिया गया है। पात्रा ने आरोप लगाया कि विपक्ष 34 वर्ष तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर चुप्पी साधे रहा और 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने के बाद भाजपा के घोषणापत्र में किए गए एनईपी के वादे को पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के प्रति सम्मान और शिक्षा को लेकर समग्रता की सोच है। पात्रा ने कहा कि मोदी सरकार में प्राथमिक शिक्षा में विद्यार्थियों के पंजीकरण में 3 प्रतिशत से अधिक वृद्धि, शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात में 9 प्रतिशत की वृद्धि, दिव्यांग बच्चों के लिए सुविधाओं वाले स्कूलों में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र ओडिशा के पुरी में शांतिनिकेतन जैसे विश्वस्तरीय केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग की। चर्चा में भाग लेते हुए लोक जनशक्ति (राम विलास) के राजेश वर्मा ने कहा कि बजट के माध्यम से सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को मजबूती देने का प्रयास किया है। उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालयों के अनुदान के लिए आवंटन में 4000 करोड़ रुपए से अधिक की वृद्धि का उल्लेख किया। तेलुगु देशम पार्टी के श्रीभरत मतुकुमिल्ली ने नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए इसे देश के सतत विकास में सहायक करार दिया। उन्होंने आंध्र प्रदेश में स्थित विभिन्न केंद्रीय शिक्षण संस्थानों के लिए पर्याप्त सहयोग दिए जाने को लेकर सरकार की सराहना की तथा सहयोग जारी रखने का आग्रह किया। जनता दल यूनाइटेड के सुनील कुमार ने भी नई शिक्षा नीति को सरकार का एक बेहतरीन कदम बताया और कहा कि इससे बच्चे बस्ते के बोझ से उबर सकेंगे।

बीजद छोड़ने के एक दिन बाद ममता मोहंता भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। (भाषा) बीजू जनता दल (बीजद) की पूर्व नेता ममता मोहंता राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने और नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली पार्टी छोड़ने के एक दिन बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। मोहंता यहां भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह और ओडिशा प्रभारी विजय पाल सिंह समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुईं। इस अवसर पर ओडिशा के कुछ भाजपा सांसद भी मौजूद थे। मोहंता का पार्टी में स्वागत करते हुए भाजपा के ओडिशा प्रभारी विजय पाल सिंह ने कहा कि उनके शामिल होने से पार्टी को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह भारत को एक विकसित देश और ओडिशा को एक विकसित राज्य बनाने के लिए पार्टी के संकल्प पत्र के क्रियान्वयन में योगदान देंगी। विजय पाल सिंह ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, वह (ओडिशा में) आदिवासी क्षेत्र से आती हैं। उनके पार्टी में शामिल होने से भाजपा को निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने भी मोहंता का स्वागत किया और कहा कि वह भाजपा की विचारधारा को अपनाते हुए पार्टी में शामिल हुई हैं। अरुण सिंह ने संवाददाताओं से कहा, उन्होंने मयूरभंज और ओडिशा के कई अन्य हिस्सों में महिला सशक्तिकरण के लिए बहुत काम किया है।

भारत एक जिम्मेदार भूमिका निभाना चाहता है : बाइडन प्रशासन

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने भारत को एक महान शक्ति बताते हुए सांसदों से कहा कि नई दिल्ली विश्व स्तर पर एक जिम्मेदार भूमिका निभाना चाहता है। उप विदेश मंत्री कर्ट कैम्पबेल ने मंगलवार को हिंद-प्रशांत से परे अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा पर एक सुनवाई के दौरान ए टिप्पणियां कीं। उन्होंने उन खबरों के बीच ए टिप्पणियां की है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यूक्रेन पर रूस के युद्ध को खत्म करवाने के नवीन वैश्विक प्रयासों की पृष्ठभूमि में इस महीने कीव की यात्रा कर सकते हैं। कैम्पबेल ने सीनेट की विदेश संबंध समिति के सदस्यों से कहा, यह ध्यान रखना होगा कि भारत भी एक महान शक्ति है। उसका अपना दृष्टिकोण तथा अपने हित हैं। वे कभी अमेरिका के औपचारिक सहयोगी या साझेदार नहीं होंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वैश्विक मंच पर सहयोगी देशों के रूप में हमारे रिश्ते मजबूत नहीं हो सकते। वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक के लिए प्रधानमंत्री मोदी की हाल की मॉस्को यात्रा के बारे में सीनेटर जेम्स रिच के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, आपने रूस के संबंध में जो भी प्रभावी ढंग से कहा है, मैं उसमें सीधे तौर पर कुछ और नहीं कहने जा रहा हूं। मुझे लगता है कि हम यूक्रेन से भारत के और प्रत्यक्ष तौर पर बातचीत करने की खबरें सुन सकते हैं। मैं उसके लिए आभारी हूं। मुझे लगता है कि भारत विश्व स्तर पर जिम्मेदार भूमिका निभाना चाहता है।

भारत ने क्षेत्र में तनाव के मद्देनजर अपने नागरिकों को लेबनान छोड़ने का सख्त परामर्श जारी किया

दुबई। लेबनान की राजधानी बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने बृहस्पतिवार को भारतीय नागरिकों को अगले आदेश तक इस पश्चिमी एशियाई देश की यात्रा न करने तथा इजराइल और चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर देश छोड़ने को लेकर सख्त परामर्श जारी किया है। पिछले वर्ष आठ अक्टूबर से इजराइल-लेबनान सीमा पर इजराइली सैनिकों और हिज़्बुल्ला के बीच संघर्ष हो रहा है। इजराइल ने मंगलवार को दक्षिणी बेरूत में हिजबुल्ला के शीर्ष सैन्य कमांडर फौद शुकूर को निशाना बनाया। बाद में, इजराइल ने पुष्टि की कि उसने शुकूर को मार गिराया है। इजराइल का दावा है कि उसके कब्जे वाले गोलान हाइट्स क्षेत्र में सप्ताहांत रॉकेट से किए गए हमले में शुकूर का हाथ था जिसमे 12 युवक मारे गए थे। बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक परामर्श मे कहा, क्षेत्र में हाल के घटनाक्रम और संभावित खतरों के मद्देनजर, भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक लेबनान की यात्रा न करने की सख्त सलाह दी जाती है। इसमे कहा गया, सभी भारतीय नागरिकों को लेबनान छोड़ने का कड़ा परामर्श दिया जाता है। भारतीय दूतावास ने एक्स पर जारी परामर्श मे कहा, जो लोग किसी भी कारण से यहां रहते है, उन्हे सावधानी बरतने, अपनी गतिविधियों को सीमित रखने तथा बेरूत स्थित भारतीय दूतावास से अपने ईमेल या आपातकालीन फोन नंबर 96176860128 के माध्यम से संपर्क मे रहने की सलाह दी जाती है। दूतावास ने यह परामर्श बुधवार को ईरान मे हमास नेता इस्माइल हनिया के मारे जाने और इससे कुछ घंटे पहले बेरूत में इजराइल द्वारा शुकूर को मार गिराए जाने के बाद जारी किया। इन दोनो घटनाओ से पश्चिम एशिया मे स्थिति और खतरनाक हो गई है।

ट्रंप ने हैरिस की पहचान पर सवाल उठाया : वह अश्वेत हैं या भारतीय?

भाषा। वाशिंगटन

रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कमला हैरिस के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी करते हुए उनसे पूछा कि वह भारतीय हैं या अश्वेत। इस पर डेमोक्रेटिक पार्टी की उनकी प्रतिद्वंद्वी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और पूर्व राष्ट्रपति की टिप्पणी को विभाजनकारी और अनादर का वही पुराना राग अलापना बताया। ट्रंप (78) ने झूठा दावा किया कि उपराष्ट्रपति हैरिस ने केवल अपनी एशियाई-अमेरिकी विरासत पर ही जोर दिया है जबकि उन्होंने दावा किया कि वह एक अश्वेत हैं। ट्रंप ने बुधवार को शिकागो में नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्लैक जर्नलिस्ट्स सम्मेलन में कहा, मैं उन्हें लंबे समय से अप्रत्यक्ष रूप से जानता हूं। वह हमेशा से भारतीय मूल की बताती थीं और केवल भारतीय मूल को बढ़ावा दे रही थीं। कई साल पहले तक मुझे नहीं पता था कि वह अश्वेत हैं, अब वह अश्वेत के रूप में पहचान बनाना चाहती हैं। उन्होंने कहा, तो मुझे नहीं पता वह भारतीय हैं या वह अश्वेत हैं? हैरिस की मां मूल रूप से भारत की हैं और उनके पिता जमैका से हैं।

दक्षिण एशियाई अमेरिकी राज्यों के निर्वाचित नेताओं, स्थानीय नेताओं ने कमला हैरिस का समर्थन किया

न्यूयॉर्क। दक्षिण एशियाई अमेरिकी राज्यों के निर्वाचित नेताओं तथा स्थानीय नेताओं ने अमेरिका मे राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस की उम्मीदवारी का समर्थन किया। नेताओ ने राष्ट्रपति पद के लिए हैरिस के नाम का समर्थन करते हुए कहा कि एक प्रवासी भारतीय महिला की बेटी होने के नाते वह निष्पक्ष और अधिक समावेशी आव्रजन प्रणाली तैयार करेंगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका मे पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव मे उपराष्ट्रपति हैरिस की जीत सभी एशियाई अमेरिकियों, अश्वेत समुदायो और महिलाओ को एक शक्तिशाली संदेश देगी। इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट फंड द्वारा जारी एक बयान मे कहा गया, दक्षिण एशियाई निर्वाचित नेताओं के तौर पर हम अमेरिका की पहली दक्षिण एशियाई अमेरिकी महिला राष्ट्रपति बनने की ऐतिहासिक कोशिश मे कमला हैरिस का गर्व से समर्थन करते है।

हमास की सैन्य शाखा प्रमुख मोहम्मद जेफ भी मारा गया

मारे जाने की पुष्टि हो गई है: इजराइल

भाषा। यरूशलम

इजराइल की सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस बात की पुष्टि हो गई है कि हमास की सैन्य शाखा का प्रमुख मोहम्मद ज़ेफ़ जुलाई में गाजा में हुए एक हवाई हमले में मारा जा चुका है। इजराइल ने 13 जुलाई को ज़ेफ़ को निशाना बनाते हुए गाजा के खान यूनिस शहर के बाहरी इलाकों में हमले किए थे, लेकिन ज़ेफ़ की मौत की तत्काल पुष्टि नहीं हो पाई थी। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने उस समय कहा था कि हमले में 90 से अधिक लोगों की मौत हुई है, जिनमें आसपास के तंबुओं में रह रहे विस्थापित लोग भी शामिल हैं। इजराइली सेना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि खुफिया जानकारी के विश्लेषण के बाद इस बात की पुष्टि हो गई है कि मोहम्मद ज़ेफ़ हमले में मारा जा चुका है। वर्ष 1990 में हमास की सैन्य शाखा कस्साम ब्रिगेड की स्थापना के समय से इसके सदस्य रहे ज़ेफ़ ने दशकों तक इसका नेतृत्व किया। ज़ेफ़ के नेतृत्व में कस्साम ब्रिगेड ने इजराइल के खिलाफ दर्जनों आत्मघाती हमले किए।

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने हमास नेता हनिएह के जनाजे के पास खड़े होकर नमाज-ए-जनाजा पढ़ी

बेरूत। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके समर्थित फलस्तीनी मिलिशिया के प्रतिनिधियो ने बृहस्पतिवार को हमास नेता इस्माइल हनिएह और उनके अंगरक्षक के जनाजे के पास खड़े होकर नमाज-ए-जनाजा पढ़ी। हनिएह और उसका अंगरक्षक एक हवाई हमले में मारे गए थे जिसका आरोप इजराइल पर लगाया गया है। इस हमले से एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का खतरा उत्पन्न हो गया है। खामेनेई ने तेहरान विश्वविद्यालय में हनिएह के जनाजे के पास खड़े होकर नमाज-ए-जनाजा पढ़ी, जबकि ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान उनके बगल में खड़े थे। बाद में सरकारी टेलीविजन ने हनिएह और उनके अंगरक्षक के ताबूतों को एक ट्रक मे रखकर तेहरान मे आजादी चौक की ओर ले जाते हुए दिखाया और लोगो ने उन पर फूल बरसाए। तेहरान में नमाज-ए-जनाजा पढ़े जाने के बाद, हनिएह के शव को शुक्रवार को दफनाने के लिए कतर ले जाया जाएगा। हनिएह तेहरान में पेजेश्कियान के शपथ ग्रहण समारोह मे शामिल होने आए थे। एसोसिएटेड प्रेस की तस्वीरो मे हमास नेता को फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद चरमपंथी समूह और हिजबुल्लाह के नेताओं के साथ बैठे हुए दिखाया गया था और ईरानी मीडिया ने हनिएह और पेजेश्कियान को गले मिलते हुए दिखाया था। हनिएह ने पहले खामेनेई से मुलाकात की थी।कुछ घंटो बाद, हनिएह हवाई हमले मे मारा गया। इस हमले में हनिएह का तेहरान में स्थित आवास नष्ट हो गया। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि हमले की जांच की जा रही है, लेकिन उन्होने विस्तृत जानकारी नही दी।

चीन ने घायल चीनी नाविक को बचाने के लिए भारतीय नौसेना के प्रति हार्दिक आभार जताया

बीजिंग। चीन ने बृहस्पतिवार को मुंबई तट के पास समुद्र में एक मालवाहक जहाज से गंभीर रूप से घायल एक चीनी नाविक को बचाने और समय पर उसका उपचार कराने के लिए भारतीय नौसेना के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। भारतीय नौसेना के हेलीकॉप्टर ने 24 जुलाई को खराब मौसम के बीच मुंबई से करीब 370 किलोमीटर दूर समुद्र में गंभीर रूप से घायल 51 वर्षीय चीनी नाविक को बाहर निकाला और उसका उपचार कराया। इस नाविक का कथित रूप से बहुत अधिक रक्तस्राव हो चुका था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां प्रेसवार्ता के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, भारतीय पक्ष तत्काल उसके बचाव के लिए आगे आया और उसने समय से उसका इलाज कराया। चीन में अब उसकी हालत ठीक है और उसकी तबीयत धीरे-धीरे सुधर रही है। लिन ने कहा, चीनी पक्ष भारतीय पक्ष के उनसभी विभागों एवं कर्मियों के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता है जिन्होंने मौके पर विपरीत परस्थितियों के बावजूद यह मानवीय अभियान चलाया। भारतीय नौसेना के हेलीकॉप्टर ने 24 जुलाई को तड़के पनामा के झंडे वाले जहाज झोंग शान मेन से गंभीर रूप से घायल चीनी नाविक को बाहर निकाला और उसे वायुसेना के एक अड्डे पर पहुंचाया।

अमेरिका-रूस ने सोवियत इतिहास के बाद गेर्शकोविच और व्हेलन के साथ बंदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका और रूस ने सोवियत इतिहास के बाद बृहस्पतिवार को बंदियों की अपनी सबसे बड़ी अदला-बदली पूरी की। इसके अंतर्गत मॉस्को ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के रिपोर्टर इवान गेर्शकोविच और मिशिगन के कॉर्पोरेट सुरक्षा कार्यकारी पॉल व्हेलन को एक बहुराष्ट्रीय समझौते के तहत रिहा करने का फैसला किया। तुर्किए के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी जहां बंदियों की अदला-बदली से संबंधित समझौते पर काम हुआ। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत एक-दूसरे के यहां जेलों में बंद लगभग दो दर्जन लोग मुक्त किए जाएंगे। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण किए जाने के कारण शीतयुद्ध के बाद वाशिंगटन और मॉस्को के बीच संबंध सबसे निचले स्तर पर आ गए थे, लेकिन इसके बावजूद बंदियों की अदला-बदली के लिए पिछले दरवाजे से गुप्त बैठकें होती रहीं। अमेरिका को अपने नागरिकों की रिहाई के लिए एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। रूस ने पश्चिम में गंभीर अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए अपने नागरिकों की रिहाई पत्रकारों, असंतुष्टों और अन्य पश्चिमी बंदियों को मुक्त करने के बदले में सुनिश्चित कर ली। व्हाइट हाउस ने समझौते पर तुरंत कोई विवरण जारी नहीं किया। रेडियो फ्री यूरोपरेडियो लिबर्टी के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्याधिकारी स्टीफन कैपस ने ऑनलाइन पोस्ट किए गए एक बयान में मीडिया में आई इन खबरों को स्वीकार किया कि प्रसारक के लिए काम करने वाले पत्रकार अलसु कुर्माशेवा को समझौते के तहत रिहा किया जाएगा।

अराजकतावादियों ने श्रीलंका जैसी स्थिति पैदा करने की कोशिश की: हसीना

भाषा। ढाका

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बुधवार को यहां भारतीय उच्चायुक्त से कहा कि हाल में आरक्षण में सुधार को लेकर शुरू हुए आंदोलन के दौरान अराजकतावादियों ने देश में श्रीलंका जैसी अराजकता पैदा करने और उनकी सरकार को गिराने की कोशिश की। बांग्लादेश में हाल ही में पुलिस और मुख्य रूप से छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें देखने को मिली थीं। प्रदर्शनकारी विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे थे जिसके तहत 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वाले लड़ाकों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा से अपने सरकारी आवास गणभवन में मुलाकात के दौरान हसीना ने कहा, वास्तव में, उन्होंने (अराजकतावादियों ने) श्रीलंका जैसी हिंसा फैलाने और सरकार को हटाने की योजना बनाई थी। श्रीलंका 2022 में अभूतपूर्व आर्थिक संकट से जूझ रहा था जहां विदेशी मुद्रा भंडार नगण्य होने के कारण महंगाई आसमान छू रही थी और देश में ईंधन, भोजन और दवाओं की कमी हो गई थी। आर्थिक उथल-पुथल के कारण महीनों तक सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन हुए जिसकी वजह से अंततः तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को अपना पद छोड़ना पड़ा। इससे पहले दिन में, हसीना ने कहा कि उनकी सरकार ने हाल ही में आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान हुई देशव्यापी हिंसा की उचित जांच करने तथा हमलों में शामिल वास्तविक दोषियों को दंडित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों से सहयोग मांगा है।

बांग्लादेश ने जमात-ए-इस्लामी, पार्टी की छात्र शाखा इस्लामी छात्र शिबिर पर प्रतिबंध लगाया

भाषा। ढाका

बांग्लादेश ने देशव्यापी अशांति के चलते जन सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरे का हवाला देते हुए आतंकवाद रोधी कानून के तहत जमात-ए-इस्लामी और इसकी छात्र शाखा इस्लामी छात्र शिबिर पर बृहस्पतिवार को प्रतिबंध लगा दिया। गृह मंत्रालय के सार्वजनिक सुरक्षा प्रभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना में इस्लामिस्ट पार्टी पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की गई। यह पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रमुख सहयोगी है। जमात, छात्र शिबिर और अन्य संबद्ध समूहों पर प्रतिबंध आतंकवाद रोधी कानून की धारा 18(1) के तहत एक आदेश के माध्यम से लगाया गया। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बृहस्पतिवार को कहा, उन्होंने (जमात-शिबिर और बीएनपी) छात्रों को अपनी ढाल के रूप में इस्तेमाल किया। प्रधानमंत्री हसीना ने यह बात तब कही जब इतालवी राजदूत एंटोनियो एलेसांद्रो ने यहां उनके सरकारी आवास गणभवन में उनसे मुलाकात की। बांग्लादेश सरकार ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर देशभर में हुए छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार को जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया।

कैंसर का निदान विनाशकारी, कुछ घबराते हैं, कुछ जीने की राह बदल लेते हैं

भाषा। वेलिंगटन

कैंसर जानलेवा बीमारी है और अगर किसी को कैंसर हो जाए तो उसके लिए जीना मुश्किल हो जाता है। इससे घबराहट और चिंता की भावना पैदा हो सकती है। लेकिन कुछ लोगों के लिए, यह जीवन को अलग ढंग से जीने की राह दिखाता है, जिसमें उबाऊ नौकरियां छोड़ना और अधिक साहसी बनना शामिल है।हमारे हाल ही में प्रकाशित शोध में, हमने कैंसर निदान के प्रभाव और कैंसर से बचे लोगों के लिए उसके बाद के अनुभवों को समझने की कोशिश की।हमने81 न्यूज़ीलैंडवासियों (23 माओरी और 58 गैर-माओरी) से बात की, जो कैंसर के जीवन-सीमित या अंतिम निदान के साथ अपेक्षा से अधिक समय तक जीवित रहे थे (पहले निदान के बाद से चार से 32 वर्ष), और 25 लोगों से जिनकी पहचान उनके सहयोगियों के रूप में की गई थी। हमने पाया कि लोगों के कैंसर निदान का अनुभव करने और उस पर प्रतिक्रिया देने के तरीके बहुत अलग-अलग होते हैं, लेकिन कुछ लोगों को यह महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है। 81 प्रतिभागियों में से, 26 ने यह विचार व्यक्त किया कि कैंसर का उनके जीवन पर कुछ सकारात्मक प्रभाव पड़ा है - इसके नकारात्मक प्रभावों के साथ साथ।बदलाव तो होगा ही-यह कहा जाना कि आपके पास जीने के लिए केवल सीमित समय बचा है, निस्संदेह एक झटका हो सकता है। लेकिन इससे गहरा बदलाव आ सकता है.- जिन लोगों को गंभीर बीमारी का पता चलता है उनके लिए "जीवन रहते किए जाने वाले कुछ जरूरी कामों की सूची बनाना असामान्य नहीं है। हमारे अध्ययन में कुछ लोगों ने यात्रा करने या नए घर में जाने का इरादा जताया।दूसरों के लिए, निदान ने उनके जीवन पर पुनर्विचार करने और उनके रहने के तरीके में और अधिक महत्वपूर्ण बदलाव करने का मौका प्रदान किया। उन्होंने सांस्कृतिक रूप से अधिक साहसी होने और नए कौशल अपनाने का निर्णय लिया।इनमें से कई लोगों ने अपनी नौकरियाँ छोड़ दीं या ऐसी नौकरियाँ बदल लीं जो उनके लिए बेहतर थीं। कई लोगों ने अपने आस-पास के लोगों के साथ अपने रिश्ते बदल लिए। एक ने अपने बच्चों के प्रति अधिक स्नेह दिखाने की बात की, दूसरे ने दयालुता दिखाई और छोटी-छोटी बातों पर परेशान होना बंद कर दिया।कुछ लोगों ने अधिक चयनात्मक होने और नकारात्मक लोगों के आसपास न रहने का निर्णय लिया। दूसरों ने नए शौक या शिल्प अपनाए जो उन्हें उपचारात्मक लगे। एक व्यक्ति के लिए, कैंसर निदान ने चीज़ों और लोगों को अलग ढंग से देखने की प्रेरणा प्रदान की, जो उन्होंने सोचा था कि अन्यथा नहीं होता।व्यक्ति वह बनने के लिए परिवर्तन से गुजर सकते हैं जो उन्हें लगता है कि वे जीवन में बनना चाहते हैं। एक व्यक्ति को, जीने के लिए दो महीने दिए गए, उसने रोंगोआ (माओरी पारंपरिक उपचार) को अपनाया।

काम्प्लेक्स ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित का सफलतापूर्वक इलाज

डॉक्टरों की एक टीम ने 23 वर्षीय व्यक्ति में पोस्टीरियर फोसा ट्यूमर को हटाने के लिए एक काम्प्लेक्स सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस सर्जरी की सफलता से परिवार के साथ-साथ मरीज को भी राहत मिली है। उजाला सिग्नस कुलवंती हॉस्पिटल, कानपुर के मरीज को इस ट्यूमर की वजह से कई महीनों से लगातार सिरदर्द और चलने में कठिनाई हो रही थी। 14 जुलाई, 2024 को हॉस्पिटल में डॉ. अमित गुप्ता, एमसीएच, न्यूरोसर्जरी की देखरेख में सबऑक्सीपिटल क्रैनियोटॉमी के माध्यम से ट्यूमर को हटाया गया। सफल प्रक्रिया पर बात करते हुए डॉ. गुप्ता ने कहा पोस्टीरियर फोसा ट्यूमर अपने स्थान और इसमें शामिल महत्वपूर्ण संरचनाओं के कारण विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होते हैं। यह इस युवा मरीज का दृढ़ संकल्प हमारी टीम की एक्सपर्टीज और उजाला सिग्नस कुलवंती हॉस्पिटल की एडवांस्ड सुविधाओं के कारण था, जिसने हमें इस सर्जरी को सफलतापूर्वक करने की सहूलियत दी। हम मरीज की रिकवरी और सर्जरी के सकारात्मक परिणाम से खुश हैं। यह केस जटिल न्यूरोसर्जिकल बीमारियों के मैनेजमेंट में प्रारंभिक डायग्नोसिस और विशेष देखभाल के महत्व को दर्शाता है।

ग्लेशियर और बर्फ की चादरें पिघलने से उभरे नए पारिस्थितिक तंत्र

मेलबर्न,। अगस्त (द कन्वरसेशन) जैसे-जैसे वैश्विक तापमान साल-दर-साल बढ़ रहा है, दुनिया के ग्लेशियर पीछे हट रहे है। बर्फ की ए नदियाँ और यहां तक कि ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका को ढकने वाली बड़ी बर्फ की चादरे पिघल रही है - और पिघलने की गति तेज हो रही है। केवल कुछ ही प्रजातियाँ होती है जो ग्लेशियरों और बर्फ की चादरो मे रह सकती है, बर्फ के कीड़ों से लेकर बर्फ के पिस्सू और बर्फ के शैवाल तक। जब बर्फ पिघलती है तो इन प्रजातियों को उसके साथ पीछे हटना पड़ता है।लेकिन उन क्षेत्रों का क्या होता है जो ग्लेशियर पीछे छोड़ जाते है?

अमेजन नवचार पर ध्यान देगा

ग्लोबल। अमेजन प्राइम अब उसी दिन 10 लाख से अधिक और अगले दिन 40 लाख से अधिक उत्पादों की डिलीवरी करता है, जबकि अधिक सतत डिलीवरी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहा है। अमेजन इंडिया भारत भर में ग्राहकों को तेज विश्वसनीय और सुविधाजनक डिलीवरी विकल्प प्रदान करने के लिए नवाचार करता रहता है। 2014 में भारत में अगले दिन डिलीवरी का अग्रणी बनने से लेकर 2017 में प्राइम मेंबर्स के लिए उसी,दिन डिलीवरी की शुरुआत तक हमने सबसे बड़ी उत्पाद श्रृंखला के लिए तेज और विश्वसनीय डिलीवरी को प्राथमिकता देना जारी रखा है। ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिएए हमने उसी दिन और अगले दिन डिलीवरी के लिए उपलब्ध उत्पादों की श्रृंखला को मजबूत किया है। आजए प्राइम मेंबर्स को पर 10 लाख से अधिक उत्पादों पर मुफ्त, असीमित उसी दिन डिलीवरी और 40 लाख से अधिक उत्पादों पर अगले दिन डिलीवरी मिलती है। अमेजन प्राइम डिलीवरी अनुभवइंडिया के निदेशक और कंट्री हेड अक्षय साहि ने कहा कि हम अपने ग्राहकों के लिए सर्वोत्तम सुविधाओंए मूल्य और डिलीवरी विकल्पों के नए स्तर लाने के लिए लगातार नवाचार कर रहे हैं।

टोयोटा ने एमओयू पर दस्तखत किए

मुंबई। भारत के लिये अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुनर्पुष्टि करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने छत्रपति संभाजी नगर में एक ग्रीन फील्ड निर्माण सुविधा की स्थापना की संभावना का पता लगाने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए। महाराष्ट्र सरकार के साथ आज इस एमओयू का आदान-प्रदान डॉ. हर्षदीप कांबले (आईएएस), प्रधान सचिव (उद्योग), महाराष्ट्र सरकार और श्री सुदीप संतराम दलवी, निदेशक और मुख्य संचार अधिकारी, टीकेएम के बीच हुआ। इस मौके पर एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस, अजीत पवार और अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। टीकेएम की ओर से टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एमडी और सीईओ तथा टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन (टीएमसी) में क्षेत्रीय सीईओ मसाकाजू योशिमुरा, टीकेएम की वाइस प्रेसिडेंट सुश्री मानसी टाटा, टीकेएम के उप प्रबंध निदेशक स्वप्नेश आर मारू उपस्थित थे।

प्लेटिनम की मांग दुनिया में बढ़ी

ढाका। दुनिया भर में प्लेटिनम की मांग बढी है। बारिश के मौसम में आपका स्टाईल बनाएगा प्लेटिनम इवारा का कलेक्शन। प्लेटिनम इवारा की सुंदर ज्वेलरी, शुद्ध प्लेटिनम से बनी है, जिसमें बारिश के हर दिन के लिए एक विशेष आकर्षण के साथ बेहतरीन लुक और ग्लैमर है। यह कलेक्शन 95 प्रतिशत शुद्ध प्लेटिनम से बना हैए जो सादगी के साथ उत्कृष्टता प्रदर्शित करता है। इसकी प्राकृतिक सफेद चमक और बेहतरीन शिल्पकारी के कारण यह ज्वेलरी बारिश के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। चाहे नाजुक पेंडेंट पहनना हो या खूबसूरत ब्रेसलेटए इसका हर डिज़ाईन कैज्युअल आउटिंग और औपचारिक अवसरों दोनों के लिए उपयुक्त है। ग्लैमरस लाउंजवियर से लेकर आकर्षक बोर्डरूम लुक तक अपने सादगीपूर्ण सौंदर्य के कारण प्लेटिनम इवारा ज्वेलरी आपके स्टाईल के लिए उत्तम है।

क्विक न्यूज

ब्रिटेन में चाकू से हमला करने वाले संदिग्ध का नाम किया गया सार्वजनिक

लंदन। उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के साउथपोर्ट में तीन लड़कियों की चाकू घोंपकर हत्या करने के आरोपी किशोर का नाम बृहस्पतिवार को सार्वजनिक कर दिया गया। वही, घटना के बाद यहां डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर हुए हिंसक प्रदर्शनों को लेकर प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने पुलिस प्रमुखों से बातचीत की। साउथपोर्ट में सोमवार को हुए हमले के थोड़ी देर बाद ही 17 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था जिसका नाम एक्सेल मुगनवा रुदाकुबाना है। उसका जन्म वेल्स में हुआ था और और वह लंकाशायर के बैंक्स गांव का रहने वाला है। अदालत द्वारा प्रतिबंध हटाने के बाद उसका नाम सार्वजनिक किया गया है। वह लिवरपूल नगर मजिस्ट्रेट अदालत में पेश हुआ जहां उस पर हत्या के तीन और हत्या की कोशिश के 10 आरोप लगाए गए तथा चाकू रखने का भी आरोप लगाया गया है।

दुनिया की तकनीकि से रूबरू होंगे युवा

रोम। मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनी, मोटोरोला ने आज मोटोरोला एज 50 को भारत में लॉन्च किया है। सही मायने में यह जिंदगी में नई उमंग जगाने वाला स्मार्टफोन है, जो आर्ट के मामले में सबसे आगे है और इसे क्रिएटिविटी को बड़ी आसानी से जाहिर करने के लिए बनाया गया है। मोटोरोला के प्रीमियम एज सीरीज में शामिल किए गए सबसे नए स्मार्टफोन के रूप में, मोटोरोला एज 50 में एमआईएल 810 एच मिलिट्री ग्रेड ड्यूरेबिलिटी और आईपी68 अंडरवॉटर प्रोटेक्शन जैसे कई बेमिसाल फीचर्स मौजूद हैं, और इसी वजह से यह आईपी68 एमआईएल-810एच मिलिट्री ग्रेड सर्टिफाइड सबसे टिकाऊ स्मार्टफोन है। इसने आईपी68 रेटिंग के साथ ड्युरेबिलिटी के मामले में एक नई मिसाल कायम की है, जिसका मतलब यह है कि यह धूल, गंदगी और रेत का सामना कर सकता है, साथ ही 30 मिनट तक 1.5 मीटर गहरे ताजे पानी में डूबा रह सकता है। इसके अलावा, मकहम 50 के साथ मोटोरोला ने स्मार्ट?ेन टेक्नोलॉजी को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा दिया है। ड्युरेबिलिटी की बात की जाए, तो इसे बिल्कुल नए मिलिट्री स्टैंडर्ड एमआईएल-एसटीडी-810एच के साथ पेश किया गया है। मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर टी.एम. नरसिम्हन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा मोटोरोला एज 50 बड़ी संख्या में स्मार्टफोन यूजर्स की महत्वपूर्ण जरूरत को पूरा करता है।

विश्व की शैक्षिक मूल्यांकन संस्था भारत में भी

ग्लोबल। दुनिया की सबसे बड़ी निजी शैक्षिक मूल्यांकन अनुसंधान और मापन संस्था अमेरिका स्थित ईटीएस ने भारतीय छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई टोफेल ने आधिकारिक शुरुआत गाइड के लॉन्च की आधिकारिक घोषणा की है। यह पुस्तक विशेष रूप से भारतीय छात्रों के लिए बनाई गई है जिसमें ईटीएस से मान्य स्टडीमैटेरियल भी शामिल है। दुनिया की सबसे बड़ी गैर.लाभकारी वैश्विक मूल्यांकन संगठन के रूप मेंए म्जै हमेशा भारतीय परीक्षार्थियों को शिक्षार्थी समर्थन प्रदान करने में अग्रणी रहा है। इस पुस्तक के शुभारंभ पर बोलते हुएए टोफेल के ग्लोबल जनरल मैनेजर ओमर चिहान ने कहा कि भारत ईटीएस के लिए एक प्राथमिकता बाजार है, और टोफेल परीक्षा में शामिल होने तथा विदेश में पढ़ने को इच्छुक छात्रों की लगातार बढ़ती रुचि हमारे लिए तैयारी समर्थन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक प्रमुख कारण है। पुस्तक के विमोचन के अवसर पर बोलते हुएए ईटीएस इंडिया और साउथ एशिया के कंट्री मैनेजर सचिन जैन ने कहाए ईटीएस मेंए हम छात्रों को उनकी शैक्षणिक यात्रा के दौरान सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, खासकर उन छात्रों को जो टोफेल जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उत्तर प्रदेश के टोफेल परीक्षार्थियों को विशेष रूप से तैयार की गई टोफेल आधिकारिक बिगिनर्स गाइड पूरी तरह निःशुल्क मिलेगी। उत्तर प्रदेश में सबसे ज़्यादा कॉलेज हैं, जो एक जीवंत शैक्षणिक समुदाय को दर्शाता है, जहाँ 7 मिलियन से ज़्यादा छात्र कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं। इन छात्रों में से कई विदेश में पढ़ने की इच्छा रखते हैं, और टोफेल परीक्षा उनकी वैश्विक आकांक्षाओं को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

तुझपे मैं फिदा का ग्लोबल ट्रेलर लांच

अमेजन। अमेज़न मिनीटीवी दर्शकों को कोल टाउन में वापस ले जाने के लिए तैयार है। एक जादुई यात्रा पर जो प्यार, दिल टूटने और रहस्य से भरी हुई है,क्योंकि इसने आधुनिक समय की परियों की कहानी तुझपे मैं फिदा के दूसरे सीजन की घोषणा की है। पहले सीजन की शानदार सफलता के बादए स्ट्रीमिंग सेवा ने आज आगामी सीजन का मोहक ट्रेलर जारी कियाए जिससे काफी उत्सुकता फैल गई है। बीबीसी स्टूडियो प्रोडक्शंस इंडिया द्वारा निर्मित, इस सीजन में प्रिय कलाकारों की वापसी हो रही है, जिसमें रुद्राक्ष जैसवाल और निकीत ढिल्लों क्रमशः मार्कस और आइरा की भूमिकाओं में वापस आ रहे हैं। रोमांचक ट्रेलर हमें दिखाता है कि मार्कस और आइरा के बीच जो एक चिंगारी थी, वह अभी भी जीवित है। जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, हम देख सकते हैं कि ब्रेकअप के बाद वे अपने दिलों को फिर से जोड़ रहे हैंए लेकिन उनके इर्द गिर्द की परछाइयाँ एक काला रहस्य छिपाए हुए हैं। जब मार्कस और आइरा कोल टाउन के खतरनाक रहस्यों की खोज करते हैं, क्या वे फिर से एक हो पाएंगे या उनकी कहानी एक दुखद मोड़ ले लेगी। हेड ऑफकंटेंट अमोघ दुसाद ने कहा कि तुझपे मैं फ़िदा का दूसरा सीज़न गहन रोमांस, रहस्य और साज़िश का सही मिश्रण है। कहानी और कथानक निश्चित रूप से दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेंगे, क्योंकि कोल टाउन की खामोश गलियों में रहस्य छुपे हुए हैं। बेहतरीन कलाकारए मनोरंजक कहानी और बेहतरीन पटकथा निस्संदेह दर्शकों को पसंद आएगी।

एफएलओ ने दक्षिण अफ्रीकी महिलाओं को प्रशिक्षण दिया

अफ्रीका। फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन-एफएलओ जो कि व्यवसायी महिलाओं का शीर्ष निकाय है, ने अपनी उद्यमिता पहल के तहत 22 दक्षिण अफ्रीकी महिलाओं को सोलर पैनल, होम लाइटिंग सिस्टम, स्ट्रीट लाइट, मिनी और माइक्रोग्रिड और फोटोवोल्टिक सर्किट बनाने और उनके रखरखाव का प्रशिक्षण दिया है। इन 22 महिलाओं को राजस्थान के अजमेर जिले के तिलोनिया गांव में प्रसिद्ध बेयरफुट कॉलेज के साथ साझेदारी में प्रशिक्षण दिया गया। इन नई क्षमताओं के साथ उन्हें सोलर मामा के रूप में मान्यता दी गई है और यह प्रशिक्षण उन्हें दक्षिण अफ्रीका में अपने समुदायों को रोशनी देने में मदद करेगा। 22 दक्षिण अफ्रीकी महिलाओं को प्रशिक्षित करने की यह यात्रा एफएलओ की भारत में प्रशिक्षित् पहल की दिशा में एक कदम है और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके सामाजिक.आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, लैंगिक समानता की वकालत करने और महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करने में सबसे आगे रहे हैं। वैश्विक जुड़ाव के लिए हमारी प्रतिबद्धता सोलर मामा परियोजना द्वारा दर्शाई गई है।फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री जॉयश्री दास वर्मा ने ये बाते कही। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत संकल्पना और क्रियान्वयन एफएलओ की पूर्व अध्यक्ष सुश्री सुधा शिवकुमार ने किया। अगस्त 2023 में सुधा ने फिक्की के अनुरोध पर दक्षिण अफ्रीका में एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। प्रतिनिधिमंडल में आठ सदस्य शामिल थे। और एफएलओ ने ब्रिक्स महिला व्यापार गठबंधन वार्षिक बैठक ब्रिक्स.अफ्रीका व्यापार सम्मेलन, ब्रिक्स व्यापार मंच, डरबन में पैनल चर्चा और महिला व्यापार गठबंधन के बंद कमरे में आयोजित सत्र सहित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लिया। डरबन में ब्रिक्स महिला व्यापार गठबंधन में दक्षिण अफ्रीका सरकार की महिलाए युवा और विकलांग व्यक्ति मंत्री डा् नकोसाज़ाना दलामिनी जूमा के साथ बातचीत के दौरान इस तरह के कार्यक्रम की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

शटलरों व बॉक्सरों की दावेदारी पड़ी कमजोर, हॉकी में मिली पहली हार

बढ़त बनाने के बाद बेल्जियम से हारी भारतीय हॉकी टीम

● पेरिस ओलंपिक

भाषा। पेरिस

पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी रेंज से भारत के पदकों की हैट्रिक पूरी हो गई जब स्वप्निल कुसाले ने ओलंपिक में 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन्स में देश के लिए पहला कांस्य पदक जीता लेकिन बैडमिंटन और मुक्केबाजी में पदक के प्रबल दावेदारों के बाहर होने से देश को निराशा हाथ लगी, वहीं भारतीय हॉकी टीम को बृहस्पतिवार को यहां पहली हार झेलनी पड़ी। वहीं हाफटाइम तक एक गोल से बढ़त बनाने के बावजूद भारत को मौजूदा चैम्पियन बेल्जियम ने पूल बी के मैच में 2-1 से हरा दिया। इस टूर्नामेंट में भारत की यह पहली हार थी जिसने न्यूजीलैंड को 3-2 और आयरलैंड को 2- 0 से हराने के अलावा अर्जेंटीना से 1-1 से ड्रॉ खेला था। क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी भारतीय टीम के लिए अभिषेक ने 18वें मिनट में पहला गोल किया और भारत ने हाफटाइम तक बढ़त बरकरार रखी। बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर में दो गोल करके बढ़त बनाई जो आखिर तक कायम रखी। बेल्जियम के लिए थिबू स्टॉकब्रोक्स ने 33वें और जॉन जॉन डोमीन ने 44वें मिनट में गोल किया। भारत को अब अगला मैच शुक्रवार को आस्ट्रेलिया से खेलना है जिसे बेल्जियम ने 6-2 से हराया था।

मुक्केबाज जरीन का सपना टूटा

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (50 किलो) का ओलंपिक पदक जीतने का सपना एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता चीन की वू यू से 0 -5 से अप्रत्याशित और एकतरफा हार के साथ खत्म हो गया। निकहत का यह पहला ओलंपिक था और उन्हें वरीयता भी नहीं मिली थी क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ (आईबीए) को मान्यता नहीं देती जो विश्व चैंपियनशिप कराता है। भारत की पदकों की सबसे प्रबल दावेदारों में से एक निकहत के बेहद कठिन ड्रॉ मिला था। निकहत पेरिस ओलंपिक से बाहर होने वाली भारत की चौथी मुक्केबाज हैं। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किलो) और विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता निशांत देव (71 किलो) पदक से एक जीत दूर हैं। दुनिया के पूर्व नंबर एक मुक्केबाज अमित पंघाल (51 किलो), राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैसमीन लम्बोरिया (57 किलो) और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पंवार (54 किलो) बाहर हो चुके हैं।

20 किमी पैदल चाल में निराशाजनक प्रदर्शन

भारतीय खिलाड़ियों का पुरुष और महिला दोनों वर्ग की 20 किलोमीटर पैदल चाल में निराशाजनक प्रदर्शन रहा। पुरुष वर्ग में विकास सिंह और परमजीत सिंह जहां क्रमशः 30वें और 37वें स्थान पर रहे, वहीं राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह छह किमी के बाद हट गए। महिला वर्ग में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारक प्रियंका गोस्वामी 41वें स्थान पर रही।

तीरंदाज जाधव हारे, पुरुष एकल में भारतीय चुनौती समाप्त

भारतीय तीरंदाज प्रवीण जाधव व्यक्तिगत पुरुष रिकर्व स्पर्धा के पहले दौर में चीन के काओ वेनचाओ के खिलाफ 0-6 (28-29 29-30 27-28) से हार के साथ बाहर हो गए। जाधव की हार के साथ पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में भारतीय अभियान समाप्त हो गया क्योंकि अनुभवी तरूणदीप राय और धीरज बोम्मदेवरा पहले ही अपने नॉकआउट मैच हार चुके हैं। महिला व्यक्तिगत वर्ग में अनुभवी दीपिका कुमारी और 18 साल की भजन कौर की दावेदारी बरकरार है। दोनों शनिवार को अपने प्री क्वार्टर फाइनलमुकाबले खेलेंगी। भारतीय पुरुष और महिला टीमें पहले ही टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो चुकी हैं।

ओलंपिक पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	11	7	3	21
फ्रांस	8	10	8	26
जापान	8	3	4	15
ऑस्ट्रेलिया	7	6	4	17
अमेरिका	6	13	12	31
ग्रेट ब्रिटेन	6	7	7	20
दक्षिण कोरिया	6	3	3	12
इटली	3	6	4	13
कनाडा	2	2	3	7
जर्मनी	2	2	2	6
भारत	0	0	3	3

पेरिस ओलंपिक में भारत का कार्यक्रम

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में प्रतियोगिताओं के सातवें दिन शुक्रवार को भारत का कार्यक्रम इस प्रकार है।गोल्फःपुरुषों के व्यक्तिगत फाइनल्स (दूसरा दौर): शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर - दोपहर 12.30 बजे ,निशानेबाजी: महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन प्रिसिजन: ईशा सिंह और मनु भाकर - दोपहर 12.30 बजे ,पुरुषों की स्कीट क्वालीफिकेशन पहला दिन: अनंतजीत सिंह नरूका - दोपहर 1.00 बजे , तीरंदाजी: मिश्रित टीम (1/8 एलीमिनेशन): भारत (धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भक्त) बनाम इंडोनेशिया - दोपहर 1.19 बजे नौकायन: पुरुषों का सिंगल स्कल्स फाइनल (फाइनल डी): बलराज पंवार - दोपहर 1.48 बजे ,जूडो: महिलाओं का प्लस 78 किग्रा (एलीमिनेशन राउंड ऑफ 32): तूलिका मान बनाम इडालिस ओर्टिज (क्यूबा) - दोपहर 2.12 बजे ,पाल नौकायन:महिला डिंगी (रेस तीन): नेत्रा कुमानन - दोपहर 3.45 बजे ,महिला डिंगी (रेस चार): नेत्रा कुमानन - शाम 4.53 बजे ,पुरुष डिंगी (रेस तीन): विष्णु सरवनन - शाम 7.05 बजे ,पुरुष डिंगी (रेस चार): विष्णु सरवनन - रात 8.15 बजे ,हॉकी:पुरुष टूर्नामेंट (ग्रुप चरण): भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया - शाम 4.45 बजे ,बैडमिंटन: पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल: लक्ष्य सेन बनाम चाउ टिएन चेन (चीनी ताइपे) - शाम 6:30 बजे ,एथलेटिक्स: महिला पांच हजार मीटर (हीट एक): अंकिता ध्यानी - रात 9.40 बजे ,महिला पांच हजार मीटर (हीट दो): पारुल चौधरी - रात 10.06 बजे ,पुरुष गोला फेंक (क्वालीफिकेशन): तेजिंदरपाल सिंह तूर - रात 11.40 बज

शिंदे ने कुसाले के लिए एक करोड़ की घोषणा की

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बृहस्पतिवार को पेरिस ओलंपिक मे कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले के लिए एक करोड़ रुपए के पुरस्कार की घोषणा की। कुसाले ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में ओलंपिक कांस्य पदक जीता, जिससे भारत के पेरिस ओलंपिक मे कुल पदकों की संख्या तीन हो गई। शिंदे ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने कुसाले के पिता और कोच से बात की थी। उन्होने कहा, महाराष्ट्र सरकार कुसाले के लिए एक करोड़ रुपए के पुरस्कार की घोषणा कर रही है। ओलंपिक से लौटने पर उनको सम्मानित किया जाएगा।

'गोल्फर दीक्षा पेरिस में कार दुर्घटना में घायल होने से बचीं

पेरिस। पेरिस ओलंपिक मे भाग लेने वाली भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर की कार को अन्य वाहन ने टक्कर मार दी लेकिन गनीमत है कि उन्हे कोई चोट नही लगी जिससे वह अपनी स्पर्धा मे तय कार्यक्रम के अनुसार हिस्सा लेंगी। कार मे डागर परिवार दीक्षा, उनके पिता और कैडी कर्नल नरेन डागर, उनकी मां और भाई थे। मंगलवार रात इंडिया हाउस मे एकसमारोह से लौटते समय एक अन्य वाहन ने उनकी कार को टक्कर मार दी थी। कर्नल डागर के अनुसार दीक्षा ठीक है और सात अगस्त से तय कार्यक्रम के अनुसार स्पर्धा मे खेलेंगी और वह अभ्यास के लिए भी जा रही है।

स्वियातेक सेमीफाइनल में हारकर बाहर

पेरिस। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज इगा स्वियातेक बृहस्पतिवार को पेरिस ओलंपिक की महिला टेनिस स्पर्धा के सेमीफाइनल मे चीन की झेंग किनवेन से हारकर बाहर हो गईं। झेंग ने पिछले पांच साल मे चार फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली स्वियातेक को 6-2, 7-5 से शिकस्त दी। शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी स्वियातेक के लिए यह करारा झटका था। डब्ल्यूटीए रैंकिंग मे सातवे स्थान पर काबिज झेंग जनवरी मे आस्ट्रेलियन ओपन मे उपविजेता रही थी।

प्रणय को हराकर लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में

भाषा। पेरिस

लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में बृहस्पतिवार को यहां हमवतन भारतीय एचएस प्रणय को एकतरफा मुकाबले में सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने 39 मिनट चले अंतिम 16 के मुकाबले में 30वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय को 21-12, 21-6 से शिकस्त दी। लक्ष्य की प्रणय के खिलाफ आठ मैच में यह पांचवीं जीत है। लक्ष्य ओलंपिक बैडमिंटन पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले लंदन ओलंपिक 2012 में पारूपल्ली कश्यप और रियो ओलंपिक 2016 में किदांबी श्रीकांत पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना चुके हैं।क्वार्टर फाइनल में हालांकि लक्ष्य की राह आसान नहीं होगी। गैर वरीय लक्ष्य अंतिम आठ में 12वें वरीय और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन से भिड़ेंगे जिन्होंने जापान के पांचवें वरीय कोडाई नाराओका को 21-12, 21-16 से हराया।लक्ष्य ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि कड़े मैच खेलने से आपको आत्मविश्वास मिलता है। मैं अब टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए तैयार हूं। चाउ के खिलाफ यह एक मुश्किल मैच होगा, मुझे अच्छी तरह से उबरना होगा और अपना शत प्रतिशत देना होगा। प्रणय के खिलाफ लक्ष्य शुरुआत से ही शानदार लय में नजर आए। प्रणय मैच के दौरान बिल्कुल भी लय में नहीं दिए और उन्हें प्रत्एक अंक जुटाने के लिए काफी जूझना पड़ा। वह पूरे मुकाबले के दौरान कभी भी लक्ष्य को चुनौती पेश करने की स्थिति में नहीं दिखे।लक्ष्य ने शानदार स्मैश लगाए जबकि नेट पर भी शानदार खेल दिखाया। बाइस साल के लक्ष्य ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 7-4 की बढ़त बनाई और फिर ब्रेक तक 11-6 की बड़ी बढ़त हासिल करने में सफल रहे। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने 32 साल के प्रणय की लगातार गलतियों का फायदा उठाकर बढ़त को 13-6 तक पहुंचाया। उत्तराखंड के अल्मोड़ा के रहने वाले लक्ष्य ने लगातार चार अंक के साथ बढ़त को 18-9 किया। लक्ष्य ने 19-12 के स्कोर पर प्रणय के शॉट वापस लौटाने में नाकाम रहने पर आठ गेम प्वाइंट हासिल किए और फिर विरोधी खिलाड़ी के अगला शॉट बाहर मारने पर पहला गेम 21 मिनट में 21-12 से जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए 6-। की बढ़त बनाई। प्रणय के पास विरोधी खिलाड़ी के खेल का कोई जवाब नहीं था जिससे लक्ष्य ने ब्रेक तक 11-3 की काफी बड़ी बढ़त बना ली और फिर स्कोर 14-3 किया।लक्ष्य ने बढ़त को 19-5 किया और फिर प्रणय के बाहर शॉट मारने पर 15 मैच प्वाइंट हासिल किए।

सात्विक और चिराग पुरुष युगल से बाहर

पदक की प्रबल दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी क्वार्टर फाइनल में कड़े मुकाबले में हारकर बाहर हो गई जिससे देश को निराशा हाथ लगी। एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग शेट्टी को पहला गेम जीतने के बावजूद आरोन चिया और सोह वूई यिक की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी। दुनिया की पांचवें नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी को 64 मिनट चले मुकाबले में दुनिया की सातवें नंबर की जोड़ी के खिलाफ 21-13, 14-21, 16-21 से हार मिली।

उसका फोकस नही हटे इसलिए कल फोन भी नहीं किया : स्वप्निल के माता पिता

मुंबई। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता स्वप्निल कुसाले के माता पिता ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें यकीन था कि उनका बेटा तिरंगे और देश के लिए पदक जीतेगा। स्वप्निल के पिता सुरेश कुसाले ने कोल्हापूर में पत्रकारों से कहा , हमने उसे उसके खेल पर फोकस करने दिया और कल फोन भी नहीं किया। उन्होंने कहा , पिछले दस बारह साल से वह घर से बाहर ही है और अपनी निशानेबाजी पर फोकस कर रहा है। उसके पदक जीतने के बाद से हमें लगातार फोन आ रहे हैं। स्वप्निल (28 वर्ष) की मां लगातार प्रार्थना कर रही थी और पदक मिलते ही उनकी आंखें भर पाई। मुकाबले का सीधा प्रसारण देख रहे परिजनों और पड़ोसियों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। स्वप्निल की ट्रेनिंग पर करीब 25 लाख रूपए खर्च करने वाले सुरेश ने कहा , यह उसकी कड़ी मेहनत और समर्पण था जो आज रंग लाया। स्वप्निल की मां ने कहा , वह सांगली में पब्लिक स्कूल में था जब निशानेबाजी में उसकी रूचि जगी। बाद में वह ट्रेनिंग के लिए नासिक चला गया था।

पेरिस में निशानेबाजों के अच्छे प्रदर्शन का भरोसा था : आईओए प्रमुख उषा

भाषा। शेटराउ (फ्रांस)

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बृहस्पतिवार को कहा कि भले ही रियो और तोक्यो में पिछले दो ओलंपिक में निशानेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा हो लेकिन उन्हें पेरिस में उनके अच्छा करने का भरोसा था। पेरिस ओलंपिक में भारत का 21 सदस्ईय निशानेबाजी दल हिस्सा ले रहा है जिसमें से देश को तीन कांस्य पदक मिल चुके हैं। मनु भाकर एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय निशानेबाज बन गईं। उन्होंने 10 मीटर व्यक्तिगत महिला एयर पिस्टल और सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। स्वप्निल कुसाले ने बृहस्पतिवार को 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में भारत के खाते में एक और कांस्य जोड़ा। उषा ने पीटीआई से कहा, पिछले दो ओलंपिक में हम निशानेबाजी में पदक नहीं जीत सके थे लेकिन हम पहले भी मनु ने अच्छी शुरुआत की उम्मीद कर रहे थे।

राहुल व ऋषभ मसला सुलझाने उतरेगा भारत

● रोहित और कोहली पर होगी निगाहें

भाषा। कोलंबो

गौतम गंभीर की अगुवाई वाले भारतीय टीम प्रबंधन के पास श्रीलंका के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में यह फैसला करने का मौका होगा कि केएल राहुल और ऋषभ पंत में से कौन वनडे क्रिकेट में भारत का लंबे समय तक विकेटकीपर बल्लेबाज होगा। इस श्रृंखला में कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पर भी निगाहें टिकी रहेगी जो टी20 विश्व कप में जीत के बाद पहली बार कोई मैच खेलेंगे। भारतीय टीम प्रबंधन बाहर चल रही चर्चाओं पर ध्यान दिए बिना उचित टीम संयोजन तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा क्योंकि इस सत्र में चैंपियंस ट्राफी सहित कुछ महत्वपूर्ण वनडे प्रतियोगिताएं होनी हैं। इस संदर्भ में राहुल बनाम ऋषभ का मसला निश्चित तौर पर प्राथमिकता में होगा। पंत के चोट से उबरकर वापसी करने से पहले राहुल ने विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका अच्छी तरह से निभाई थी। उन्होंने विकेट के आगे और विकेट के पीछे अच्छा प्रदर्शन किया था। राहुल द्रविड़ के नेतृत्व वाले पिछले टीम प्रबंधन ने उन पर पूरा भरोसा दिखाया था। लेकिन अब जबकि पंत की वापसी हो गई है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि गंभीर बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को प्राथमिकता देते हैं या पिछले टीम प्रबंधन की तरह राहुल पर ही विश्वास बनाए रखते हैं। अगर गंभीर और कप्तान रोहित इन दोनों बल्लेबाजों को अंतिम एकादश में बनाए रखने का फैसला करते हैं तो तब उन्हें इस पर विचार करना होगा कि श्रेयस अय्यर को कैसे टीम में फिट किया जाए जो 50 ओवरों की क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। इस तरह से देखा जाए तो भारतीय बल्लेबाजी क्रम में दो स्थान के लिए राहुल, पंत और अय्यर के बीच मुकाबला है। अगर भारत इन तीनों को टीम में रखता है तो फिर उसे पांच गेंदबाजों के साथ उतरना होगा। भारत हालांकि इस तरह का जोखिम नहीं उठाना चाहेगा क्योंकि हार्दिक पंड्या निजी कारणों से इस श्रृंखला में नहीं खेल रहे हैं। भारत नंबर छह बल्लेबाज के रूप में शिवम दुबे या रियान पराग में से किसी को मौका दे सकता है।

पंत और राहुल में से किसी एक को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर चुनना मुश्किल : रोहित

कोलंबो। कप्तान रोहित शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वनडे में भारत के विकेटकीपर बल्लेबाजी स्थान के लिए केएल राहुल और ऋषभ पंत में से किसी एक को चुनना काफी मुश्किल फैसला है क्योंकि दोनो खिलाड़ी अपने तरीके से मैच विजेता है। पंत ने अमेरिका मे टी20 विश्व कप के दौरान भारतीय टीम मे वापसी की जबकि राहुल शुक्रवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच मे इस साल जनवरी के बाद पहला वनडे मैच खेलने पर नजर लगाए होंगे। रोहित ने यहां मैच से पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस मे कहा, यह (राहुल और पंत मे से किसी एक को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर चुनना) मुश्किल फैसला है। दोनो ही बेहतरीन खिलाड़ी है और आप दोनो की काबिलियत को जानते है। वे अपने-अपने तरीके से मैच विजेता है। उन्होने बीते समय मे हमारे लिए कई मैच जीते है।

पीएम मोदी, गंभीर, हरभजन ने अंशुमन गायकवाड़ को याद किया

सभी बोले- वह भद्रजन थे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और हरभजन सिंह ने अंशुमन गायकवाड़ के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हे वास्तविक भद्रजन बताया। एक खिलाड़ी, कोच और चयनकर्ता के रूप मे भारतीय क्रिकेट की सेवा करने वाले गायकवाड़ का रक्त कैंसर के कारण बुधवार को निधन हो गया। उन्होंने भारत की तरफ से 40 टेस्ट और 15 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। प्रधानमंत्री मोदी ने गायकवाड़ के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट मे बहुत बड़ा योगदान दिया है।

मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, अंशुमन गायकवाड़ जी को क्रिकेट मे उनके योगदान के लिए याद किया जाएगा। वह एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी और उत्कृष्ट कोच थे। उनके निधन से दुख हुआ। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति। भारत की सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए अभी श्रीलंका गए गंभीर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, अंशुमन गायकवाड़ जी के निधन की खबर से दुखी हूं। भगवान उनके परिवार और प्रियजनो को शक्ति दे। हरभजन के गायकवाड़ के साथ बहुत अच्छे संबंध थे। उन्होंने 1998 में जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे पदार्पण किया था तब गायकवाड टीम के कोच थे।हरभजन ने कहा, अंशुमन गायकवाड़ का निधन दिल तोड़ने वाली खबर है। उनके कोच रहते हुए टेस्ट क्रिकेट मे पदार्पण की मेरे साथ सुखद यादे जुड़ी है। वह वास्तव मे भद्रजन थे। उनके निधन से भारतीय क्रिकेट को बड़ी क्षति पहुंची है। उनकी आत्मा को शांति मिले। परिवार के प्रति संवेदना। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, अंशुमान गायकवाड़ जी के निधन से गहरा दुख हुआ, एक महान क्रिकेटर, जिनके क्रिकेट कौशल ने भारतीय क्रिकेट का गौरव बढ़ाया। दुख की इस घड़ी मे उनके परिजनो के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं है। ओम शांति। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने कहा, अंशुमन गायकवाड़ के परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

अंतिम संस्कार किया गया

वडोदरा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ का गुरुवार दोपहर गुजरात के वडोदरा शहर मे अंतिम संस्कार किया गया। उनका अंतिम संस्कार कीर्ति मंदिर मे किया गया जिसमे उनके परिवार के सदस्य तथा खेल, राजनीति और अन्य क्षेत्रो की प्रमुख हस्तियां मौजूद थे। अस्पताल से गायकवाड़ की पार्थिव देह को शहर के सेवासी इलाके मे उनके निवास पर ले जाया गया। फिर दोपहर कीर्ति मंदिर मे दोपहर करीब डेढ़ बजे उनके बेटे शत्रुंजय गायकवाड़ ने अंतिम संस्कार किया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी, पूर्व विकेटकीपर नयन मोंगिया और किरण मोरे के साथ बड़ौदा क्रिकेट संघ के कई पूर्व और मौजूदा अधिकारी मौजूद थे। वडोदरा भाजपा अध्यक्ष विजय शाह और कांग्रेस प्रवक्ता नरेंद्र रावत भी गायकवाड़ के अंतिम संस्कार मे मौजूद थे।

क्विक न्यूज

लखनऊ ट्रायथलॉन एवं एक्वाथलॉन 3 व 4 अगस्त को

लखनऊ। ट्रायथलॉन एक बहु-खेल प्रतिस्पर्धा हैं जिसमें खिलाड़ी की क्षमता की कड़ी परीक्षा होती है जिसमे उसे तैराकीए साइकिल चालन और विभिन्न दूरी की दौड़ तीनों में अपना दम दिखाना होता है। यह ओलंपिक के आधिकारिक खेलों की श्रेणी में भी है। इस खेल को नये आयाम देने के लिए लखनऊ ट्रायथलॉन एवं एक्वाथलॉन-2024 प्रतियोगिता आगामी 3 व 4 अगस्त 2024 को भारतीय खेल प्राधिकरण क्षेत्रीय केंद्र, सरोजनीनगर लखनऊ में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश ट्रायथलॉन एसोसिएशन के सचिव संदीप मिश्रा, प्रतियोगिता निदेशक रविन कपूर व आयोजन सचिव आशुतोष त्रिपाठी सचिव, लखनऊ ट्रायथलॉनद्ध ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी 9 वर्ष से 25 वर्ष की श्रेणी में अलग.अलग ग्रुप्स में आयोजित स्पर्धाओं में प्रतिभाग करेंगे। सचिव संदीप मिश्रा ने बताया कि ट्रायथलॉन गेम्स के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये शहर के विभिन्न लगभग 25 स्कूलों से उत्तर प्रदेश ट्रायथलॉन एसोसिएशन ने संपर्क किया था। जिससे उनको इस प्रतियोगिता के लिए अलग-अलग समूहों के लिये छात्र.छात्राओं की प्रविष्टि मिली है और अभी तक लखनऊ ट्रायथलॉन एवं एक्वाथलॉन.2024 के लिये लगभग 150 प्रविष्टियां मिल चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व एसोसिएशन उत्तर प्रदेश में विगत दो वर्षों में उत्तर प्रदेश स्टेट ट्रायथलॉन प्रतियोगिता आयोजित करा चुकी है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश ट्रायथलॉन एसोसिएशन को उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ से मान्यता मिली है तथा उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ द्वारा इस खेल को आगे बढ़ाने के लिये सदैव सहयोग दिया जाता है। प्रतियोगिता निदेशक रविन कपूर ने बताया कि छोटे बच्चों के प्रोत्साहन के लिए हम एक्वाथलॉन की स्पर्धा भी करा रहे है जिसमे प्रतिभागी को तैराकी व साइकिलिंग में दम.खम दिखाना होता है।

युवाओं के लिए गेमिंग पर जोर देंगे

नई दिल्ली। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने स्मार्टफोन और एआईओटी पोर्टफोलियो में लंबे इंतजार के बाद सबसे आधुनिक उत्पाद, रियलमी 13 प्रो सीरीज़ 5जी रियलमी वॉच एस2 और रियलमी बड्स टी310 पेश किए। रियलमी 13 प्रो सीरीज़ 5जी में दो मॉडलए रियलमी 13 प्रो 5जी और रियलमी 13 प्रो 5जी शामिल हैं। क्वालकोम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड में मोबाईल कि कंप्यूट और एक्सआर बिज़नेस हेड सौरभ अरोड़ा ने कहा कि हम भारत मेंयूज़र्स को प्रीमियम स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करने के लिए अपनी दीर्घकालिक साझेदारी आगे बढ़ाने के लिए उत्साहितहैं। प्रोडक्टिविटी और मनोरंजन,जैसे गेमिंग, शानदार फोटो और वीडियो कैप्चर आदि जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जा सके। इसमें एआई के साथ अल्ट्रा क्लियर कैमरा हैए जो इंप्रेशनिज़्म के महान मास्टरए क्लॉड मोनेट से प्रेरित आकर्षक डिज़ाईन के साथ अत्याधुनिक कैमरा टेक्नोलॉजी पेश करता है। रियलमी ने मिड से हाई एंड स्मार्टफोन बाजार में प्रमुख दिग्गज बनने की अपनी योजना के बारे में बताया था। यह महत्वाकांक्षा तीन मुख्य क्षेत्रों: विशाल मैमोरी पॉपुलराईज़ेशन, क्वालिटी अपग्रेड, और हमारे एआईयूआई पॉपुलाईज़र प्लान से स्पष्ट है।

यूपी की बहादुरी पर बनाई नयी हाइपरलोकल फिल्म

मुंबई। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का प्रमुख टी ब्रांड, टाटा टी प्रीमियम ने अपनी हाइपरलोकल रणनीति के तहत उत्तर प्रदेश के लिए एक नयी फिल्म लॉन्च की है। देश की चाय अपने प्रदेश का स्वाद टाटा टी। प्रीमियम की इस ब्रांड प्रस्तुति को उत्तर प्रदेश के लोगों की खास विशेषता, यहां के लोगों की बहादुरी को सम्मानित करने वाली कहानी में बहुत ही अच्छे तरीके से पेश किया गया है। उत्तर प्रदेश की फिल्म में एक स्थानीय दबंग की हिरोपंती के साथ जुड़े हुए मानवीय स्पर्श की कहानी है। उत्तर प्रदेश की व्यस्त सड़कों की हलचल के बीच ट्रैफिक में फंसी एम्बुलेंस के लिए रास्ता साफकरने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके यह दबंग व्यक्ति मानवता की मिसाल बन जाता है। यह यूपी के लोगों की भावना का प्रमाण है, ज़रूरत के समय पर बहादुरी से आगे आकर अपना सकारात्मक प्रभाव डाल देते हैं। यूपी के साथ हमेशा जोड़े जाने वाले स्टीरियोटाइप से बिल्कुल अलग पहलू इसमें देख सकते हैं। इस प्रकार, टाटा टी प्रीमियम की अच्छाईयों को ब्रांड के प्रस्ताव दमदार यूपी के लिए दमदार चाय के साथ जोड़ा गया है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के पैकेज्ड बेवरेजेस के प्रेसिडेंट पुनीत दास ने कहा कि टाटा टी प्रीमियम ने आधे दशक पहले अपने हाइपर.लोकल दृष्टिकोण की शुरूआत की। राष्ट्रीय स्तर पर अपना स्थान कायम रखते हुए हमने अपनी क्षेत्रीय निपुणता का लाभ उठाते हुएए हर राज्य की विशेषताए खास पसंद को समझा है। हमारी नयी टीवीसी में हर क्षेत्र कीसांस्कृतिक विशेषता और चाय की पसंद को दर्शाते हुए इन दोनों को उस क्षेत्र के लिए हमारी ब्रांड प्रस्तुति में एकसाथलाया गया है। इसीलिए यह फिल्में हमारे ग्राहकों के दिलों में क्षेत्रीय अभिमान जगाती हैं।

छात्रों को स्वर्ण पदक

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय मथुरा ने अपने परिसर में 5वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने एक प्रेरक भाषण दिया। विश्वविद्यालय ने 2023-24 सत्र के स्नातकों को डिग्री प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, कानून और कानूनी अध्ययन, शिक्षा, हॉस्पिटैलिटी और फार्मेसी सहित विभिन्न कार्यक्रमों में कुल 1,482 डिग्री छात्रों को प्रदान की गईं। इसमें 927 अंडरग्रेजुएट डिग्री 339 डिप्लोमा, 182 पोस्टग्रेजुएट डिग्री और 34 पीएचडी डिग्री शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, कुल 98 छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गयारू 27 छात्रों को स्वर्ण पदक मिले, 36 छात्रों को रजत पदक से सम्मानित किया गया, और 35 छात्रों ने अपने असाधारण प्रदर्शन और समर्पण को उजागर करते हुए कांस्य पदक अर्जित किए। अपने भाषण के दौरान पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई दी और कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली का मुख्य उद्देश्य हमारे युवाओं और विद्यार्थियों को अच्छे व्यक्ति और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। इस विश्वविद्यालय से प्राप्त शिक्षा आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाएगी। संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह छात्रों के लिए बहुत महत्वपूर्ण कार्यक्रम होता है। यह दर्शाता है कि उन्होंने कितनी मेहनत की है और वे कितने समर्पित हैं। उन्होंने छात्रों को अपने जीवन के नए अध्याय शुरू करते और समाज में बहुमूल्य योगदान देते देखकर गर्व व्यक्त किया।

ओलंपिक में कांस्य पदक से पहले कंधे में दर्द और छह महीने तक अनिश्चितता से जूझे सरबजोत

नई दिल्ली। एक खिलाड़ी का सफर चोटो से अछूता नही रहता और पेरिस ओलंपिक पदक विजेता सरबजोत सिंह के करियर मे एक ऐसा दौर भी आया जब वह एक बार भी अपनी पिस्तौल नही उठा पाते थे, प्रतियोगिता मे 60 बार ऐसा करने की बात को भूल ही जाओ। हालांकि सतर्क योजना और रिहैबिलिटेशन ने उन्हे पिछले साल मार्च मे लगी करियर के लिए खतरनाक चोट से उबरने मे मदद की और वह पेरिस खेलो की मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा मे मनु भाकर के साथ कांस्य पदक विजेता बने। बृहस्पतिवार दोपहर दिल्ली पहुंचने पर सरबजोत का जोरदार स्वागत हुआ। बाइस वर्षीय सरबजोत और उनके कोच अभिषेक राणा के सामने ऐसा दौर भी था जब वह ओलंपिक कोटा स्थान हासिल करने से कोसों दूर थे।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।